निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 21 अप्रैल 2025 सोमवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 327 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1572 : फ्रांस और इंग्लैंड के बीच स्पेन के खिलाफ सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

1720 : बाजीराव प्रथम, पेशवा बालाजी विश्वनाथ के उत्तराधिकारी बने।

1739 : स्पेन और आस्ट्रिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

1782 : बैंकाक शहर की स्थापना हुई।

1960 : ब्राजीलिया, ब्राजील की राजधानी बन गई।

2006 : नेपाल नरेश ने चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंपने की घोषणा की।

नया भारत दुश्मनों से न डरता है- न झुकता है बल्कि आंखों में आंख डाल कर बात करता है

रविवार को भी भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण ऐरोबेटिक्स टीम ने दिखाए अपने पराक्रम | देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत हुए लोग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण ऐरोबेटिक्स टीम ने रविवार 20 अप्रैल को रांची में दूसरे दिन भी अपने पराक्रम से लोगों का दिल जीत लिया। रांची के नामकुम स्थित आर्मी मैदान में 'एयर शो' के दूसरे दिन आसमान में एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। रविवार को सूर्य किरण टीम के सभी नौ फाइटर विमान एयर शो में शामिल हुए।

यह नए और मजबूत भारत की झलक है : संजय सेठ

वहीं रविवार को एयर शो के दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने हुंकार भरते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नया भारत है। नया भारत दुश्मनों से न डरता है और न झुकता है, बल्कि आंखों में आंख डाल कर बात करता है। रांची के सांसद और देश के रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि हम मजबूत हुए हैं और सैन्य समान के लिए हमारी दूसरे देशों पर निर्भरता कम हुई है। यह गर्व की बात है कि हम 70% आत्मनिर्भर हो चुके हैं। यह पहले वाला भारत नहीं है ,अब हम दुनिया के 90 से अधिक देशों को सैन्य समान निर्यात कर रहे हैं।

आसमान में दिखी एयर फोर्स की बढ़ती ताकत

एयर शो के दूसरे दिन सभी नौ लड़ाकू विमानों में बैठे दक्ष पायलटों ने अपनी कौशल का प्रदर्शन किया। आसमान में कभी दिल, कभी युवा भारत को समर्पित आकृति तो कभी एयर फोर्स को समर्पित आकृति से लोग रोमांचित होते रहे तो आसमान में ही तिरंगा बनाकर भारतीय एयर फोर्स की सूर्य किरण टीम मानो दुश्मनों को सावधान कर रही हो कि हम भारतीयों से मत टकराना। आज के एयर शो में फाइटर विमानों के द्वारा आसमान में कई प्रकार की आकृति बनाई गई। जिसे देख लोगों ने दांतों तले अंगुलियां दबा ली।

लोगों की देशभक्ति और उत्साह देख कंवजीत संधू हुई भावुक

इंडियन एयर फोर्स की ''सूर्य किरण एयरोबेटिक्स'' टीम की सदस्य कंवलजीत संधू ने कहा कि आज रविवार होने के नाते उन्हें उम्मीद थी कि बड़ी संख्या में लोग एयर शो देखने आएंगे, लेकिन जिस तरह का प्यार रांची में मिला है उसके लिए एक ही शब्द है ''थैंक्यू रांची''। कंवलजीत संधू उस समय बेहद भावुक हो गईं जब एक सरकारी स्कूल की बच्ची ने एयर शो के दौरान ही अपने नन्हें हाथों से एयर लेफ्टिनेंट कंवलजीत संधू की पेंटिंग बना दी। एयर लेफ्टिनेंट ने उस बच्ची की हौसलाअफजाई की और दिल लगाकर खूब मेहनत कर पढ़ाई करने और आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

700 से अधिक एयर शो कर चुकी है सूर्य किरण की टीम

भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण टीम थाईलैंड में एयर शो करने के बाद रांची आयी थी। रांची में 19 और 20 अप्रैल को सफलतापूर्वक एयर शो करने के बाद अब टीम 22 और 23 अप्रैल को पटना में एयर शो करेगी।

सितंबर में फिर मिल सकता है एयर शो देखने का मौका

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने एयर शो को चमत्कारी, अविश्वसनीय, और अकल्पनीय बताया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं सूर्य किरण टीम के बहादुर पायलटों को सलाम करना चाहता हूं। पीएम नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में हमारा रक्षा क्षेत्र अभिनव, आत्मनिर्भर और मजबूत बन गया है। यह एयर शो एक मील का पत्थर था। हम उम्मीद करते हैं कि सितंबर में हमें ऐसा ही एक और अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा

जानें एयरफोर्स की सूर्य किरण टीम और पायलटों के बारे में

भारतीय वायु सेना की ऐयरोबेटिक प्रदर्शन टीम का नाम ''सूर्य किरण'' है । यह इंडियन एयरफोर्स के 52 वें स्क्वाड्रन का हिस्सा है। भारतीय वायु सेना द्वारा वर्ष 1996 में इसकी स्थापना की गई थी। वायु सेना के हवाई कौशल और क्षमता का प्रदर्शन करना ही ''सूर्य किरण'' का उद्देश्य है। आसमान में हैरतअंगेज करतब दिखाने वाली टीम सूर्य किरण के पायलट गौरव पटेल, कुलदीप हुड्डा, अजय दशरथी, जशदीप सिंह, सिधेश कार्तिक, अंकित वशिष्ट, विष्णु, अर्जुन पटेल और दिवाकर शर्मा हैं। भारतीय वायुसेना के ये दक्ष रणबांकुरे अपने फाइटर विमानों से करतब दिखाते समय न सिर्फ आसमान में तरह-तरह की आकृति बना देते हैं, बल्कि उड़ते हुए एक-दूसरे के बेहद करीब आ जाते हैं। पहले दिन की तरह आज दूसरे दिन भी एयर शो के दौरान जब कॉकपिट से पायलटों ने रांचीवसियों से बात की तो उनकी आवाज सुन पूरा आर्मी मैदान भारत माता की जय और वंदे मातरम के साथ तालियों की आवाज से गूंज उठा।

बिहार में 2800 आयुष चिकित्सकों की बहाली शीघ्र : मंगल पांडेय

आयुष की दवा खरीद के लिए इस वर्ष 60 करोड़ रुपये देगी केंद्र सरकार

- **भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल एवं स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बढ़ाया आयुष चिकित्सकों का हौसला**

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आयुष मेडिकल एसोसिएशन, बिहार की ओर से पटना के अधिवेशन भवन में हैनीमैन जयंती सह साईन्टीफिक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री दिलीप जायसवाल एवं बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहें। अपने संबोधन में दिलीप जायसवाल ने कहा कि आयुष चिकित्सक पूरी निष्ठा से सरकारी अस्पतालों में अपनी सेवा दे रहे हैं। होमियोपैथी पद्धति भी आज ऐलोपैथ की तरह कारगर चिकित्सीय उपचार कर रहा है। इस पद्धति में सही और सटीक इलाज हो रहा है। इस अवसर पर सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आयुष चिकित्सकों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके वाजिब हक और सम्मान के लिए हमेशा तत्परता से कार्य कर रही है। नतीजतन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत लगभग 2,800 आयुष चिकित्सकों की नियुक्ति हेतु विज्ञापन एक सप्ताह में प्रकाशित की जाएगी एवं रिक्त पदों को भर दिया जाएगा। श्री पांडेय ने कहा कि संपूर्ण आयुष पद्धति के प्रति पिछले एक दशक में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पीएम मोदी ने 2014 में आयुष मंत्रालय का गठन किया। इसके फलस्वरुप इस पद्धति के विकास के लिए अलग से फंड, योजनाएं, अस्पताल एवं अन्य व्यवस्थाओं को चमकाया गया। व्यवस्थाओं में बदलाव आया। वहीं बिहार में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आयुष चिकित्सा को नई दिशा दी गयी। आयुर्वेद, होम्योपैथ व यूनानी का तेजी से विकास हुआ। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक दिन में कैबिनेट से 825 करोड़ राशि विकास संबंधी विभिन्न योजनाओं के लिए स्वीकृत की गई। बिहार में संचालित विभिन्न आयुर्वेद, होम्योपैथ व यूनानी कॉलेजों का जीर्णोद्धार इन राशियों से की गयी। वहीं, बेगूसराय में नए आयुर्वेद कॉलेज का निर्माण लगभग 250 करोड़ की राशि से हो रहा है। मुजफ्फरपुर होम्योपैथ कॉलेज का भी जीर्णोद्धार हो गया। आयुष के क्षेत्र में आए व्यापक बदलाव की देन डबल इंजन की सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जाती है। श्री पांडेय ने कहा कि देशभर में सबसे ज्यादा एक साथ किसी राज्य में आयुष चिकित्सकों की बहाली हुई तो वह प्रदेश बिहार है। जहां एनडीए की सरकार में पिछले वर्ष एक साथ 2 हजार 901 आयुष चिकित्सकों की बहाली हुई। इसमें 948 होम्योपैथी चिकित्सक थे। श्री पांडेय ने आयुष मेडिकल एसोसिएशन की कुछ प्रमुख मांगों को भी सुना व उसे त्वरित निष्पादित करने का ऐलान भी कर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आपकी मांगों के संबंध में सरकार ने पूर्व में भी सक्रियता दिखायी है। साथ ही कहा कि सूंपर्ण आयुष के क्षेत्र के लिए लगभग 60 करोड़ की राशि केंद्र सरकार से दवाओं के क्रय के लिए मिलने वाली है। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान हैनिमैन के उल्लेखनीय योगदान व कृत्यों की प्रशंसा की और कहा कि भारत में भी जिन लोगों ने आयुष पद्धति को बढ़ावा दिया, उन्हें याद करना जरुरी है। इस अवसर पर आयुष मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ वीरेंद्र मौर्या, डॉ रामजी सिंह, डॉ एम के साहनी, डॉ आर पी सिंह, डॉ गौरी शंकर, डॉ सुभाष सिंह, डॉ निशांत श्रीवास्तव व अन्य उपस्थित रहे।

कांग्रेस को झुकाने की कोशिश करने वाले खुद मिट जाएंगे : मल्लिकार्जुन खड़गे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बक्सर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जय बापू जय भीम जय संविधान कार्यक्रम के आज बक्सर पहुंचे। उन्होंने यहां भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि 'अवसरवादी' गठबंधन बिहार के लोगों के लिए अच्छा नहीं है। वक्फ (संशोधन) अधिनियम समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के लिए भाजपा और आरएसएस की साजिश है। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने नेशनल हेराल्ड की शुरुआत की थी। इसके अलावा, नवजीवन अख़बार और कौमी आवाज़ भी शुरू किया गया था। इन अख़बारों को शुरू करने का मकसद देश को आजाद कराना, देश की जनता को जागरुक करना और लोगों की आवाज अंग्रेजी हुकूमत तक पहुंचाने का था। आरएसएस बीजेपी के लोग षडयंत्र करने में माहिर हैं। इन दिनों उन्होंने कांग्रेस को झूठे मुक़दमों में उलझाने की फिर से कोशिश की है। जैसे ही कांग्रेस का अधिवेशन अहमदाबाद में ख़त्म हुआ, एक दिन बाद नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्ती का प्रयास कर दी। दो दिन बाद सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम चार्जशीट में डाल दिया। श्री खड़गे ने कहा कि पिछले 11 सालों से कांग्रेस और विपक्षी दलों के साथ मोदी सरकार दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। कांग्रेस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी इसलिए निशाना हैं क्योंकि वो पार्टी की रीढ की हड्डी हैं। हम लोग किसी से डरने एवं किसी के आगे झुकने वाले भी नहीं हैं।

साथी सिपाही को गोलियों से भूना, गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेतिया। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाईन के बैरक नंबर चार में शनिवार की रात आपसी विवाद में सिपाही सर्वजीत कुमार ने अपने हीं साथी सिपाही सोनू कुमार को गालियों से भून दिया। हत्या के बाद सर्वजीत बैरक के छत पर चढ़ गया और चिल्लाने लगा कि एक को तो मार दिया अब दूसरे की बारी है। गोलियों की तड़तडाहट से पुलिस लाइन में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर लाईन डीएसपी देवानंद राउत, एसडीपीओ विवेक दीप मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद सर्वजीत को काबू में किया। उसे गिरफ्तार कर मुफस्सिल थाना पुलिस को सौंप दिया गया। सूचना पर डीआईजी हरकिशोर राय भी पहुंचे और मामले की जांच की। मृत सिपाही कैमूर जिले के चैनपुर थानांतर्गत रघुवीरगढ़ निवासी मुक्ति प्रकाश राम के पुत्र सिपाही सोनू कुमार के शरीर में 12 गोली लगी है। पुलिस ने जीएमसीएच में शव को पोस्टमार्टम करा पुलिस लाईन लाकर अंतिम विदाई दी। चंपारण रेंज के डीआइजी हरकिशोर राय, पुलिस उपाधीक्षक रक्षित देवानंद राउत, एसडीपीओ सदर वन विवेक कुमार दीप, यातयात डीएसपी रंजन कुमार सिंह, सदर एसडीपीओ टू रजनीश कंता प्रियदर्शी के अलावे अन्य सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। तत्पश्चात उनके शव को पैतृक गांव परिजनों के साथ भेज दिया गया। वहीं आरोपित सिपाही सर्वजीत भोजपुर जिला के पवना थाना क्षेत्र अंतर्गत खनेट गांव का रहने वाला है। एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि आरोपित सिपाही को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। पुलिस उपाधीक्षक रक्षित देवानंद राउत ने बताया कि दो दिन पहले दोनों सिकटा थाना से पुलिस लाइन में आए थे। शनिवार की रात करीब 10.30 बजे सोनू कुमार रात्रि गश्ती पर जाने के लिए तैयार हो रहा था। इसी दौरान सर्वजीत ने उसे गोलियों से छलनी कर दिया। घटना के समय दोनों वर्दी में थे।

बिहार निवासी कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या

बेंगलुरु (नबिटा ब्यूरो)। बिहार के चंपारण के रहने वाले कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की हत्या कर दी गई। उनका शव रविवार को बेंगलुरु शहर के एचएसआर लेआउट स्थित उनके घर पर खून से लथपथ मिला। पुलिस के मुताबिक, पूर्व डीजीपी की चाकू घोंपकर हत्या की गई है क्योंकि शव पर घाव के निशान पाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि ओम प्रकाश की पत्नी पल्लवी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। एचएसआर लेआउट स्थित उनके तीन मंजिला घर के ग्राउंड फ्लोर पर शव खून से लथपथ पड़ा मिला।

सहकारिता महाविद्यालय की स्थापना से सशक्त होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में सहकारिता महाविद्यालय को स्थापित करने की तैयारी हो रही है। इससे राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, स्वरोजगार और छोटी उद्यमिता का विकास होगा, सामाजिक समावेशन भी बढ़ेगा और नवाचार और अनुसंधान में नए मानक स्थापित करने के अवसर मिलेंगे। यह महाविद्यालय सहकारिता क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। इस महाविद्यालय को गुजरात में स्थापित होने वाले त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय से संबद्ध किया जाएगा। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने राज्य में सहकारिता महाविद्यालय को स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश अफसरों को दिया है। इसमें डिग्री प्रोग्राम, दूरस्थ शिक्षा और ई-लर्निंग पाठ्यक्रम उपलब्ध होंगे जिससे सहकारी क्षेत्र को प्रशिक्षित एवं पेशेवर युवा मिलेंगे। सहकारिता विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पैक्सों में सचिव के पद हों या कोआपरेटिव बैंकों में नियुक्तियों का मामला हो, सभी में बिना किसी मान्य डिग्री के नियुक्तियां होती हैं, क्योंकि सहकारिता के क्षेत्र में अभी तक कोई मान्य डिग्री नहीं होती है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। त्रिभुवन सहकारिता विश्वविद्यालय में विशेष रूप से सहकारिता क्षेत्र के लिए डिग्री, डिप्लोमा और पीएचडी कोर्स बनाए जा रहे हैं। विभागीय मंत्री के निर्देश के आलोक में प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसमें महाविद्यालय के लिए दस एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। इसके लिए भूमि को चिह्नित करने का निर्देश दिया गया है। महाविद्यालय का भवन और कैंपस सहकारिता थीम पर निर्माण होगा।

गांव का सरहुल मिटा देता है सारी दुश्मनी, दूर दराज से आते हैं दोस्त और रिश्तेदार

सरकारी सरहुल के बाद आदिवासी बहुल गांवों में अलग से पारंपरिक सरहुल त्योहार का होता है आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। सरहुल का त्योहार आदिवासियों के लिए सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। सरकारी सरहुल के बाद प्रत्येक गांव में अलग-अलग दिन सरहुल मनाया जाता है। गांव के सरहुल की सबसे अच्छी परंपरा यह है कि इस दिन ग्रामीणों की सभी पुरानी दुश्मनी खत्म हो जाती है। इस दिन सभी लोग अपने पुराने बैर को भूल जाते हैं। रिश्ते नातों में आए खटास को भी सरहुल खत्म कर देता है। दरअसल, सरकारी सरहुल के बाद लातेहार जिले के प्रत्येक आदिवासी बहुल गांव में अलग से पारंपरिक सरहुल का त्यौहार मनाया जाता है। जिस दिन गांव में सरहुल होता है, उस दिन ग्रामीण कई परंपराओं को मानते हैं। सरहुल के एक दिन पहले गांव की बेटियां जिनका विवाह दूसरे गांव में हो गया हो, वह भी अपने मायके आ जाती हैं। इसके अलावा अन्य रिश्तेदार भी गांव में पहुंचते हैं। सरहुल के दिन सरना पूजा के बाद ही गांव में ग्रामीण कोई दूसरा कार्य करते हैं। इस संबंध में नेवाड़ी पंचायत के मुखिया अमरेश उरांव ने कहा कि गांव का सरहुल गांव के लिए सबसे बड़ा उत्सव होता है। उन्होंने कहा कि सरहुल के उत्सव का सबसे बड़ा महत्व यह है कि इस दिन ग्रामीण अपने सभी पुरानी दुश्मनी को मिटा लेते हैं। मुखिया ने कहा कि इस दिन गांव में सरना पूजा के बाद आने वाले मौसम का अनुमान भी लग जाता है। वहीं ग्रामीण संतोष उरांव ने कहा कि सरहुल के दिन गांव में रहने वाले ग्रामीणों के रिश्तेदार भी पहुंचते हैं और एक साथ मिलकर सरहुल का त्योहार मनाते हैं। पांडेयपुरा पंचायत के मुखिया संजय उरांव ने बताया कि सरहुल के त्योहार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस दिन सामाजिक दूरियां लगभग खत्म हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जैसा परिवेश हो गया है, उस परिवेश में लोगों का मिलना जुलना काफी कम हो गया है। लोग मोबाइल पर बात कर रिश्तेदारी निभा लेते हैं। लेकिन सरहुल का त्योहार एक ऐसा त्योहार है, जिसमें ग्रामीणों के रिश्तेदार गांव पहुंचते हैं। लगभग डेढ़ महीने तक अलग-अलग गांव में लोगों का आना-जाना और मिलना जुलना लगातार चलता है, जिससे सामाजिक एकता की भावना भी जागृत होती है। मुखिया संजय उरांव ने कहा कि सरहुल के दिन जब तक सरना पूजा नहीं होता, तब तक गांव में दूसरा कोई कार्य नहीं होता है। सरहुल के दिन सरना पूजा होने के बाद से ग्रामीण खेती बाड़ी की शुरुआत भी करते हैं। सरहुल का त्योहार पुरानी परंपराओं को संरक्षित करने के साथ-साथ लोगों में एकता की भावना को भी जागृत करता है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

निगम की खाली जमीनों पर पीपीपी मोड में बनेंगे मार्केट-दुकान

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नगर निगम की खाली जमीनों पर पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड में मार्केट, दुकान/स्टॉल या कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाए जाएंगे। इसको लेकर लैंड पॉलिसी के लिए आरएफपी बनाया जाएगा। इस परियोजना को शनिवार को नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की बैठक में स्वीकृति दे दी है।

मेयर निर्मला साहू की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि इसके लिए पहले निगम के खाली भूभाग को चिह्नित कर उसे सूचीबद्ध किया जाएगा। इस दौरान अतिक्रमित स्थलों से अतिक्रमणकारियों को हटा कर जगह खाली कराई जाएगी। फिर प्रावधान के अनुसार तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए संबंधित स्थलों पर दुकान आदि बनाने को लेकर जरूरी कदम उठाए जाएंगे। वर्तमान में निगम के कई खाली प्लॉट पर अवैध तरीके से मकान, दुकान, सब्जी बाजार आदि चल रहे हैं।

मई के पहले सप्ताह में लक्ष्मी चौक व मोतीझील पुल पर आइकॉनिक स्ट्रक्चर बनाने का काम शुरू होगा। लक्ष्मी चौक पर लीची और मोतीझील पुल के टी प्वाइंट पर बाबा गरीबनाथ से जुड़े बरगद के पेड़ की आकृति बनेगी। इस काम के एक माह के अंदर ही पूरा होने की उम्मीद है। इससे जुड़ी योजना पहले ही पास हो चुकी है। बैठक में नगर आयुक्त विक्रम विरकर, समिति के सदस्य राजीव पंकू, केपी पप्पू, अमित रंजन, अभिमन्यु चौहान, कन्हैया गुप्ता, उमाशंकर पासवान, सुरभि शिखा, उप नगर आयुक्त सोनू कुमार राय व अन्य अधिकारी शामिल हुए।

चौराहे पर खराब पड़े वाटर फाउंटेन फिर से होंगे चालू

विभिन्न कारणों से शहर के मिठनपुरा चौक, बैरिया गोलंबर व कुछ अन्य चौराहे पर खराब/मृतप्राय वाटर फाउंटेन को फिर से चालू किया जाएगा। इसको लेकर सशक्त स्थायी समिति ने छह फाउंटेन के मरम्मत कराने को लेकर सहमति दे दी है। निगम के मुताबिक कई जगहों पर फाउंटेन से जुड़े मोटर व अन्य पार्टस आदि खराब होने के अलावा चोरी भी हो गए हैं।

खुले में मीट-मछली की विक्री रोकने को पुलिस की मदद लेगा निगम :

शहर में खुले में हो रही मीट-मछली की विक्री रोकने के लिए निगम ने पुलिस की मदद लेने का निर्णय है। तय हुआ कि इस संबंध में एसएसपी के बात की जाएगी। दुकानों पर होने वाली कार्रवाई को संबंधित थाने की स्टेशन डायरी में भी दर्ज किया जाएगा ताकि भविष्य में संबंधित दुकानों द्वारा प्रावधानों का पालन किया जा सके।

निर्माण स्थल पर नक्शा का फ्लैक्स व ग्रीन कवर लगाना अनिवार्य :

सरकारी, निजी या व्यावसायिक भवन के निर्माण से जुड़े कार्यस्थल पर ग्रीन कवर लगाने के साथ ही वहां संबंधित स्वीकृत नक्शा का फ्लैक्स/बैनर भी लगाना होगा। ऐसा नहीं होने पर जुर्माना व अन्य कार्रवाई हो सकती है। दरअसल, एनजीटी के निर्देश या बिल्डिंग बायलॉज में प्रावधान होने के बावजूद निर्माण कार्य के दौरान उसका पालन नहीं किए जाने से धूल, मलबा आदि के कारण प्रदूषण की समस्या गंभीर हो जाती है।

संग्रहालय के रूप में संरक्षित होगा निगम का ऐतिहासिक भवन

मुजफ्फरपुर। नगर निगम के ऐतिहासिक भवन को संग्रहालय के रूप में संरक्षित किया जाएगा। इससे जुड़े प्रस्ताव पर भी सशक्त स्थायी समिति की बैठक में मुहर लगाई गई। निगम का वर्तमान प्रशासनिक भवन करीब 89 साल पुराना है। अंग्रेजों के जमाने में वर्ष 1936 में बनकर तैयार हुआ यह भवन अंग्रेजी के अक्षर 'यू ( ) के शेप में है। बैठक में तय हुआ कि भवन के मूल स्वरूप को बरकरार रखा जाएगा। साथ ही जर्जर हो चुके भवन को मजबूत बनाया जाएगा। इसमें अतीत से अब तक के निगम के इतिहास को सहेजने के साथ ही संवारा जाएगा। इसके अलावा परिसर स्थित बाकी भूभाग पर नए भवन का निर्माण होगा। आने वाले समय में निगम के क्षेत्राधिकार के विस्तार के बाद प्रशासनिक कार्यों के संचालन के लिए कार्यालय भवन की आवश्कता होगी। इसके अलावा पहले से कंपनीबाग में आईसीसीसी भवन के पास निगम की खाली जमीन पर निगम के चार मंजिले प्रशासनिक भवन के निर्माण की योजना पास होने के साथ ही अगस्त 2023 में भूमि पूजन भी हो चुका है।

पार्षद, चेयरमैन से लेकर मेयर तक की बनेगी डायरेक्ट्री, एजेंसी का होगा चयन

संग्रहालय में मुजफ्फरपुर नगरपालिका से लेकर नगर निगम से जुड़े सभी वार्ड पार्षद, चेयरमैन, मेयर, डिप्टी मेयर के नाम से जुड़ी विशेष डायरेक्ट्री को रखा जाएगा। इसमें फोटो, कार्यकाल व अन्य पहलुओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दर्ज होगी। निगम की रिकॉर्ड के अलावा संबंधित लोगों के परिजनों से जानकारी, फोटो आदि हासिल किए जाएंगे। इसे बनाने के लिए निगम द्वारा एजेंसी का चयन किया जाएगा। डायरेक्ट्री का लोकार्पण मेयर निर्मला साहू के द्वारा किया जाएगा।

1864 में मुजफ्फरपुर बना था नगर पालिका

अंग्रेजों के जमाने में 1864 में मुजफ्फरपुर नगर पालिका बना था। आजादी के बाद नगर पालिका के पहले चैयरमैन स्व. श्याम नंदन सहाय बने थे। उनके बाद स्व. डॉ. मगफूर अहमद एजाजी और तीसरे चेयरमैन स्व. रघुनाथ पांडेय बने थे। मुजफ्फरपुर नगर पालिका को 1981 में नगर निगम में अपग्रेड किया गया था। वर्ष 2002 में गठित पहले निर्वाचित निकाय के मेयर समीर कुमार बने थे। बीते 29 मार्च को हुई निगम बोर्ड की बैठक में वार्ड पार्षद संजय केजरीवाल ने नगर पालिका के प्रथम तीन चैयरमैन की प्रतिमा चौराहे पर लगाने की मांग की थी। ऐतिहासिक धरोहर निगम भवन को संग्रहालय की तरह संरक्षित किया जाएगा। परिसर की शेष जमीन पर नया भवन बनेगा। भवनों के निर्माण स्थल पर ग्रीन कवर या नक्शा का फ्लैक्स नहीं होने पर दंडात्मक कार्रवाई होगी। निगम के स्तर से इसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। समिति की बैठक में बीते वित्तीय वर्ष के आय-व्यय की भी समीक्षा की गई।

बेगूसराय में बदमाशों ने युवक को मारी गोली:पैर में गोली मारने की बाद भी की पिटाई

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में बेखौफ बदमाशों ने शनिवार रात एक युवक को गोली मारी दी। इसके बाद बदमाशों ने घायल युवक के साथ जमकर मारपीट किया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बलिया थाना क्षेत्र के आंबेडकर नगर नूरजमापुर की है। घायल युवक को इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक की पहचान नूरजमापुर पंचायत के वार्ड नंबर-1 डॉ. आंबेडकर नगर निवासी राम प्रवेश पासवान के बेटे सोनू कुमार (25) के रूप में की गई है। सोनू के पैर में गोली लगी हुई है। घटना के संबंध में घायल और उसके परिजनों का कहना था कि हम लोगों ने 13 अप्रैल को गांव में बाबा चौहरमल का मेला लगाया था। मेले में गांव के ही सूरज कुमार सहित कुल अन्य दबंगई दिखाने के लिए हंगामा कर रहे थे। वह लोग कहते थे कि तुम जाति विशेष का मेला क्यों लगाए हो ? मेले में बाधा डालने के लिए उन लोगों ने चार-पांच राउंड फायरिंग की थी, जिसके खिलाफ सोनू ने थाने में आवेदन दिया। पुलिस अभी मामले की जांच पड़ताल कर ही रही थी।

बेहोशी की हालत में पड़ा था सोनू

इसी बीच रात में सोनू जब अपने घर से दुकान के लिए निकला तो बदमाशों ने पहले उसके दाएं पैर में गोली मार दी गई। उसके बाद बदमाशों ने लाठी-डंडे और रॉड से पीट-पीटकर बेहोश कर दिया। घायल के भाई का कहना है कि जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे तो सोनू सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़ा था और बदमाश हथियार दिखा रहे थे। हम लोगों ने किसी तरह से भाई को वहां से उठा कर लाए। आरोपी दबंग हैं और बराबर ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं गांव के लोगों और चौहरमल मेला लगाने वालों में काफी आक्रोश है। सूचना मिलते ही पुलिस ने सदर अस्पताल पहुंच कर जानकारी ली। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच-पड़ताल कर रही है।

25 हजार का इनामी सहित आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

21 साल से चल रहे थे फरार, गुप्त सूचना पर पुलिस ने दबोचा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के चरपोखरी थाने की पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित 25 हजार रुपए के इनामी आरोपी समेत दो को धर दबोचा। गिरफ्तारी पीरो के हसन बाजार थाना क्षेत्र के सुखरौली क्षेत्र से हो सकी। पकड़े गए सदस्यों में चरपोखरी थाने के धनौती गांव निवासी बंशीधर ठाकुर और धनपती ठाकुर शामिल हैं। दोनों रिश्ते में पिता-पुत्र हैं। पुलिस के अनुसार 21 साल पुराने मामले में दोनों की तलाश थी। कोर्ट से वारंट निर्गत था।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने दबोचा

इस बीच गुप्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पीरो के हसन बाजार थाना क्षेत्र के सुखरौली क्षेत्र छापेमारी कर दोनों वांछित पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष के अनुसार इसमें बंशीधर ठाकुर पर पच्चीस हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस से बचने के लिए अपने रिश्तेदार के यहां छिपा हुआ था। मालूम हो कि वर्ष 2004 में चरपोखरी थाना के धनौती गांव में हत्या की घटना घटित हुई थी, जिसे लेकर संबंधित थाना में प्राथमिकी कराई गई थी। इस दौरान कोर्ट में उपस्थित नहीं होने को लेकर दोनों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट निर्गत था।

63 आरोपियों को किया जा चुका है गिरफ्तार

एसपी राज के आदेश पर पूरे जिले में विशेष समकालीन अभियान चलाया गया। एसपी राज के निर्देश पर चलाए गए विशेष छापेमारी अभियान में कुल 63 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसकी जानकारी एसपी राज ने प्रेस बयान जारी कर दी है। इसमें एक हत्या, एक लूट, 17 हत्या के प्रयास एवं 44 अन्य मामलों के आरोपित हत्थे चढ़े है। इसके अलावा पुलिस ने इस अभियान के दौरान एक अवैध हथियार भी बरामद किया है।

नौतन में खड़े ट्रक से टकराया तेज रफ्तार ट्रक:चालक का पैर टूटा

बेतिया, एजेंसी। बेतिया के जगदीशपुर-गोपालगंज मुख्य मार्ग पर शनिवार रात बड़ा हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक को टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल एक ट्रक चालक का पैर टूट गया, जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया है।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से भिड़ंत

बैरापरसौनी के पास रात करीब दो बजे जगदीशपुर से आ रहे ट्रक ने सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि खड़े ट्रक का चालक केबिन में फंसा हुआ था। ग्रामीणों ने तुरंत चालक को बाहर निकाला। दुर्घटना में चालक का पैर टूट गया था।

घायल बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज रेफर : स्थानीय लोगों ने घायल चालक को तत्काल नौतन पीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। नौतन थाना के थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। तेज रफ्तार और बेकाबू ट्रक ने खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मारी थी। घायल चालक का बेतिया जीएमसीएच में इलाज जारी है।

पूर्णिया में बाइक चोरी का सीसीटीवी फुटेज: 1 मिनट में दुकान के आगे लगी बाइक को ले उड़ा चोर

मास्टर-की से तोड़ा लॉक

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में दुकान के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। बाइक, दुकान के बाहर के कैंपस में लगी थी। इसी बीच कुछ देर रेकी करने के बाद एक शातिर चोर मौका पाकर बाइक के पास पहुंचा। चोर ने महज 1 मिनट में दुकान के आगे लगी बाइक की चोरी कर ली। वहीं बाइक चोर की करतूत वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना को लेकर पीड़ित ने स्थानीय थाने में पहुंचकर लिखित शिकायत दी है। लिखित शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

घटना सदर थाना क्षेत्र के गुलाबबाग इलाके की है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि एक दुकान के बाहर ब्लू रंग की बाइक लगी है। सीसीटीवी फुटेज में ब्लैक शर्ट, ब्लैक टोपी और ब्लैक पैंट पहने लड़के को बाइक की रेकी करते देखा जा सकता है। शातिर चोर बाहर खड़े होकर आसपास की गतिविधियों पर नजर रखता है। मौका मिलते ही वो बाइक के पास आता है और पलक झपकते ही मास्टर-की से बाइक का लॉक तोड़ चंद सेकेंड में बाइक ले उड़ता है। शातिर चोर ने इस पूरी वारदात को महज 1 मिनट के भीतर अंजाम दिया।

पीड़ित ने थाने में की शिकायत

घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित ने बताया कि रोजाना की तरह रात होने पर वो दुकान कर शटर गिराकर जरूरी काम से बाहर पास के ही मार्केट गए थे। लौटने पर दुकान के बाहर बाइक को खड़ी न पाकर वो अचंभित रह गए। आसपास के लोगों को उन्होंने बाइक चोरी होने की बात बताई।

इसके बाद दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला गया, जिसमें बाइक चोरी की पूरी वारदात कैद थी। सीसीटीवी फुटेज में ये शख्स बाइक चोरी कर भागता हुआ दिखाई दिया। वहीं बाइक चोरी की इस घटना का सीसीटीवी फुटेज और आवेदन देकर पुलिस को मामले की शिकायत की गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि चोर इस इलाके में लगातार बाइक चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। वहीं लिखित शिकायत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस बाइक चोरों की धर पकड़ में जुट गई है।

भोजपुर में ट्रैक्टर से 3312 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद, उत्तर प्रदेश से गुप्त तहखाने में छिपाकर ला रहे थे शराब, उत्पाद विभाग की टीम ने पकड़ा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने ट्रैक्टर से लाई जा रही 7 लाख की अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप जब्त करने में सफलता हासिल की है। टीम को यह सफलता बक्सर-पटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर ओवर ब्रिज के समीप से बरामद हुई है। ट्रैक्टर से 3312 बोतल करीब 596.160 लीटर विदेशी शराब बरामद की है, जिसकी बाजार में कीमत सात लाख की बताई जा रही है। उत्पाद विभाग ने एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्कर भोजपुर जिला के खवासपुर थाना क्षेत्र के हजारी के टोला गांव निवासी ब्रिज बिहारी यादव के पुत्र भीरगुनाथ यादव है। इसके पास से एक एक ट्रैक्टर

बरामद किया गया है। तस्करों ने ट्रैक्टर बिना नंबर के आ रहे थे ।

वाहन चेकिंग के दौरान मिली सफलता

बताया जाता है कि ट्रैक्टर में बने गुप्त तहखाने के नीचे से बने बॉक्स के अंदर बड़े ही शातिर तरीके से धंधेबाज अंग्रेजी शराब को छुपाकर उत्तर प्रदेश से भोजपुर की ओर लेकर जा रहे थे। इसके बाद सहायक आयुक रजनीश के द्वारा अवर निरीक्षक रवि कुमार एवं सहायक अवर निरीक्षक रविन्द्र यादव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इधर जानकारी देते हुए सहायक आयुक्त रजनीश ने बताया उत्पाद विभाग की टीम ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रैक्टर से भारी मात्रा में विदेशी शराब पटना-बक्सर फोरलेन से भोजपुर की ओर आ रहा है। इसके बाद टीम ने बक्सर-पटना फोरलेन दौलतपुर ओवरब्रिज के समीप वाहन चेकिंग के दौरान विदेशी शराब को बरामद किया गया ।

गिरफ्तार तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। उत्पाद विभाग की टीम में अवर निरीक्षक रवि कुमार, सहायक अवर निरीक्षक रविंद्र कुमार यादव एवं गृहरक्षक के साथ सैप के जवान मौजूद थे ।

बिहार के 12 लाख से ज्यादा मनरेगा मजदूरों को राहत

जल्द मिलेगा बकाया वेतन, केंद्र ने जारी किए 2102 करोड़

पटना, एजेंसी। बिहार के मनरेगा श्रमिकों को पिछले चार महीने के बकाया मजदूरी के भुगतान को लेकर केंद्र सरकार ने शनिवार को 2102 करोड़ 24 लाख 76 हजार रुपये जारी कर दिया है। इससे बिहार के 12 लाख से अधिक श्रमिकों के बकाया मजदूरी का भुगतान होगा। राशि के आभाव में 27 दिसंबर, 2024 के बाद से ही भुगतान बंद था। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा है कि राशि जारी होने के साथ ही श्रमिकों के खाते में भुगतान भी शुरू कर दिया जाएगा। मालूम हो कि पिछले करीब चार महीने से मनरेगा के तहत श्रमिक काम तो कर रहे थे, पर उन्हें मजदूरी नहीं मिल पा रही थी। इससे श्रमिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। केंद्र से राशि जारी होने से इन श्रमिकों को राहत मिली है। राज्य सरकार की ओर से इनकी बकाया मजदूरी के भुगतान के लिए केंद्र सरकार से कई बार आग्रह भी किया गया था। अब हर श्रमिक को औसतन 17 हजार के करीब मजदूरी मद में मिल पाएगा। मालूम हो कि मनरेगा के श्रमिकों की एक दिन की मजदूरी 245 रुपये है। मनरेगा के तहत साल में अधिकतम सौ दिनों का काम एक श्रमिक को दिया जाता है। 2102 करोड़ में अनुसूचित जाति वर्ग के श्रमिकों के लिए 411 करोड़ 47 लाख, अनुसूचित जनजाति वर्ग के श्रमिकों के लिए 43 करोड़ और अन्य वर्ग के श्रमिकों के 1646 करोड़ 88 लाख रुपये का भुगतान होगा।

2025-26 में 21 करोड़ मानव दिवस स्वीकृत : केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिहार को 21 करोड़ मानव दिवस का बजट स्वीकृत किया

गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 17 करोड़ मानव दिवस की स्वीकृति मिली थी। वहीं, इसके विरुद्ध 25 करोड़ पांच लाख दिनों का काम (मानव दिवस) राज्य के श्रमिकों को दिया गया है। इस तरह 2024-25 में लक्ष्य के विरुद्ध 147 प्रतिशत उपलब्धि हासिल हुई। कुल श्रमिकों में महिलाओं की भागीदारी 55.11 प्रतिशत रही। वहीं, अनुसूचित जाति-जनजाति का प्रतिशत 21.72 प्रतिशत रहा। इस दौरान कुल 12.74 लाख योजनाओं पर कार्य किया गया है। इनमें चार लाख 60 हजार कार्यों को पूरा कर लिया गया है। इस दौरान मनरेगा के तहत कुल 8489.75 करोड़ खर्च हुआ। इसमें सामग्री मद में 2157.78 करोड़ और प्रशासनिक मद में 390 करोड़ 44 लाख खर्च हुआ। वहीं, अकुशल मजदूरी में 5941 करोड़ रुपये खर्च हुए।

3000 करोड़ अब भी बकाया

मनरेगा के सामग्री मद में करीब 3000 करोड़ अभी भी केन्द्र सरकार पर बिहार का बकाया है। सामग्री मद में राशि का भुगतान लंबित रहने से आधारभूत संरचना के विकास के कार्य बाधित हो रहे हैं। विभाग ने इसको लेकर भी केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि यह राशि भी शीघ्र जारी की जाये।

बिहटा में युवक ने की खुदकुशी:पत्नी की मौत के बाद सदमे में था

घरेलू विवाद में 21 दिन पहले फांसी लगाकर दी थी जान

पटना, एजेंसी। पटना जिले के बिहटा में एक युवक ने खुदकुशी कर ली। कमरे में फंदे से लटका हुआ शव मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना राघोपुर गांव की है। परिजनों ने बताया कि मृतक मोहम्मद जावेद उर्फ रिंकू की पत्नी ने 30 मार्च को सुसाइड कर लिया था। जिस कमरे में उसने फांसी लगाई थी, उसे कमरे में जावेद ने भी अपनी जान दे दी। 4 साल पहले शादी हुई है। 2 साल की एक बेटी भी है। पति-पत्नी के बीच कुछ महीनों से विवाद चल रहा था। दोनों के बीच मारपीट भी हुई थी। पत्नी की मौत के बाद से ही जावेद परेशान था। हमेशा कमरे में ही बंद रहता था। किसी से ज्यादा बात नहीं करता था।

जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया

बिहटा थाना प्रभारी कृष्णा कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। जांच के लिए एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। 30 मार्च को युवक की पत्नी ने भी खुदकुशी कर ली थी। परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

ऑनलाइन प्रशिक्षण पूर्ण नहीं करने वाले धनबाद के 140 शिक्षकों को शो-कॉज

धनबाद, एजेंसी। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी जिलों के कक्षा एक से आठ में कार्यरत सभी शिक्षकों को 24 घंटे का ऑनलाइन प्रशिक्षण जे गुरुजी एप्प के माध्यम से प्राप्त करना था। इसके लिए विभागीय स्तर से अतिरिक्त 10 दिनों का समय उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के शिक्षकों को देने के बावजूद 1279 शिक्षकों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण में हिस्सा नहीं लिया या कोर्स पूर्ण नहीं किया। इन शिक्षकों को शो-कॉज किया गया है। इसमें सबसे अधिक गिरिडीह जिला के 516 शिक्षक हैं। वहीं धनबाद जिले के 140 और बोकारो जिले के 91 शिक्षक शामिल हैं। झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रांची के निदेशक शशि रंजन ने जिलों को निर्देशित किया है कि जिन शिक्षकों ने ऑनलाइन कोर्स में हिस्सा नहीं लिया है या कोर्स पूरा नहीं किया है, उन्हें पांच मई तक शो-कॉज से संबंधित पत्र देकर जवाब मांग लिया जाये। राज्य कार्यालय को 20 मई तक इससे अवगत कराया जाना है। स्पष्टीकरण में सेवानिवृत्त, निलंबित, लंबे अवकाश व अन्य समान मामले वाले शिक्षकों को स्पष्टीकरण से अलग रखना है।

सहारा समूह के 5 पूर्व अधिकारियों पर सीआईडी का एक्शन, बनाया गया अभियुक्त, नोटिस भी जारी

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड सीआइडी ने सहारा समूह सीआइडी ने पांच अन्य अधिकारियों को अभियुक्त बनाया है। साथ ही सभी के खिलाफ उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का भी नोटिस जारी किया जा रहा है। विश्व भारती जनसेवा संस्थान ने इस मामले में लिखित शिकायत की थी। इसमें कहा गया है कि इन अधिकारियों ने झारखंड राज्य के गरीब निवेशकों के पैसे को साजिश के तहत हड़पने की कोशिश की गई। सहारा इंडिया पार्टनरशिप फर्म के इन अधिकारियों ने पहले सोसाइटी गठन करने में मुख्य भूमिका निभाई और निवेशकों के पैसों को हड़पने के बाद अपना पद छोड़कर छोटे अधिकारियों को डायरेक्टर बनाकर सोसाइटी से अलग हो गए। इनकी कार्यप्रणाली की जांच करना अतिआवश्यक है।

झारखंड के 4 छात्र टॉप 100 में, दो को मिले 100 परसेंटाइल

रांची, एजेंसी। एनटीए की ओर से जेईई मेन 2025 का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है। इसमें झारखंड के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस साल झारखंड के चार छात्रों ने टॉप 100 ऑल इंडिया रैंक में अपनी जगह बनायी है। रांची के मो अनस को एआइआर 17, गुमला के हर्ष झा को एआइआर 23, जमशेदपुर के आर्यन मिश्रा को एआइआर 40, हजारीबाग के यश कुमार को एआइआर 76 प्राप्त हुआ है। इसमें मो अनस और हर्ष झा ने 100 परसेंटाइल अंक प्राप्त किये हैं। आर्यन मिश्रा ने 99.999 परसेंटाइल और यश कुमार ने 99.997 परसेंटाइल प्राप्त किया है। छात्राओं में हजारीबाग की शगुन साक्षी को 99.947 परसेंटाइल के साथ एआइआर 941 मिला है। इसके अलावा भी कई स्टूडेंट्स जेईई मेन की परीक्षा में बेहतरीन रैंक और परसेंटाइल प्राप्त कर टॉपर लिस्ट में शामिल हैं। बता दें कि एनटीए की ओर से जारी की गयी सूचना के अनुसार जमशेदपुर के आर्यन मिश्रा 99.999 परसेंटाइल के साथ स्टेट टॉपर हैं।

खरसावां के राजकीय प्लस टू हाइस्कूल में पांच कक्षाएं बनेगी, खर्च होंगे 38.26 लाख रुपये

खरसावां, एजेंसी। खरसावां के राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में पांच अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण किया जायेगा। इस पर 38 ।26 लाख रुपये खर्च होंगे। इन पांच कमरों के बनने से प्लस टू की पढाई करने वाले बच्चों को पठन-पाठन में सुविधा होगी। सांसद प्रतिनिधि छोटराय किस्कू एवं विधायक प्रतिनिधि अर्जुन गोप उर्फ नायडू ने संयुक्त रूप से शिलापट्ट अनावरण कर योजना का शिलान्यास किया। छोटराय किस्कु ने कहा कि खरसावां के राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय हमेशा शिक्षा के मामले में अग्रणी रहा है। अतिरिक्त क्लास रूम बनने से प्लस टू के बच्चों को पठन-पाठन में सहूलियत मिलेगी। कहा कि वर्तमान में शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। अर्जुन गोप ने कहा कि राज्य सरकार सभी शैक्षणिक संस्थाओं में आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

तानाशाही इस स्तर : बीजेपी सांसद की सुप्रीमकोर्ट पर टिप्पणी से भड़के जेएमएम प्रवक्ता

रांची, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की विवादित टिप्पणी की आलोचना करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि देश में तानाशाही इस स्तर पर पहुंच गई है कि अब सांसद अदालतों को चुनौती दे रहे हैं।

छ्रूप्रवक्ता ने न्यायपालिका से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की साथ ही अदालत पर उनकी टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

मनोज पांडे ने कहा कि देश में तानाशाही इस स्तर पर पहुंच गई है कि अब सांसद अदालत को चुनौती दे रहे हैं। क्या ये लोग न्यायाधीशों से ज्यादा विद्वान हैं? क्या वे बहुमत मिलने पर कुछ भी करेंगे और क्या अदालतें चुप रहेंगी?

जब अदालतें उनके पक्ष में फैसला देती हैं तो वे कहते हैं कि न्यायपालिका लोकतंत्र का तीसरा स्तंभ है। उन्होंने कहा कि अदालत को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी निशिकांत दुबे की टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के सदस्य कट्टरपंथी हो गए हैं और अब न्यायपालिका को धमका रहे हैं। ओवैसी ने कहा कि आप लोग (भाजपा) ट्यूबलाइट हैं...इस तरह से अदालत को

धमका रहे हैं।

क्या आपको पता भी है कि अनुच्छेद 142 क्या है? इसे बीआर अंबेडकर ने बनाया था। उन्होंने संविधान के उस प्रावधान का हवाला दिया, जो सुप्रीम कोर्ट को किसी भी मामले में पूर्ण न्याय देने का अधिकार देता है। दरअसल, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट धार्मिक युद्धों को भड़का रहा है और स्ष्ट के अधिकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट को कानून बनाना है तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत का एक ही उद्देश्य है मुझे चेहरा दिखाओ और मैं तुम्हें कानून दिखाऊंगा। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से परे जा रहा है। अगर किसी को हर चीज के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना है तो संसद और राज्य विधानसभा को बंद कर देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होने पिछले अदालती फैसलों का हवाला देते हुए समलैंगिकता और धार्मिक विवादों को अपराधमुक्त करने जैसे मुद्दों से निपटने के लिए न्यायपालिका की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 377 के तहत समलैंगिकता को बहुत बड़ा अपराध माना गया था। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि इस दुनिया में केवल दो लिंग हैं, या तो पुरुष या महिला...चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, बौद्ध हो, जैन हो या सिख हो, सभी मानते हैं कि समलैंगिकता एक अपराध है।

एक सुबह, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें इस मामले को खत्म कर देना चाहिए...अनुच्छेद 141 कहता है कि हम जो कानून बनाते हैं, जो फैसले देते हैं, वे निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लागू होते हैं। अनुच्छेद 368 कहता है कि संसद के पास सभी कानून बनाने का अधिकार है और सुप्रीम कोर्ट के पास कानून की व्याख्या करने की शक्ति है।शीर्ष अदालत राष्ट्रपति और राज्यपाल से पूछ रही है कि वे बताएं कि उन्हें विधेयकों के संबंध में क्या करना है। जब राम मंदिर, कृष्ण जन्मभूमि या ज्ञानवापी का मुद्दा उठता है, तो आप कहते हैं, हमें कागज दिखाओ। मुगलों के आने के बाद जो मस्जिद बनी है उनके लिए कह रहे हो पेपर कहां से दिखाओ।दुबे ने आगे आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहता है। उन्होंने कहा कि आप नियुक्ति प्राधिकारी को कैसे निर्देश दे सकते हैं? राष्ट्रपति भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं। संसद इस देश का कानून बनाती है। आप उस संसद को निर्देश देंगे?

आपने नया कानून कैसे बनाया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना है? इसका मतलब है कि आप इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहते हैं।

हजारीबाग में दर्दनाक हादसा, बाराती गाड़ी ने खड़े ट्रक को मारी टक्कर, 6 बच्चे समेत 2 लोग गंभीर रूप से घायल

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के बगोदर एनएच-522 टाटीझरिया के लाइनहोटल चौक के पास शनिवार सुबह 3 बजे शादी कार्यक्रम से लौट रही बाराती गाड़ी बोलेरो (जेएच-02जेड-8547) ने खड़े ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के सामने का पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में बोलेरो में बैठे छह बच्चे समेत दो लोग बुरी खून से लथपथ हो गए। सभी को तुरंत हजारीबाग अस्पताल ले जाया गया। सभी का इलाज हजारीबाग आरोग्यम, सदर अस्पताल और रिम्स में चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक बोलेरो ड्राइवर धर्मपुर निवासी पंकज साव को शादी कार्यक्रम से लौटते वक्त झपकी आ गयी। वे सभी टाटीझरिया के धरमपुर से हजारीबाग दीपुगढ़ा बारात गए हुए थे। इस हादसे में घायलों में चालक के अलावा दीपाली कुमारी (उम्र 10 साल, पिता रामचंद्र यादव), राकेश साव (उम्र 12 वर्ष पिता विजय साव), अंजलि कुमारी (उम्र 12 वर्ष पिता बिनोद यादव), कुमकुम देवी (उम्र 20 वर्ष पति रामचंद्र यादव), कुहु कुमारी (उम्र 2 वर्ष पिता आयुष यादव) आकांक्षा कुमारी (उम्र 7 वर्ष पिता अमर यादव), अभिमन्यु कुमार (उम्र 5 वर्ष पिता अमर यादव) शामिल हैं।

बताया जाता है कि सभी लोग धर्मपुर गांव निवासी सहदेव यादव के छोटे पुत्र रवि यादव के बारात में हजारीबाग के न्यू कॉलोनी, दीपुगढ़ा कनहरी हिल रोड में शामिल होने गये थे। बारात से वापस लौटते वक्त सुबह करीब तीन बजे यह दुर्घटना हुई है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग जमा हो गये और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। हादसा के बाद दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को पुलिस थाने ले आयी, वहीं, ट्रक फरार हो गया। पुलिस अधिकारी घटना की तहकीकात करने में लगे हैं।

मंत्री हफीजुल हसन पर भड़के विधायक राज सिन्हा, बोले- बर्खास्त करे सरकार

धनबाद, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर व ग्रामीण जिला की संयुक्त बैठक शनिवार को जिला कार्यालय में हुई। इसमें झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन के संविधान विरोधी बयान व क्रियाकलापों के खिलाफ 23 अप्रैल को आक्रोश मार्च व प्रदर्शन की तैयारियों पर चर्चा हुई। भाजपा ने हफीजुल हसन के संविधान विरोधी बयान की निंदा करते हुए उनके बर्खास्तगी की मांग की है। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि पिछले दिनों झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण तथा जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन ने शरीयत को भारत के संविधान से बड़ा बताया है। अगर कांग्रेस नेता राहुल गांधी व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की संविधान के प्रति व संविधान निर्माता बाबा साहब के प्रति आस्था है, तो उन्हें अविलंब हफीजुल हसन को बर्खास्त करना चाहिए।

बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए महानगर के सभी 17 मंडलों में व ग्रामीण जिला में भी सभी मंडलों में प्रभारी बनाये गये हैं। वहीं अंबेडकर जयंती के अवसर पर 21 अप्रैल को झरिया अग्रवाल धर्मशाला में संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर पर संगोष्ठी होगी। इसमें मुख्य अतिथि झारखंड के प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी होंगे। साथ ही धनबाद महानगर के सभी जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

21 अप्रैल को ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की कशियाटांड़ में आयोजित कार्यक्रम में भी महानगर एवं ग्रामीण जिला के सभी पार्टी पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह, तारा देवी, मानस प्रसून, शेखर सिंह, पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, अजय निषाद, प्रियंका देवी, मोहन कुंभकार, राजकिशोर जैना, रतिरंजन गिरी, योगेंद्र यादव, उचित महतो, विभा सिंह, अवधेश साव, राजाराम दत्ता,अनिल शर्मा ,बच्चा कुमार गिरी, अरविंद पाठक, सूरज पासवान, किशोर मंडल, पारस दास, विजय सिंह प्रकाश बावरी, संजय कुशवाहा व सनी रवानी आदि मौजूद थे।

जमशेदपुर के चुकलिया में रद हो सकते हैं एक हजार से ज्यादा जन्म प्रमाण पत्र

20

जमशेदपुर, एजेंसी। साइबर फ्राड या सिस्टम की मिली भगत...। यही वो सवाल है, जो चाकुलिया प्रखंड के मटियाबांधी पंचायत में बड़े पैमाने पर जन्म प्रमाण पत्र बनाने में हुए फर्जीवाड़े के बाद उठ खड़ा हुआ है। इसके साथ ही ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र बनाने की पूरी प्रक्रिया भी कटघरे में नजर आने लगी है।

दरअसल, फर्जी प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले रजिस्ट्रार यानी मटियाबांधी के पंचायत सचिव सुनील महतो लंबे अरसे से बीमार चल रहे हैं। बताया जाता है कि उन्होंने अपना लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड पंचायत के वीएलई (विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर) को दे रखा था।

यदि यह मान भी लिया जाए कि पूरे मामले में वीएलई संलिप्तता हो सकती है, तब भी प्रमाण पत्र निर्गत करने से पूर्व ओटीपी

(वन टाइम पासवर्ड) तो पंचायत सचिव के मोबाइल पर ही आया होगा। उसकी सहमति के बिना प्रक्रिया पूरी नहीं होती है।

फर्जीवाड़ा का मामला उजागर होने के बाद पंचायत सचिव व वीएलई दोनों खुद को निर्दोष बताते हुए पूरे मामले से अनभिज्ञता जाहिर करते हैं। दोनों का मोबाइल बंद है और वे फिलहाल किसी से बात भी नहीं कर रहे हैं।

मटियाबांधी पंचायत से निर्गत जन्म प्रमाण पत्रों की जब जांच की गई तो पाया गया कि अधिकांश फर्जी प्रमाण पत्र जनवरी व फरवरी महीने में निर्गत किए गए हैं। बड़ी बात यह है कि सभी बच्चों की उम्र 3 से 4 वर्ष के बीच दर्शाई गई है। इस आयु वर्ग के बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र निकालने के लिए एसडीओ की मंजूरी आवश्यक होती है।

मामला तब और भी गंभीर हो जाता है

दुमका में अब हर गांव में होगी दीदी की दुकान और हाईवे पर खुलेगा दीदी का ढाबा, डीडीसी ने दिया ऑर्डर

दुमका, एजेंसी। उपविकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा ने शनिवार को समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर विभिन्न विभागों से द्वारा संचालित योजनाओं के कार्य प्रगति की समीक्षा करते योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निदेश दिया।

उन्होंने कहा कि जेएसएलपीएस के तहत दीदी की दुकान हर गांव में खोली जाए और सभी हाईवे पर दीदी का ढाबा खोला जाए, ताकि लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा जा सके।

डीडीसी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं का निरीक्षण करें। जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि योग्य लाभुकों को इन योजनाओं का लाभ मिल सके।

समाहरणालय सभागार में शनिवार को समन्वय समिति के सदस्यों के साथ बैठक करते डीडीसी। मनरेगा और आवास योजना की समीक्षा करते हुए बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के तहत कार्यों की प्रगति और पीएम आवास

योजना के लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया।

कृषि विभाग में केवाईसी लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, मुख्यमंत्री कृषि ऋण माफी योजना के तहत किसानों को लाभ पहुंचाने और केसीसी आवेदन के प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया। पशुपालन विभाग में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत पशु वितरण में सुधार करने की नसीहत दी।

विद्यालयों में पेयजल, शौचालय और विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने व जर्जर भवनों के लिए कार्रवाई करने के निर्देश दिया। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के पदाधिकारियों से कहा कि जल जीवन मिशन के तहत नल-जल योजना के लाभ को सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिया कि पेयजल की समस्या आम जनों को नहीं हो, इसे ध्यान में रखते हुए संबंधित विभाग सभी स्रोत और जलमीनार आदि को चालू अवस्था में रखें। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 2.0 के तहत सर्वे का कार्य जल्द पूरा किया जाए।

पीएम जनमन के सर्वे का कार्य को समय से पहले पूर्ण करें। एक भी योग्य लाभुक सर्वे में नहीं छूटना चाहिए। खराब चापानल और पेयजल स्रोत को 15वें वित्त आयोग की राशि से दुरुस्त कराया जाए।

ब्रेक बाइंडिंग से टाटानगर-खड़गपुर मेमू में उठने लगा धुंआ, सहमे यात्री; मची अफरातफरी

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटानगर-खड़गपुर मेमू लोकल में शनिवार को घाटशिला में तकनीकी खराबी आने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

इंजन से चौथे डिब्बे के पहियों में ब्रेक बाइंडिंग (ब्रेक रिलीज होने के बाद भी पहियों से चिपके रहना) के कारण घर्षण से धुंआ उठने लगा, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। हालांकि, रेलवे अधिकारियों ने ब्रेक फेल होने या आग लगने की बात से इनकार किया है।

ब्रेक बाइंडिंग एक ऐसी स्थिति है जिसमें ब्रेक लगाने के बाद भी पहियों से ब्रेक पैड पूरी तरह से अलग नहीं हो पाते हैं। इससे पहियों और ब्रेक पैड के बीच लगातार घर्षण होता रहता है, जिससे गर्मी और धुंआ पैदा होता है।

जानकारी के अनुसार, टाटानगर से खड़गपुर जा रही मेमू लोकल (68006) घाटशिला स्टेशन पर पहुंची। यहां ब्रेक लगाने पर तकनीकी खराबी के कारण ब्रेक बाइंडिंग हो गई। इसके चलते ट्रेन निर्धारित स्थान से आगे जाकर रुकी।

धुंआ उठते देख यात्रियों में भगदड़ मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और खराबी को ठीक किया। इसके बाद ट्रेन लगभग 11-35 बजे घाटशिला स्टेशन से खड़गपुर के लिए रवाना हुई।

इस घटना पर सीपीआरओ (मुख्य जनसंपर्क अधिकारी) ने कहा कि ट्रेन में ब्रेक बाइंडिंग की समस्या हुई थी, जिससे पहियों में घर्षण के कारण थोड़ा धुंआ निकला था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ट्रेन में ब्रेक फेल नहीं हुआ था और न ही आग लगी थी।

सीपी सिंह के बयान पर घमासान, कांग्रेस ने बताया मानसिक रूप से कुंठित व्यक्ति, एफआईआर दर्ज

रांची, एजेंसी। भाजपा विधायक सीपी सिंह के एक बयान से भड़के कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शहजादा अनवर ने सीपी सिंह को मानसिक रूप से कुंठित व्यक्ति बताया है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए शहजादा अनवर ने कहा कि कुंठा और हताशा की स्थिति में वे मीडिया के सामने अनाप-शनाप बयान देते हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री सीपी सिंह का बयान शांति, सद्भाव, लोकतंत्र, भाईचारे और एकता में विश्वास रखने वालों के खिलाफ है, यह उन्हें आहत करने वाला बयान है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को स्पष्ट करना चाहिए कि वे सीपी सिंह के बयान का समर्थन करते हैं या विरोध करते हैं अगर वे इस बयान का

समर्थन नहीं करते हैं तो सीपी सिंह के खिलाफ कार्रवाई करें।

शहजादा अनवर ने पूछा कि जिस तरह विधानसभा अध्यक्ष ने सदन के बाहर महाराष्ट्र के एक विधायक द्वारा दिए गए बयान पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की, उसी तरह इस मामले में भी सीपी सिंह के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि उन लोगों तक एक संदेश पहुंचे, जो समाज में द्वेष और दंगा फैलाना चाहते हैं।

कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि सीपी सिंह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष या विधायक दल के नेता नहीं बन पाने के कारण अवसाद से गुजर रहे हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपना दर्द भी बयां किया है। शहजादा अनवर ने कहा कि सीपी सिंह और भाजपा के नेता झारखंड में शांति और सद्भाव को पचा नहीं पा रहे हैं। पूरे झारखंड में रामनवमी, ईद सरहुल जैसे त्योहार शांतिपूर्वक हुए। शायद यह शांति और सौहार्द भाजपा को पसंद नहीं है और इसलिए भड़काऊ बयानबाजी की जा रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि पीसी के बाद प्रदेश कांग्रेस के नेता एक साथ बैठेंगे और अगर सहमति बनी तो सीपी सिंह के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जा सकती है।

झारखंड में मौसम की मार से किसान बेहाल, खेतों में सड़ गई सब्जियां, आम की फसल भी बर्बाद

रांची, एजेंसी। पिछले एक सप्ताह से रांची, खूंटी, सिमडेगा व गुमला जिले के विभिन्न प्रखंडों में ओलावृष्टि के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हो रही है। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, मौसम 21 अप्रैल तक रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है। मौसम में आए इस बदलाव की वजह से किसानों की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है।

नामकुम, बेड़ो, तोरपा, मुरहू (खूंटी), बुढ़मू, ओरमांझी, अड़की, रनिया, मांडर, सिसई समेत कांके के किसान ओलावृष्टि के साथ हुई वर्षा से परेशान हैं। वर्षा से सब्जी के खेतों में पानी जमा हो जाने के कारण हरी सब्जियां सड़ गई। खासकर गोभी व पत्ता गोभी की फसल को काफी नुकसान हुआ है, अब किसान चिंतित हैं।

सब्जी की खेती के लिए उन्होंने जमा पूंजी लगा दी थी। कुछ किसानों ने कर्ज लेकर सब्जी की खेती की थी। अब उनके समक्ष यह समस्या है कि सब्जी की खेती से हो चुके नुकसान की भरपाई कैसे करें। वहीं दूसरी ओर, ओलावृष्टि से आम के पेड़ों पर लगे मंजर झड़ चुके हैं, जिसकी वजह से किसान निराश हैं।

बेड़ो प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दिनों ओलावृष्टि से 17 पंचायत के किसानों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। सब्जी की खेती कर यहां के किसान काफी समृद्ध हो रहे थे, लेकिन बेमौसम ओलावृष्टि व वर्षा से खेतों में सब्जियां सड़ रही हैं।

वहीं दूसरी ओर मनरेगा पार्क में लगे आम के पेड़ों पर लगे मंजर ओलावृष्टि से झड़ चुके हैं। इससे किसानों को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।

बेड़ो प्रखंड स्थित ईंटा चिल्द्री गांव के किसान कालिंद्र सिंह ने बताया कि ओलावृष्टि से फसलों के साथ-साथ आम की फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि लगभग एक एकड़ भूमि पर लगाए गए आम के पेड़ों के मंजर पूरी तरह झड़ चुके हैं। इससे 35-40 हजार रुपये का नुकसान हुआ है।

बेड़ों प्रखंड स्थित नगड़ी टोली के युवा किसान ने बताया कि किसान अपनी फसल को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करते हैं, लेकिन प्रकृति के आगे उनका हर प्रयास बेकार हो जाता है। गर्मी के मौसम में सब्जी की खेती किसानों के लिए मुनाफे का सौदा होती है।

किसानों को सब्जी की फसल की अच्छी कीमत मिलती है, लेकिन बेमौसम ओलावृष्टि व वर्षा से किसान कराह रहे हैं। उनकी पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं है।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 20-04-2025 22:07 Page 1

अभियान चलाकर नष्ट की गयी अफीम की खेती

- 146 लोगों पर प्राथमिकी हुई दर्ज
- सेटेलाइट और ड्रोन की ली गयी मदद
- ऑपरेशन में मिल रहा लोगों का सहयोग
- नक्सलवाद पर लगा है अंकुश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में नक्सलियों के घटते प्रभाव का असर अवैध ढंग से की जा रही अफीम की खेती पर भी पड़ा है। बिहार पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के सघन ऑपरेशन से उनका दायरा अब झारखंड के सीमावर्ती जंगली इलाकों तक ही रह गया है। इन इलाकों में भी सेटेलाइट तस्वीरों और ड्रोन की मदद से अफीम के अवैध खेतों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है।

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पिछले छह माह में करीब आठ सौ एकड़ में लगी अफीम समेत अन्य मादक पदार्थों की अवैध खेती को नष्ट किया है। इसमें 790.5 एकड़ में अफीम, जबकि 21.54 एकड़ में भांग की अवैध खेत को नष्ट किया गया है। इस मामले में 146 प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं, जिसके आधार पर आरोपितों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में पिछले छह सालों में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या आधी हो गई है। वर्ष 2018 में जहां 16 जिले नक्सल प्रभावित थे वहीं अब सात-आठ जिले ही नक्सली असर वाले रह गए हैं। उत्तर बिहार को नक्सल मुक्त घोषित किया जा चुका है।

अब दक्षिण बिहार में झारखंड से सटे नक्सलियों के बचे-खुचे प्रभावित क्षेत्रों को चिह्नित कर सुरक्षा और संचार के माध्यम मजबूत किए जा रहे हैं। इसका असर भी हो रहा है। पहले जिन इलाकों में पुलिस और सुरक्षाबलों की पहुंच नहीं थी, अब वहां लगातार गश्ती हो रही। इसके कारण इन इलाकों में अफीम की खेती या अन्य अवैध काम कम हुए हैं।पुलिस के वरीय अधिकारियों के अनुसार, अब अफीम की खेती मुख्य रूप से झारखंड से सटे जंगली इलाकों तक रह गई है। इसमें गया के चकरबंधा और धनगई जबकि औरंगाबाद के कुछ इलाके हैं, जहां इस साल बिहार पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया है। ऑपरेशन में जनसहयोग भी मिल रहा है और आसपास के लोग भी पुलिस को इन अवैध कामों की जानकारी दे रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही इन सुदूर जंगली इलाकों से भी नक्सल प्रभाव के साथ अफीम की खेती भी इतिहास की बात हो जाएगी।

छापेमारी करने पहुंची टीम से हाथापाई

मुजफ्फरपुर। उत्तर प्रदेश के रहने वाले एक व्यक्ति के पुत्र को दुष्कर्म के केस में फंसाने का झांसा देकर 40 हजार रुपये ठगी मामले के तार मिठनपुरा के कालीबारी रोड-तीनकोठिया इलाके से जुड़ गए हैं। सूचना के आधार पर उक्त इलाके के एक रिक्शा गैराज के निकट छापामारी करने गई साइबर थाने की पुलिस के साथ अभद्र व्यवहार कर धक्का-मुक्की कर हाथापाई का प्रयास किया गया। किसी तरह से पुलिस वहां से निकली। मामले में साइबर थाने की एक सिपाही ने मिठनपुरा थाने में प्राथमिकी कराई है। इसमें इलाके के जोया खान, समा रानी, ओसमा खातून व सलीम खान को नामजद किया है। पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बताया गया कि यूपी बुधना इलाके के रहने वाले आर्यन नामक व्यक्ति के पुत्र को दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी देकर 40 हजार रुपये की ठगी कर ली गई थी। इसको लेकर साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत की गई। जांच में पीड़ित से ठगी की गई राशि मोतीझील के इंडियन बैंक के खाता में ट्रांसफर पाया गया।

मुख्य सचिव ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झण्डी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के प्रचार अभियान के तहत आज जिला अतिथि गृह से बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर गया एवं बोधगया के क्षेत्रों में प्रचार के लिए रवाना किया। इस अवसर पर मगध प्रमंडल की आयुक्त डॉ. सफीना ए.एन. और जिला पदाधिकारी गया डॉ. त्यागराजन एसएम भी उपस्थित थे।

यह अभियान खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के सफल आयोजन एवं व्यापक जनजागरण के लिए किया जा रहा है, जिसका आयोजन बिहार के पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय जिलों में 4 से 15 मई 2025 तक किया जाएगा। गया जिले में इस आयोजन के तहत सात प्रकार के खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जिसमें लगभग 2200 खिलाड़ी, तकनीकी स्टाफ एवं अन्य कर्मी भाग लेंगे। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और हर स्तर पर पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रचार अभियान को खेलों की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया और सभी विभागों से समन्वय एवं सहयोग की अपील की।

इस आयोजन से बिहार में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा तथा युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

पुलिस जवान ने अपने साथी को गोलियों से भूना

20 चक्र चलायी गोलियां

नवबिहार टाइम्ससंवाददाता

बेतिया। बिहार के बेतिया में एक बड़ी घटना हुई है, जिसमें पुलिस के एक जवान ने अपने साथी जवान को गोलियों से भून दिया। मृतक की पहचान सोनू कुमार के रूप में की गई है। बताया जाता है कि उसके साथी परमजीत कुमार ने सोनू कुमार को 11 गोलियां मारी हैं, जबकि उसने कुल 20 गोलियां फायर की थी। घटना पुलिस लाइन की है।

घटना के संबंध में पुलिस लाइन में मौजूद अन्य सिपाहियों ने बताया कि बेतिया के पुलिस लाइन परिसर में किसी बात को लेकर परमजीत कुमार और सोनू कुमार के बीच कहा सुनी हुई। देखते ही देखते मामला ऐसा हो गया कि परमजीत कुमार ने अपने साथी पुलिस कांस्टेबल सोनू कुमार के ऊपर अपनी एसएलआर तान दी। तबतक दोनों में कहासुनी होती रही।इसी दौरान परमजीत सोनू पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगा। बताया जाता है कि परमजीत ने सोनू के चेहरे पर 11 गोलियां मारी हैं। इस घटना में सोनू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद अन्य सिपाहियों का कहना है कि परमजीत ने लगभग 20 राउंड से भी अधिक गोलियां चलाई है।

घटना की सूचना मिलते ही सभी वरीय पदाधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गये। उनका कहना है कि गोलियों की तड़तड़ाहट सुनकर अन्य जवान भी उधर भागे, तब तक आरोपी परमजीत कुमार भागने लगा, लेकिन अन्य जवानों ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य सिपाहियों का कहना है कि दोनों में पूर्व का विवाद था, लेकिन असली वजह क्या थी, फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी परमजीत से भी पूछताछ की जा रही है। वरीय अधिकारी भी अपने स्तर से जांच कर रहे हैं।

चोरी गयी मूर्ति बरामद

समस्तीपुर। जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के भुसवर गांव स्थित प्राचीन राम जानकी ठाकुरबाड़ी मंदिर से चोरी हुई अष्टधातु की राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियों को पुलिस ने मोतिहारी से बरामद कर लिया है। इस मामले में विभूतिपुर पुलिस ने तीन बदमाशों को भी गिरफ्तार किया है।

गौरतलब है कि गत सप्ताह तीन बदमाशों ने हथियार के बल पर ठाकुरबाड़ी से करोड़ों रुपये मूल्य की अष्टधातु की मूर्तियों की लूट की थी। बदमाशों ने मंदिर से मूर्तियों के अलावा सोने-चांदी की मटर माला, चांदी का मुकुट और अन्य आभूषण भी चुरा लिए थे।

पुलिस के अनुसार, इस वारदात में प्रयुक्त चार चक्का वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। बताया गया कि बदमाशों ने इस वाहन को किराये पर लेकर समस्तीपुर पहुंचने के बाद घटना को अंजाम दिया था। इस लूटकांड में स्थानीय अपराधी लाइनर की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। मूर्ति बरामद होने के बाद विभूतिपुर थानाध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ठाकुरबाड़ी पहुंचे, जहां उन्होंने सबसे पहले मंदिर में माथा टेका।

हर्ष फायरिंग में गोली लगने से डांसर की मौत, घर के लोग फरार

शादी समारोह में चल रही थी हल्दी की रस्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जाले । दरभंगा जिले के जाले थाना क्षेत्र स्थित जोगियारा गांव में शनिवार की देर रात शादी समारोह के हल्दी मेंहदी रस्म दौरान हुई हर्ष फायरिंग में गोली लगने से एक नर्तकी की मौत हो गई। इससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। खुशी का माहौल पल भर में मातम में बदल गया। रस्म समारोह में शामिल लोग बिना समय मंगाए फरार हो गए। आनन-फानन में नर्तकी मुजफ्फरपुर जिले के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के पक्कीसराय के तीन कोठिया निवासी स्व. मो. अयूब की पुत्री सानू खान को खून से लथपथ स्थिति में डीएमसीएच में भर्ती कराया गया। जहां कुछ देर इलाज चलने के बाद वह दम तोड़ दी। हर्ष फायरिंग दौरान उसके पेट में गोली लग गई थी। इसके साथ ही वह नीचे गिर गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गृहस्वामी सहित अन्य रिश्तेदारों, दोस्तों और आस-पास के लोगों की खोज तेज कर दी है। उधर, गृहस्वामी सपरिवार घर से गायब पाए गए।

घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि पूर्व सैनिक रामविनय सिंह अपने पुत्र राजन कुमार सिंह की शादी को ले हल्दी-मेंहदी रस्म मनाने के लिए मुजफ्फरपुर से अपने गांव आए थे। जहां रात्रि 12 बजे से नर्तकियों का नाच-गान का प्रोग्राम शुरू हुआ। डांस शुरू होते हीं समारोह में शामिल कुछ लोग हर्ष फायरिंग करने लगे। देखते ही देखते गोलियों की तड़तड़ाहट होनी लगी।

इससे पड़ोस के लोग भी डर से अपने घर में दुबक गए। नर्तकी भी डर गई। मंच से नीचे उतर गई। लेकिन, हथियारों से लैस लोग बार-बार नर्तकियों को डांस करने के लिए दबाव बनाते रहे।इस बीच फायरिंग में नर्तकी सानू खान के पेट में गोली लग गई। इसके बाद गृहस्वामी समेत कार्यक्रम में आए सभी रिश्तेदार घर में तालाबंद कर फरार हो गए। बताया जाता है कि प्रभात सिंह 15 हजार रुपये लेकर समारोह में चार नर्तकियों को गांव में भेजा था। जहां सभी नर्तकियों को एडवांस में दो-दो हजार रुपये दिए गए थे। उधर, डॉ. बीपी सिंह सहित कई लोगों ने बताया कि गृहस्वामी रामविनय सिंह से गांव के लोगों का अच्छा संबंध नहीं है। इस कारण समारोह में अधिकांश लोग उसके रिश्तेदार और दोस्त लोग थे।

सूचना से नर्तकी के स्वजन में कोहराम मच गया। सानू खान की दो वर्ष पहले शादी हुई थी। उसे छह माह का एक पुत्र है। वह मायके में अपनी मां नजमा खातून के साथ रहती थी।उधर, बेंता ओपी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद स्वजन को शव सौंप दिया। एसडीपीओ ज्योति कुमारी ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। इसके बाद ही स्पष्ट रूप से कुछ बताया जा सकेगा।

सफाईकर्मी की गोली मारकर हत्या

बेगूसराय। जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां मामूली विवाद को लेकर डॉक्टर के स्टॉफ और काम कर रहे एक युवक के साथ जमकर मारपीट हो गई। मारपीट से नाराज लोगों ने एक युवक को गोली मार दिया। वहीं, गोली लगने से युवक की मौत हो गई। इस मौत के बाद गुस्साए लोगों ने डॉक्टर के निजी क्लीनिक पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया और मारपीट भी होने लगा।

हालांकि, गोली मारने का लाइव फुटेज भी सामने आया है। वहीं, गोली लगने से युवक सड़क पर ही गिर गया। इस हत्या के बाद गुस्साए परिजनों ने जमकर निजी क्लीनिक पर पहुंचकर हंगामा और मारपीट करना शुरू कर दिया।

गया और राजगीर में बनेंगे सरकारी होटल

को-ऑपरेटिव प्रोजेक्ट से होगा चालू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार केरल में सहकारिता मॉडल का अध्ययन करने के लिए दौरे पर हैं। उनके साथ विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह और अपर सचिव अभय कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारी भी गए हैं।

मंत्री डॉ. प्रेम कुमार के मुताबिक रविवार को केरल के मुन्नार स्थित टी एंड यू लीजर होटल का दौरा किया, जो एक सहकारी पर्यटक होटल है। इस होटल को वहां के सहकारी बैंक ने बनवाया है, जो पर्यटकों के लिए पसंदीदा होटल में शुमार है।

उन्होंने कहा कि बिहार के गया और राजगीर जैसे पर्यटक स्थलों में ऐसे को-ऑपरेटिव प्रोजेक्ट को लागू कर सफलतापूर्वक संचालित किया जा सकता है। इन दोनों स्थलों पर भारी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक आते हैं, जिन्हें किफायती दर पर सहकारी पर्यटक होटल के माध्यम से उत्तम व्यवस्था उपलब्ध करायी जा सकेगी।

इस प्रकार के मॉडल और नवाचार को लागू किया जाएगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावना विकसित होगी। साथ ही, राज्य में सहकारी समितियों को बहुआयामी बनाया जा सकेगा जो राज्य के सर्वांगीण विकास में सहायक होंगी।

उन्होंने कहा कि केरल के मुन्नार सहकारी पर्यटक होटल एक एकड़ भूमि में निर्मित है। इस होटल में 35 हजार वर्ग फीट के क्षेत्र में 34 प्रीमियर कमरे, दो आधुनिक कांफ्रेंस हॉल तथा 100 सीटिंग क्षमता वाले रेस्टोरेंट, कॉफी शॉप तथा मसाला शॉप है।

मंत्री और उनकी टीम ने मुन्नार सर्विस को-ऑपरेटिव बैंक का भी भ्रमण किया और वहां की कार्यप्रणाली को देखा और जाना।

बिहार में स्थापित होगा सहकारिता महाविद्यालय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में सहकारिता महाविद्यालय को स्थापित करने की तैयारी हो रही है। इससे राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, स्वरोजगार और छोटी उद्यमिता का विकास होगा, सामाजिक समावेशन भी बढ़ेगा और नवाचार और अनुसंधान में नए मानक स्थापित करने के अवसर मिलेंगे।

यह महाविद्यालय सहकारिता क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। इस महाविद्यालय को गुजरात में स्थापित होने वाले त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय से संबद्ध किया जाएगा।सहकारिता मंत्री ने राज्य में सहकारिता महाविद्यालय को स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश अफसरों को दिया है।

इसमें डिग्री प्रोग्राम, दूरस्थ शिक्षा और ई-लर्निंग पाठ्यक्रम उपलब्ध होंगे जिससे सहकारी क्षेत्र को प्रशिक्षित एवं पेशेवर युवा मिलेंगे।

सहकारिता विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पैक्सों में सचिव के पद हों या कोआपरेटिव बैंकों में नियुक्तियों का मामला हो, सभी में बिना किसी मान्य डिग्री के नियुक्तियां होती हैं, क्योंकि सहकारिता के क्षेत्र में अभी तक कोई मान्य डिग्री नहीं होती है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

त्रिभुवन सहकारिता विश्वविद्यालय में विशेष रूप से सहकारिता क्षेत्र के लिए डिग्री, डिप्लोमा और पीएचडी कोर्स बनाए जा रहे हैं।

यूनिवर्सिटी बनने के बाद अब मानक डिग्री धारकों को ही पैक्सों में सचिव के पद हों या कोआपरेटिव बैंकों में नौकरी मिलेगी। नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा।जमीन पर मजबूत सहकारी खाका तैयार होगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को धार मिलेगी। एक नया सहकारी कल्चर भी शुरू होगा। विभागीय मंत्री के निर्देश के आलोक में प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

इसमें महाविद्यालय के लिए दस एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। इसके लिए भूमि को चिह्नित करने का निर्देश दिया गया है।

महाविद्यालय का भवन और कैंपस सहकारिता थीम पर निर्माण होगा। विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक केंद्र सरकार द्वारा त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना गुजरात में की जा रही है, लेकिन पूरे देश की सहकारी संस्थाओं को इससे संबद्ध किया जाएगा। पहले वर्ष में ही प्रत्येक जिले में कॉलेज और स्कूल को खोले जाएंगे। नई शिक्षा नीति के मानकों के अनुरूप दसवीं-12वीं के लिए भी कोर्स होंगे। इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए भी कोर्स का डिजाइन किया गया है।

साथ ही पाठ्यक्रम में ई-लर्निंग कोर्स भी शामिल किए जाएंगे। युवाओं के लिए डिग्री, डिप्लोमा एवं पीएडी के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे।

कालेज परिसर में डूबा सात वर्षीय बालक

पूर्णिया। पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। परिसर में पानी से भरे गड्ढे में डूबने से सफाईकर्मी के सात वर्षीय बेटे की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया गया। घटना केहाट थाना क्षेत्र स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर की है। मृतक की पहचान सिपाही टोला माता स्थान निवासी सूरज मेहतर के पुत्र संतोष कुमार (7 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सूरज मेहतर पॉलिटेक्निक कॉलेज में सफाईकर्मी के तौर पर कार्यरत हैं। रविवार को वह अपने बच्चों के साथ सफाई कार्य के लिए परिसर पहुंचे थे। इसी दौरान रसोई कैंटीन के समीप एक गहरे गड्ढे में पानी भरा हुआ था। सूरज मेहतर परिसर के अंदर सफाई कर रहे थे, वहीं उनका बेटा बाहर खेल रहा था।

खेलने के दौरान संतोष का पैर फिसल गया और वह पानी से भरे गड्ढे में जा गिरा। जब तक लोग कुछ समझ पाते, वह डूब चुका था।

जमीन विवाद में चले ईंट-पत्थर, तनाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। मुंगेर के नयारामनगर थाना क्षेत्र के भगीचक गांव में शनिवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले और इसी दौरान हुई फायरिंग में एक युवक घायल हो गया। गोली लगने से घायल युवक की पहचान कुंदन मंडल (36 वर्ष), पिता नवीन मंडल, निवासी भगीचक गांव के रूप में हुई है। परिजनों ने उसे पहले सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सफियासराय स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय ग्रामीण बादल गोस्वामी ने बताया कि आंधी और बारिश के चलते संजय गोस्वामी अपने घर का टीन का चदरा ठीक कर रहा था। इसी बात को लेकर पड़ोसी संतोष यादव, निकेश यादव और मुकेश यादव ने विरोध जताया। विवाद बढ़ा तो गाली-गलौज और मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि संतोष यादव का परिवार घर से ही ईंट-पत्थर फेंकने लगा। इसी दौरान संतोष यादव ने छत से फायरिंग कर दी, जिसमें मारपीट देख रहे कुंदन मंडल को गोली लग गई।

घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात

घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ अभिषेक आनंद निजी अस्पताल पहुंचे और घायल से पूछताछ की। डॉक्टरों के मुताबिक, कुंदन के सीने में गोली लगी है, जो पेट में फंसी हुई है। बताया जा रहा है कि कुंदन एक निजी सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत है।

वहीं घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुट गई है। गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। घटना के बाद आरोपी पक्ष का पूरा परिवार गांव से फरार है।

भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान में कम शुल्क में मिलेगी जांच की सुविधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नालंदा। भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान पावापुरी अस्पताल में अब काफी कम रेट पर मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) जांच हो सकेगी। मंगलवार को बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री सरवन कुमार ने इसका औपचारिक लोकार्पण किया।

एमआरआई जांच शुरू होने से अब अस्पताल में काफी कम दरों में एमआरआई जांच की सुविधा उपलब्ध हो गई हैं। अस्पताल में रोजाना 12 घंटे में लगभग 25 से 20 मरीजों को इससे फायदा होगा । अस्पताल में 1.5 टेस्ला एमआरआई मशीन स्थापित की गई है। यहां पीपीमोड से कम दरों पर जांच की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। स्वास्थ्य विभाग ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत एड एनेक्स हेल्थ केयर प्राइवेट डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड के माध्यम से ये सुविधा उपलब्ध करवाई है। अब अस्पताल में इस नई एमआरआई मशीन से सभी प्रकार की जांचें बेहद एक्युरेट हो सकेंगी।

जिले का सबसे बड़ा अस्पताल होने के कारण यहां रोजाना हजारों की संख्या में मरीज पावापुरी अस्पताल पहुंचकर अपना इलाज कराते है । नालंदा जिला के अलावा नवादा, शेखपुरा, जहानाबाद, लखीसराय, जमुई, कोडरमा समेत आसपास के आठ जिले के हजारों रोगियों को अब एमआरआई जांच के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग में अधिकांश सड़क हादसे में दुर्घटनाएं में शिकार लोग भी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो जाते हैं। अधिकांश के माथे पैर और अन्य जगह गंभीर चोटे लगती हैं, लेकिन एमआरआई की सुविधा नहीं होने के कारण सटीक जांच नहीं हो पाती थी।

पहले एमआरआई जांच के लिए मरीजों को पटना या अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। इससे न सिर्फ समय की बबार्दी होती थी, बल्कि आर्थिक बोझ भी बढ़ता था। उचित समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण जान का भी जोखिम बना रहता था।

पावापुरी मेडिकल कॉलेज में यह सेवा शुरू होने से गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों को काफी सहूलियत होगी। नई एमआरआई मशीन विभिन्न जांचों को बेहद एक्युरेसी से दिखाएंगी।

इससे किसी भी बीमारी की जांच बेहतर इमेजिंग क्षमताओं के साथ हो सकेगा। दावा है कि इस एमआरआई मशीन के रिजल्ट बेहद कारगर रहेंगे। कुल मिलाकर रिपोर्टों की कारगरता इस मशीन से बढ़ जाएगी। पावापुरी में स्थापित एमआरआई मशीन 9 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से स्थापित किया गया है। जिसमें निर्माण, उपकरण और तकनीकी उन्नयन शामिल हैं। इसमें 1.5 टेस्ला९ी मशीन लगाई गई है, जो हाल ही में लॉन्च उन्नत तकनीक से लैस है।

अंतिम संस्कार के डेढ़ महीने बाद लौटा भोला

- अदालत में मचा हड़कम्प
- अनुसंधान पर उठी ऊंगलियां
- मुआवजे में मिले थे चार लाख

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। मब्बी थानाक्षेत्र के सिमरा नेहालपुर निवासी जगदेव राम के अपहृत पुत्र भोला कुमार राम (17) के दाह संस्कार के डेढ़ माह उपरांत उसके जिंदा मिलने से हड़कंप मच गया।

दरभंगा एससी/एसटी अदालत के विशेष न्यायाधीश के समक्ष भोला को उसके बड़े भाई धीरज कुमार राम ने प्रस्तुत किया। साथ ही एक आवेदन भी समर्पित किया। इसमें अपने भाई भोला को जिंदा बताया है।

उसने कहा कि पुलिस ने उसके भाई को मृत घोषित कर दिया था। 28 फरवरी 2025 को पुलिस ने उसे फोन कर डीएमसीएच बुलाया और विकृत चेहरा वाले अज्ञात शव को मुझसे जबरन पहचान कराई। इसके बाद एक मार्च को उसे शव सौंप दिया।

धीरज कुमार राम ने कहा कि उसके भाई की आयु 17 वर्ष है, जबकि, जो शव सौंपा गया उसकी उम्र लगभग 20-25 वर्ष थी। उसने बताया कि उन्हें व्हाट्सएप पर कॉल आया, बताया गया कि उनका भाई भोला नेपाल में है। पता भी बताया। इसके बाद नेपाल के इंडस्ट्रियल मिर्चाईया कटारी चौक से अपने भाई को लेकर दरभंगा पहुंचे।

पूछताछ में भाई ने बताया कि विश्वविद्यालय मैदान में खेलने के दौरान पीछे से उसका मुंह आंख बंद कर अपहरण कर लिया। उसे एक कमरे में बंद कर रखा गया था। जहां से मौका मिलने पर वह फरार हो गया और वहां के लोगों को घटना की जानकारी दी। तब उसे नेपाल में होने की जानकारी मिली।

उधर, स्पेशल पीपी संजीव कुमार कंवर ने इसकी जानकारी कांड के अनुसंधानक को दी। इसके बाद भोला राम को अभिरक्षा में लेकर कोर्ट में प्रस्तुत किया। साथ ही बीएनएसएस की धारा 183 के तहत बयान अंकित करने की याचना की।

स्पेशल जज शैलेंद्र कुमार ने 183 बीएनएसएस के तहत बयान दर्ज करने के लिए सीजेएम को निदेशित किया। जहां उसका बयान दर्ज किया गया। अदालत ने जीवित भोला को उचित पहचान पर उसके माता-पिता को सौंप देने का आदेश पारित किया है।

भोला के जीवित होने की खबर आग की तरह फैल गई। काफी संख्या में लोग उसके घर पहुंचे। लेकिन, भोला का घर बंद पाया गया। घर के सभी सदस्य गायब मिले। कोर्ट में भी मात्र बड़ा भाई साथ में था। ऐसे में शेष दो भाई और माता-पिता कहां गए यह कोई बताने को तैयार नहीं थे।

एससी-एसटी मामले को लेकर पुलिस की अनुशंसा पर कल्याण विभाग की ओर से भोला के आश्रित 4 लाख 12 हजार 600 रुपये प्राप्त कर चुके हैं। आरोप पत्र समर्पित होने पर कुल 8 लाख 50 हजार रुपये देने का आदेश पारित किया गया था।

हालांकि, अभी आरोप पत्र दाखिल होना शेष था। इसके साथ ही एक आश्रित को सरकारी नौकरी भी मिलने वाली थी।

बेंता थानाक्षेत्र के अल्लपट्टी रेलवे ट्रैक से 26 फरवरी को दो हाथ और एक पैर कटा हुआ अज्ञात जख्मी युवक को डीएमसीएच में भर्ती कराया गया था, जो इलाज दौरान दम तोड़ दिया। अज्ञात शव मिलने की सूचना पर पहचान के लिए स्वजन पहुंचे।

जहां दूसरे नंबर वाला रवि राम ने शव की पहचान अपने भाई भोला के रूप में की। वह आठ फरवरी से लापता था। पोस्टमार्टम के बाद जब शव को घर ले जाया गया, तो ग्रामीणों ने विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के आजमनगर दुर्गा मंदिर स्थित कादिराबाद-शिवधारा मार्ग को बांस-बल्ला लगाकर जाम कर दिया। सड़क पर आगजनी कर दी।

सूचना पर पहुंची डायल 112 की पुलिस पर लोग उग्र हो गए। बांस-बल्ला चलाकर पुलिस गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। घंटों सड़क जाम रहा। समय रहते प्राथमिकी दर्ज नहीं करने के आरोप में थानाध्यक्ष दीपक कुमार को निलंबित कर दिया गया।

भोला के भाई के मोबाइल पर अनजान नंबर से फोन आया, उसने कहा कि उनके भाई को बॉर्डर पार करने के दौरान बांग्लादेश की सीमा पर जवानों ने कैद कर लिया है। इसे लेकर 40 हजार रुपये लेकर आने को कहा। इसके एक नंबर पर 15 हजार रुपये की मांग की।

फिर राहुल कुमार साह नामक एक अकाउंट पर रुपये भेज दिए। इस मामले में पुलिस ने सहरसा जिले के सौरवा थानाक्षेत्र के जकीरा गांव निवासी राहुल कुमार साह को पुलिस ने 11 मार्च को सुपौल जिले के निर्मली स्थित एक किराए के मकान से टावर लोकेशन के आधार पर गिरफ्तार कर लिया था। जो अब भी जेल में है।

भोला के जिंदा मिलने के बाद उसके जगह जिस अज्ञात शव का दाह संस्कार कराया गया, उसकी शिनाख्त करना अब पुलिस के लिए चुनौती बन गई है।

हालांकि, सदर एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि उस दौरान डीएनए जांच के लिए सैंपल लिया गया था। शव की तस्वीर भी सुरक्षित है। इसे सघन प्रचार-प्रसार कराया जाएगा, ताकि, शव की शिनाख्त में मदद मिल सके।

उन्होंने कहा कि अभी भोला से कोई पूछताछ नहीं की गई है। लेकिन, इस दिशा में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर गरमायी सियासत

न्यायपालिका का सम्मान बनाए रखना भारत के हर नागरिक का कर्तव्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के सुप्रीम कोर्ट को लेकर दिए गए बयान पर सियासत गर्मा गई है। दुबे के बयान पर विपक्ष ने एकजुट होकर भाजपा और पीएम मोदी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। वहीं निशिकांत के बयान से भाजपा ने खुद को अलग कर लिया है। भाजपा का साफ कहना है कि यह बयान सांसद के अपने विचार हैं। उधर इस विवाद में अब राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) प्रमुख व सांसद उपेन्द्र कुशवाहा भी कूद पड़े हैं। उन्होंने निशिकांत दुबे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उनके बयान को 'कहीं से भी उचित नहीं' करार दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि

न्यायपालिका का सम्मान बनाए रखना भारत के एक-एक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि निशिकांत दुबे का बयान मूल मुद्दों से भटकाने वाला है। उपेन्द्र कुशवाहा ने अपने बयान में एक उदाहरण देते हुए कहा कि ब्लौकेज हार्ट में हो और डॉक्टर यदि दिमाग की सर्जरी करने लग जाए तो रोगी का क्या होगा? इसके जरिए उन्होंने इशारा किया कि समस्या कहीं और है, लेकिन ध्यान कहीं और भटकाया जा रहा है। कुशवाहा ने मौजूदा कॉलेजियम सिस्टम को असल बीमारी बताया और कहा कि यदि इस बीमारी को जड़ से खत्म करना है तो प्रतियोगिता परीक्षा के जरिए जजों की नियुक्ति की पारदर्शी व्यवस्था लागू करनी होगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर हल्ला बोल, दरवाजा खोल और ओपेन द गेट्स जैसे हैशटैग के साथ आंदोलन छेड़ने की भी बात कही। उन्होंने लिखा है कि अगर बीमारी की जड़ कॉलेजियम सिस्टम है तो उसे हटाकर न्यायपालिका में पारदर्शी बहाली के लिए हल्ला बोलना होगा। वहीं अब बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद मनन मिश्रा ने निशिकांत दुबे के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट को अपना काम और संसद को अपना काम करना है। उन्होंने कहा कि निशिकांत दुबे एक वरिष्ठ सांसद हैं और भाजपा के सदस्य हैं। मैं मानता हूं कि सुप्रीम कोर्ट को अपना काम करना है और संसद को अपना काम करना है। सारी बात संविधान में पहले से ही निर्धारित है कि किसको क्या काम करना चाहिए और किसकी कितनी लिमिट है। उन्होंने (निशिकांत दुबे) भी कहा है कि जो भी कानून संसद या विधानसभा से पारित होते हैं, उनकी कैसे विवेचना की जाए। मैं इतना ही कहूंगा कि यह काम न्यायतंत्र का है और ऐसी स्थिति में हम यह नहीं कह सकते कि पार्लियामेंट या विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। हालांकि हाल में जो निर्णय आए हैं, उससे पूरे देश और संसद को थोड़ी परेशानी जरूर है। मनन मिश्रा ने कहा कि संविधान में यह भी कहा गया है कि राज्य विधानसभाओं से जो कानून पास किए जाएंगे, अगर राज्यपाल चाहेंगे तो उसे राष्ट्रपति को रेफर कर देंगे। लेकिन जब तक कोई निर्देश प्राप्त नहीं होते हैं तो ये कानून नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि निशिकांत दुबे ने जजमेंट को लेकर जो बातें कही हैं, मुझे ऐसा लगता है कि संविधान में कोई समय रेखा तय नहीं की गई है।

भासा चुनाव में डॉ. के. के. मणी अध्यक्ष, डॉ. हसरत अब्बास उपाध्यक्ष निर्वाचित

आइएमए हॉल, पटना में संपन्न हुई आम सभा, संगठन को सशक्त नेतृत्व की उम्मीद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ (भासा) की आम सभा रविवार को पटना स्थित आईएमए हॉल में सम्पन्न हुई जिसमें संगठन के अध्यक्ष पद पर डॉ. के. के. मणी और उपाध्यक्ष पद पर डॉ. हसरत अब्बास को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान संघ के सदस्यों में उत्साह और संगठनात्मक एकता देखने को मिली। डॉ. के. के. मणी और डॉ. हसरत अब्बास दोनों लंबे समय से भासा संगठन के साथ जुड़े रहे हैं और शीर्ष पदों पर रहते हुए संगठन के हित में सक्रिय भूमिका निभाते आए हैं। उनकी कर्मठता, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना को देखते

हुए आम सभा ने एक स्वर में उनके नामों पर सहमति जताई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. मणी ने अपने संबोधन में कहा कि भासा संगठन की गरिमा और दायित्व को आगे बढ़ाना मेरी प्राथमिकता होगी। स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कर्मियों की समस्याओं के समाधान और सेवा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए हम प्रतिबद्ध रहेंगे। वहीं उपाध्यक्ष डॉ. हसरत अब्बास ने कहा, संगठन को और अधिक सशक्त व संगठित बनाना हमारा लक्ष्य होगा। स्वास्थ्यकर्मियों की आवाज को मजबूती से उठाना और उनके हितों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर पूर्व क्षेत्रीय सचिव डॉ. उमेश कुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि डॉ. मणी और डॉ. अब्बास का चयन संगठन के लिए एक शुभ संकेत है। दोनों अनुभवी और समर्पित नेतृत्वकर्ता हैं जिनके मार्गदर्शन में भासा संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा। सभा में बिहार के विभिन्न जिलों से आए स्वास्थ्य सेवा कर्मियों ने भाग लिया और संगठन की भावी रणनीतियों पर भी चर्चा की।

वक्फ संशोधन कानून बिल्कुल सही : आरिफ मोहम्मद खान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वक्फ संशोधन कानून को बिल्कुल सही बताते हुए कहा कि बक्फ मुसलमान के भविष्य का आईना है। पटना के बापू सभागार में रविवार को इंडिया यूनाइटेड मुस्लिम मोर्चा और सेंटर फॉर पीस की ओर से आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए आरिफ मोहम्मद खां ने कहा कि कोई मुझे बताओ कि वक्फ बोर्ड की जमीन पर एक भी स्कूल हो, अस्पताल हो, कोई चैरिटी वाले चला रहे हैं। एक भी स्कूल बोर्ड के जमीन पर नहीं खुला है। वक़्फ बोर्ड के जमीन पर खुलते है मॉल। हमें सीखना चाहिए ईसाई भाई से, उन्होंने स्कूल खोले हैं। उनके स्कूल में पढ़ाने के लिए उनके आगे पीछे करते है कि कैसे एडमिशन हो जाये। कोई भी अमीर लोग मदरसे में नहीं पढ़ाते हैं। उनके बच्चे विदेश में पढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि इस्लाम को बचाने के लिए आजादी से पहले देश का बंटवारा किया गया। कहा गया कि इस्लाम को बचाने के लिए जरूरी है, लेकिन यह 25 साल भी एकजुट नहीं रह सके। जो बचा खुचा है, वह कितनी देर इस्लाम को बचा पाएगा, कह नहीं सकते हैं। कार्यक्रम में राज्यपाल खान ने तीन तलाक कानून को सामाजिक सुधार बताया और वक्फ संशोधन कानून का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्ति गरीबों की मदद के लिए थी, लेकिन अब उस पर मॉल, अस्पताल और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बन गए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ ने आज तक गरीब मुसलमानों के लिए कोई ठोस काम नहीं किया। इसी कारण वक्फ संशोधन कानून लाना पड़ा। राज्यपाल ने कहा कि वह मंच से रखी गई मांगों को प्रधानमंत्री तक पहुंचाएंगे, लेकिन किसी भी चीज को केवल मांगने से नहीं, बल्कि मेहनत और लगन से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज को आत्ममंथन कर अपने प्रयासों से आगे बढ़ना होगा। जोश से नहीं, होश से काम लेने की जरूरत है। आरिफ मोहम्मद खान ने मुस्लिम धार्मिक नेतृत्व पर भी तंज कसते हुए कहा कि जिनके पास संसाधन हैं, उनके बच्चे अमेरिका में पढ़ते हैं जबकि गरीबों के बच्चे आज भी मदरसों तक सीमित हैं। उन्होंने कहा कि कुछ धार्मिक संस्थाएं अपने लाभ के लिए लड़ रही हैं और आम गरीब मुसलमान भावनाओं में बहकर उनके समर्थन में लग जाते हैं। इस मानसिकता से बाहर निकलने की जरूरत है।

मंत्री डॉ प्रेम कुमार 22 अप्रैल तक केरल राज्य के भ्रमण पर

केरल यात्रा के दौरान सेवा क्षेत्र के सहकारी समितियों का किया भ्रमण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक केरल राज्य के भ्रमण पर हैं। वहां वे अपने प्रतिनिधि दल के साथ राज्य के विभिन्न सहकारी समितियों के भ्रमण कर वहां के सहकारी मॉडल का अध्ययन करेंगे। इस अध्ययन कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह, अपर सचिव अभय कुमार सिंह, बिहार राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह एवं सलाहकार अनादी शंकर भी शामिल हैं। प्रतिनिधि दल ने आज रविवार को मुन्नार स्थित टी एंड यू लीजर होटल का दौरा किया जो एक सहकारी पर्यटक होटल है। इस

होटल को मुन्नार सर्विस सहकारी बैंक के द्वारा 29.50 करोड़ की लागत से बनवाया गया है। एक एकड़ भूमि में निर्मित इस होटल में 35000 वर्ग फीट के क्षेत्र में 34 प्रीमियर कमरे, 2 आधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल तथा 100 सीटिंग क्षमता वाले रेस्टोरेंट, कॉफी शॉप तथा मसाला शॉप बने हुए हैं। इसमें 72 स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान किया गया है। इसके साथ ही प्रतिनिधि दल ने मुन्नार सर्विस कोऑपरेटिव बैंक का भी भ्रमण कर वहां की कार्यप्रणाली को देखा। 1988 में स्थापित इस बैंक के द्वारा 63.51 करोड़ रुपये का ऋण आवंटन किया गया है तथा इसकी कुल जमा राशि 72.70 करोड़ रुपए है। सहकारिता मंत्री ने सेवा क्षेत्र में इस प्रकार की योजनाओं को बिहार में भी प्रारंभ करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि बिहार के गया और राजगीर जैसे पर्यटक स्थलों में ऐसे प्रोजेक्ट तैयार करने से इनके सफलीभूत होने की पूरी आशा है। इन दोनों स्थलों पर भारी संख्या में देशी एवं विदेशी पर्यटक आते हैं जिन्हें किफायती दर पर उत्तम व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सकेगी। बिहार राज्य के सहकारिता मॉडल में इस प्रकार के नवाचार की आवश्यकता है। इससे स्थानीय स्तर पर अच्छी संख्या में रोजगार की संभावना विकसित होगी। साथ ही राज्य में सहकारी समितियों को बहुआयामी बनाया जा सकेगा जो राज्य के सर्वांगीण विकास में सहायक होंगी।

संविधान के लिए कांग्रेसी किसी भी कुर्बानी से नहीं हटेंगे पीछे : रणधीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। निशिकांत दुबे का बयान हमेशा से संविधान और संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ रहा है। उक्त बातें कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य रणधीर झा ने प्रेस बयान जारी कर कही। श्री झा ने कहा कि न्यायपालिका, सीजेआई पर भाजपा सांसद और उप्र के पूर्व डिप्टी सीएम का बयान यूं ही नहीं है। केंद्र में बीजेपी की सरकार जबसे आई है तबसे संवैधानिक मूल्यों और संस्थानों पर जोर - दबाव डालकर देश चलाने वाले आज बीजेपी के अध्यक्ष समेत तमाम लोग इन बयानों से किनारा कर रहे हैं जबकि समय-समय पर इन लोगों ने ही संसद और

संसद से बाहर ऐसे दलित-पिछड़े विरोधियों का मनोबल बढ़ाया। निशिकांत ने ट्वीट में लिखा कि संसद को बंद कर देना चाहिए। यह बहुत गंभीर बात है, भारतीय संसद हमारे संविधान और अपने पुरखों के कुर्बानियों के बदौतल तैयार स्वराज्य की निशानी है। उस स्वराज्य के लिए अनगिनत लोगों ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया जिसे भाजपा के सांसद झुठला रहे हैं।

श्री चैतन्या एकेडमी ने दिया जेइइ मेन का बिहार टॉपर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बड़े पैमाने पर परिणाम-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित संस्था इन्फिनिटी लर्न की पहल - श्री चैतन्या एकेडमी ने अपने पटना टेस्ट प्रेप सेंटर से जेईई मेन सेशन के परिणामों की घोषणा की है। इस सेंटर ने बिहार टॉपर को तैयार किया है ज्ञान प्रकाश जिन्होंने एआईआर 58 और 99.97 पर्सेंटाइल के साथ शानदार प्रदर्शन किया। ज्ञान प्रकाश श्री चैतन्या अकेडमी, पटना के रेगुलर क्लासरूम में छात्र हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के अलावा श्री चैतन्या एकेडमी के पटना टेस्ट प्रेप सेंटर से 30 छात्रों ने 99 परसेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है। सेंटर को गर्व है कि 100 छात्रों ने जेईई

एडवांस्ड के लिए पात्रता हासिल की है। सफल छात्र-छात्राओं को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए श्री चैतन्या समूह की सीईओ और डायरेक्टर एवं इन्फिनिटी लर्न की सह-संस्थापक सुषमा बोप्पना ने कहा जेईई मेन 2025 परीक्षा में ज्ञान प्रकाश की उत्कृष्ट उपलब्धि पर हमें अत्यंत गर्व है। यह हमारे इस संकल्प को दोहराता है कि हम छात्रों को सशक्त बनाएं और उनके विकास में सहायक बनें। हम इस सफलता में योगदान देने वाले हमारे समर्पित फैकल्टी को दिल से धन्यवाद देते हैं। हम ज्ञान प्रकाश और पटना के अन्य टॉप परफॉर्मर्स को शुभकामनाएं देते हैं और आशा करते हैं कि वे जेईई एडवांस्ड की तैयारी को और भी बेहतर करेंगे और देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों के और करीब पहुंचेंगे। इस सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए इन्फिनिटी लर्न के संस्थापक सीईओ उज्ज्वल सिंह ने कहा ज्ञान प्रकाश और अन्य टॉप परफॉर्मर्स की इस अद्भुत सफलता ने मुझे गर्व और खुशी से भर दिया है। मुझे उम्मीद है कि वे जेईई एडवांस्ड 2025 में और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। यह कोई एक बार की सफलता नहीं है। पिछले तीन वर्षों से हम लगातार पटना से टॉपर्स ला रहे हैं जिससे यह साबित होता है कि सही समर्थन और मार्गदर्शन मिलने पर किसी भी शहर से विश्व स्तरीय परिणाम संभव हैं। यह शानदार प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि हम बिना छात्रों को बड़े शहरों में भेजे, टियर 2 और टियर 3 शहरों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ला रहे हैं। ऐसी उपलब्धियां हमारे मूल मंत्र बच्चा सीखा कि नहीं को साकार करती हैं और देशभर में हमारी पहुंच और उत्कृष्टता को विस्तारित करने के संकल्प को मजबूत करती हैं।

संस्कृत प्रचारकों को मिलेगा संस्कृत साधक सम्मान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सर्वत्र संस्कृतम एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज की ओर से आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के अन्तर्गत पटना स्थित राजकीय संस्कृत महाविद्यालय काजीपुर में आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संस्कृत एवं हिन्दी विदुषी शांति देवी के पुण्य तिथि पर 21 अप्रैल को संस्कृत भाषा प्रचार प्रसार में उत्कृष्ट योगदान देनेवाले संस्कृत अनुरागियों एवं संस्कृत विद्वानों

को शांति देवी संस्कृत साधक सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। डॉ मुकेश कुमार ओझा ने बताया कि 'नव बिहार टाइम्स' के प्रधान संपादक डॉ कमल किशोर, आज से जुड़े हृदय नारायण झा, पंजाब केसरी से जुड़े पत्रकार राकेश कुमार, संस्कृत समाचार पत्र से जुड़े डॉ राघव नाथ झा, भारत तिब्बत मंच के राष्ट्रीय मंत्री शिवा कांत तिवारी, भारत तिब्बत सहयोग मंच के प्रांत अध्यक्ष डॉ मिथिलेश कुमार, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय काजीपुर के प्राचार्य डा मनोज कुमार, आचार्य ज्योत्स्ना मिश्र, सह आचार्य डॉ शशिधर तिवारी, प्रो विवेकानंद पासवान, विवेक तिवारी, पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता उग्र नारायण झा, संस्कृत शिक्षक मुरलीधर शुक्ल, संस्कृत शिक्षिका डॉ रम्भा कुमारी, चन्द्र कांत मिश्र, कृष्णा कांत मिश्र, आयुष मिश्रा सहित तीस संस्कृत प्रचारकों को दो बजे सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर अनेक संस्कृत विद्वान उपस्थित रहेंगे।

मंत्री श्रवण कुमार ने किया जिला कुशीनगर के अर्जुनहा में जिला जद (यू), उप्र कार्यालय का उद्घाटन

संगठन विस्तार के लिए कार्यकर्ताओं को मेहनत करने की जरूरत : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/कुशीनगर। ग्रामीण विकास मंत्री-सह-उत्त्तर प्रदेश जनता दल यू0 प्रभारी श्रवण कुमार ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिला के अर्जुनहा में जिला जद (यू0) कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री को उत्तर प्रदेश के जद (यू0) परिवार के सदस्यों ने पुष्प गुच्छ एवं शॉल देकर स्वागत किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश जनता दल (यूनाइटेड) के संगठनात्मक कार्य, संगठन विस्तार के लिए कार्यकर्ताओं को अभी से ही मेहनत करने की जरूरत है। ताकि आने वाली आम चुनाव में पार्टी/संगठन अच्छा प्रदर्शन कर सके। मंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए आगे कहा कि पार्टी में

महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए विशेष पहल करनी होगी एवं प्रदेश की महिलाओं के लिए बुलल्द आवाज में संघर्ष करना होगा ताकि यहां की महिलाएं और सशक्त हो सके। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, फिर भी कई चुनौतियां समाज में आज भी घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव, शिक्षा में असमानता, दहेज प्रथा, बाल विवाह जैसी बुराइंया उनके सामने खड़ी हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने से ही हम किसी समाज को मजबूत बना पायेंगे। महिलाओं को उनके अधिकार, शिक्षा, रोजगार और स्वंतत्रता देना ताकि वे अपने जीवन को अपनी शर्तो पर जी सके। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार राज्य में विगत कई वर्षों से चल रही बिहार सरकार के द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं संचालित करवायी जा रही है। श्री कुमार ने आगे कहा कि आज बिहार में पंचायत, नगर निकायों में, प्राथमिक शिक्षक नियोजन एवं पुलिस भर्ती में भी महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत स्थान आरक्षित है। आज हमारे राज्य में सरकारी नौकरियों में भी महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण दी जा रही है। श्री कुमार ने बिहार सरकार द्वारा पिछले कई वर्षों से बिहार राज्य में जीविका के माध्यम से महिलाओं के स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के लिए योजनावद्ध तरीके से कार्य कर रही है। जीविका द्वारा गठित 10 लाख 63 हजार स्वयं सहायता समूह से 1 करोड़ 35 लाख महिलायें जुड़ी हैं। ये महिलाएं बिहार के गांव-गांव में महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन की मिसाल पेश कर रही हैं। ठीक उसी प्रकार उत्तर प्रदेश में भी महिलाओं के विकास के लिए कार्य करने की जरूरत पर बल दिया जाना चाहिए। इस अवसर पर आयोजित सभा में मंत्री के साथ कुशीनगर विधानसभा के पूर्व जदयू प्रत्याशी नारायण सिंह कुशवाहा, जदयू जिला अध्यक्ष कुशीनगर डॉ.लालमन कुशवाहा, जदयू महासचिव अमरजीत पटेल, जदयू विधानसभा अध्यक्ष अनिल पटेल, जदयू जिला युवा अध्यक्ष मंजीत चौधरी, जदयू जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद मोईंउद्दीन अंसारी, जदयू जिला उपाध्यक्ष हरिहर कुशवाहा, जदयू महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष उर्मिला शर्मा, जदयू खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष भोला यादव, जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह गहड़वाल, ग्राम प्रधान विनोद यादव, मोहम्मद हैदर मंसूरी एवं जद (यू.) के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद का चेहरा प्रक्रिया के तहत तय होगा : डा. शकील अहमद खान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच कांग्रेस विधायक दल के नेता डा. शकील अहमद खान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने रविवार को कहा कि महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद का चेहरा कोई तात्कालिक निर्णय नहीं, बल्कि एक प्रक्रिया है और यह प्रक्रिया तय समय पर पूरी की जाएगी। उन्होंने तेजस्वी यादव के सीएम फेस से जुड़ी सवालों पर चुप्पी साधे रखी। डा. खान ने इतना ही कहा कि कुछ चीज बाद में तय होती है। ऐसा नहीं है कि मैं मुख्यमंत्री पद की बात कर रहा हूं, लेकिन हम सब लोग एकजुट हैं। हम लोग जनता के बीच जाएंगे। इस सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ भाजपा की ओर से सियासी जाल बिछाने की तैयारी है। खान ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा नीतीश कुमार को परेशान कर रही है। आगे क्या होगा आप देखते जाइए। डा. खान ने कहा कि इसीलिए नीतीश कुमार के प्रति हमारी हमेशा सहानुभूति रही है, लेकिन इस सरकार को उखाड़ फेंकना है। इसके लिए हम लोग जनता के बीच जाएंगे। नीतीश कुमार के कांग्रेस के हाथ मिलाने की सम्भावना से उन्होंने साफ इंकार किया। वहीं बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल को महागठबंधन को-आर्डिनेशन कमेटी की प्रस्तावित बैठक से पहले 23 अप्रैल को पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। बैठक में महागठबंधन के प्रमुख नेता शामिल होंगे और कई बड़े निर्णय लिए जाएंगे। वहीं चिराग पासवान के बिहार के मुख्यमंत्री बनने के संभावना पर उन्होंने कहा कि उनको हिम्मत है तो पहले-पहल अडानी और अंबानी के यहां जाकर अपने दलित महा दलित को रिजर्वेशन दिलाए उसके बाद बात करें। दरअसल, चिराग ने पिछले दिनों बिहार में सेवा करने की बात कही थी। उनके इस बयान को बिहार में एनडीए के भीतर किसी बड़े खेले के रूप में देखा जा रहा है। अब डा. खान ने चिराग को आड़े हाथों लेते हुए उनसे सवाल किया कि वे दलितों को निजी क्षेत्र में आरक्षण के लिए क्यों नहीं आवाज उठाते।

सुकृष्णा कॉमर्स एकेडमी ने कंकड़बाग में शुरू की अपनी नई शाखा

नामांकन पर छात्रों को 50 प्रतिशत तक की छूट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी के अग्रणी कॉमर्स कोचिंग संस्थान सुकृष्णा कॉमर्स अकेडमी ने कंकड़बाग के डॉक्टर्स कॉलोनी स्थित सूर्यलक्ष्मी काम्प्लेक्स में अपने नई शाखा की शुरूआत की। इस शाखा का उद्घाटन संस्थान के निदेशक सीए विवेक कुमार, सीए बिनय कुमार एवं कार्यकारी निदेशक एच एस तिवारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर छात्रों को सम्बोधित करते हुए संस्थान के निदेशक सीए विवेक कुमार ने कहा कि बोरिंग रोड, गोला रोड के बाद यह हमारी तीसरी शाखा है। उन्होंने कहा कि यह शाखा छात्रों को और बेहतर शिक्षा और मार्गदर्शन प्रदान करेगी। सुकृष्णा कॉमर्स

एकेडमी पटना ही नहीं बल्कि बिहार का एक प्रतिष्ठित कॉमर्स कोचिंग संस्थान है जहां ग्यारहवीं, बारहवीं, सीए, सीएस, सीएमए, बीकॉम, क्लैट, टैली, डीसीए, बीबीए, सीयूईटी, आईपीमैट की तैयारी कराई जाती है। सीए विवेक कुमार ने बताया कि हम अपने पहले सेशन के दौरान नामांकन पर छात्रों को 50 प्रतिशत तक की छूट दे रहे हैं। वहीं संस्थान के अन्य निदेशक सीए बिनय कुमार ने कहा कि नई शाखा में आधुनिक सुविधाओं और संसाधनों के साथ, छात्रों को एक बेहतर अध्ययन वातावरण प्रदान किया जाएगा। इस शाखा के खुलने से कंकड़बाग क्षेत्र के छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को इस अवसर पर बधाई दी और उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया जबकि कार्यकारी निदेशक एच एस तिवारी ने कहा कि इस संस्थान के छात्रों ने समय-समय पर बेहतर रिजल्ट लाकर संस्थान का परचम लहराया है और बिहार का नाम रौशन किया है। मौके पर संस्थान से जुड़े सभी कर्मी मौजूद रहे।

अग्रसेन सेवा न्यास के निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 115 लोगों की जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अग्रसेन सेवा न्यास द्वारा आज शक्तिधाम, बैंक रोड, पटना में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। मौके पर न्यास के अध्यक्ष अमर अग्रवाल ने बताया कि अग्रसेन सेवा न्यास द्वारा प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को यह चिकित्सा शिविर आयोजित होता है। अग्रवाल ने बताया कि आज के इस चिकित्सा शिविर में कुल 115 मरीजों ने अपनी जांच करवाई। अग्रवाल ने बताया कि सभी मरीजों को निःशुल्क चाय बिस्कुट दिया गया। शिविर में डॉ बी के अग्रवाल द्वारा हेपेटाइटिस की जांच की गई। शिविर में इसके अतिरिक्त हेपेटाइटिस बी की जांच

के लिए 22 मरीजों का खून लिया गया। मौके पर शिविर में 65 मरीजों के आंखों की जांच नेत्र चिकित्सकों द्वारा किया गया। इनमें 14 मरीजों का मोतियाबिंद काफी बढ़ा हुआ था। इन सभी का निःशुल्क फेको विधि द्वारा आपरेशन श्याम मंदिर, न्यूबहादुरपुर के पास स्थित श्री बालाजी नेत्रालय में किया जाएगा। आज 17 मरीजों को निःशुल्क चश्मा भी उपलब्ध कराया गया। मौके पर डॉ सुनील अग्रवाल ने चेस्ट एवं सामान्य बीमारी के करीब 28 मरीजों की जांच की वहीं डॉ रचना जैन ने 10 महिला मरीजों की जांच की। आंखों के अतिरिक्त मधुमेह की जांच डॉ सुभाष कुमार के द्वारा की गयी जिसमें 25 लोगों में मधुमेह पाया गया। सभी मरीजों को मधुमेह की दवा निःशुल्क दी गयी। डा. कुमार ने बताया कि मधुमेह रोगियों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। मौके पर शिविर में 22 लोगों के दांतों की जांच डॉ नितिन मैतिन द्वारा की गयी जिसमें 11 लोगों के दांत में बीमारी पाई गयी। मौके पर ब्लड प्रेशर की जांच जितेंद्र के द्वारा की गई। एम पी जैन ने बताया कि शिविर को सफल बनाने में मुख्य भूमिका अमर कुमार अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल, अनिल गुप्ता, राजकुमार खेमका, रितेश तुलस्यान, संतोष केडिया, तरुण हिसारिया, रमेश अग्रवाल, राजेन्द्र शर्मा, ललन लाठ, राहुल अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों की रही।

CMYK

संपादकीय

आम लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए हुआ जरूरी फैसला

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पैंतीस दवाओं पर पाबंदी लगाने का निर्देश आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर एक जरूरी कदम है। मगर इससे एक बार फिर यही साफ होता है कि दवा कंपनियां किस तरह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रही हैं। गौरतलब है कि सीडीएससीओ ने पैंतीस 'फिक्स्ड-डोज काम्बिनेशन' यानी एफडीसी दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण को रोकने का निर्देश दिया है, जिनमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी पूरक आहार और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं।इस प्रतिबंध का उद्देश्य इन दवाओं की वजह से जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के सामने पैदा हो रहे खतरों को रोकना है। मगर सवाल है कि सरकार के संबंधित महकमों के तहत एक व्यापक तंत्र होने के बावजूद ये दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंचती हैं। किसी भी दवा के उत्पादन और उसके बाद बाजार में आकर एक जरूरतमंद उपभोक्ता तक पहुंचने की प्रक्रिया होती है। अगर कुछ दवाएं लंबे समय तक बाजार में बिकती रहती हैं तो उससे उपजे जोखिम के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है?पिछले वर्ष अगस्त में भी बुखार, सर्दी, एलर्जी और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सौ छप्पन एफडीसी दवाओं पर पाबंदी लगा दी गई थी। तब भी यह कहा गया था कि ये दवाएं इंसान के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ऐसे निर्देश अक्सर जारी किए जाते रहे हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि सख्ती के बावजूद फिर से कुछ ऐसी दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंच जाती हैं।दवा कंपनियों के लिए वे कैसे नियम-कायदे तय किए गए हैं, जिसके तहत वे ऐसी दवाओं का उत्पादन करती हैं और उन्हें उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता है, जो इंसानों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती हैं? अगर ऐसी दवाएं बनाने वाली कंपनियां राज्यों के प्राधिकरणों से इसके लिए लाइसेंस मिलने को ढाल बनाती हैं, तो क्या इन कंपनियों के साथ-साथ उन्हें इजाजत देने वाले संबंधित महकमों को भी कठघरे में खड़ा किया जाएगा? सही है कि सीडीएससीओ ऐसी दवाओं को चिह्नित करती है और उसे प्रतिबंधित करने का फैसला करती है। मगर जितने दिनों तक लोगों की सेहत को खतरे में डालने वाली ऐसी दवाएं बिकती रहती हैं, जरूरतमंद लोग उन दवाओं का सेवन करते हैं, उसका क्या और कितना असर पड़ता होगा? पैंतीस या एक सौ छप्पन दवाओं पर पाबंदी लगाने की नौबत तभी आई, जब उसे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक पाया गया। अगर किसी बीमारी के इलाज के क्रम में दी जाने वाली दवा को खतरनाक पाया जाता है, तो यह सुनिश्चित कब होता है?जिन दवाओं को जोखिम के दायरे में पाया जाता है, उनके परीक्षण और उसके नतीजों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हुए बिना आम लोगों के लिए उसके उत्पादन, बिक्री या वितरण की इजाजत किस आधार पर दी जाती है? सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के बिना वैसी दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण के लिए लाइसेंस कैसे जारी कर दिया गया और चिकित्सक उनके सेवन की सलाह किस आधार पर देते हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है?सेहत पर कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव पहले ही जटिल समस्या बने हुए हैं। ऐसे में जन स्वास्थ्य को खतरे में डालने वाली दवाओं के उत्पादन और बिक्री को लेकर बेहद सख्त नियम-कायदे लागू नहीं किए गए तो इसका गंभीर खमियाजा सबको उठाना पड़ सकता है।

आज जब स्वयं को विकासशील और विकसित कहने वाले अनेक राष्ट्र मतपत्र आधारित चुनाव प्रणाली में ही उलझे हुए हैं,तब हमारा भारत देश अत्याधुनिक चुनाव प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन तक का सफर तय कर चुका है। एक जमाना ऐसा था जब हमारे यहां भी मतपत्र प्रणाली पर आधारित चुनाव प्रक्रिया व्यवहार में लाई जाती थी। लेकिन इस देश ने और देश के चुनाव आयोग ने मतपत्र प्रणाली पर आधारित चुनाव प्रक्रिया अपनाते हुए अनेक प्रतिकूल, बेहद खतरनाक परिणाम भी देखे।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बाद अब ब्लॉकचेन वोटिंग सिस्टम की सुगबुगाहट

डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

वैश्विक स्तर पर स्थापित सत्य है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। एक ऐसा देश जहां लगभग डेढ़ अरब लोग निवास करते हैं। जनसंख्या के लिहाज से यह इतना बड़ा आंकड़ा है कि भारत का एक-एक शहर अपने भीतर एक से अधिक राष्ट्र समाहित कर लेने की हद तक फैला हुआ है। फिर भी हमारे देश के नागरिक बेहद आधुनिक चुनाव पद्धति के माध्यम से ग्रामीण, शहरी, जनपदीय, जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर भली भांति हर प्रकार की सरकारों का गठन लोकतांत्रिक प्रणाली से कर रहे हैं। आज जब स्वयं को विकासशील और विकसित कहने वाले अनेक राष्ट मतपत्र आधारित चुनाव प्रणाली में ही उलझे हुए हैं,तब हमारा भारत देश अत्याधुनिक चुनाव प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन तक का सफर तय कर चुका है। एक जमाना ऐसा था जब हमारे यहां भी मतपत्र प्रणाली पर आधारित चुनाव प्रक्रिया व्यवहार में लाई जाती थी। लेकिन इस देश ने और देश के चुनाव आयोग ने मतपत्र प्रणाली पर आधारित चुनाव प्रक्रिया अपनाते हुए अनेक प्रतिकूल, बेहद खतरनाक परिणाम भी देखे। कई दशकों तक येन केन प्रकारेण सत्ता पर काबिज बने रहने अथवा सत्ता पर काबिज होने के लिए मतदान प्रणाली की सात्विकता का हरण किया जाता रहा। जिसकी लाठी उसकी भैंस की तर्ज पर अनेक अवसरवादी, सत्ता लोलुप और नैतिकता से लगभग नाता तोड़ चुके घाघ राजनेता बूथ कैप्चरिंग करते रहे। नकली मत पेटियों से असली मत पेटियां बदली जाती रहीं। चुनावी टीम को एक प्रकार से अपहृत करते हुए मनपसंद उम्मीदवार के चुनाव चिन्ह पर यंत्रवत ठप्पे लगाए जाते रहे। इस पाप पूर्ण कृत्य का विरोध करने पर जागरूक मतदाताओं, चुनाव कराने वाले कर्मचारियों, अधिकारियों, पत्रकारों को मौत के घाट उतारा जाता रहा। फल स्वरुप एक समय ऐसा भी आया जब गांव की पंचायत से लेकर देश की लोकसभा तक, विभिन्न सदनों में, बाहुबल के बल पर जीत कर आए, आपराधिक पृष्ठभूमि के जनप्रतिनिधियों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ गई। जब देश के विभिन्न भागों में भिन्न-भिन्न चुनाव रक्त रंजित होने लगे, तब देश के प्रबुद्ध वर्ग को चिंता हुई?। यह विमर्श किए जाने लगे कि ऐसा क्या किया जाए, जिससे चुनाव में रक्तपात ना हो। निर्वाचित होकर भी वही लोग सदन में पहुंचे मतदाता जिन्हें स्वेच्छा से चुनना चाहते हों। तब देश के सामने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का विकल्प सामने आया। तमाम अध्ययनों के बाद, कोई खामी शेष न रह जाए यह सुनिश्चित करने के बाद, अपराधी किस्म के नेता बूथ कैप्चरिंग ना कर पाएं यह संतुष्टि करने के बाद, अंततः देश ने ईवीएम यानि कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन आधारित चुनाव प्रणाली को अपना लिया। इस प्रकार वर्ष 1982 में केरल राज्य के

उत्तरी पारावुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में पहली बार ईवीएम आधारित चुनाव प्रणाली का इस्तेमाल किया गया। यह चुनाव उम्मीद से कहीं आगे जाकर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। मतदान के परिणाम भी पारंपरिक मत पत्रों पर आधारित चुनाव प्रणाली की अपेक्षा बहुत जल्दी प्राप्त हो गए। अपवाद स्वरूप प्राप्त बेहद सीमित आपत्तियों के अलावा कोई उल्लेखनीय खामी सामने नहीं आई, जिसके चलते इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन आधारित चुनाव प्रणाली को बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने का निर्णय लिया गया। बाद में जब विधानसभाओं और लोकसभा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का प्रयोग शुरू हुआ तो इसकी पारदर्शिता और सात्विकता पर अनेक उंगलियां उठीं। फल स्वरुप देश के चुनाव आयोग ने राज्यसभा, लोकसभा, विभिन्न प्रांतो की विधानसभाओं के अलावा कलेक्टरेटों में, और जहां तक संभव हो सकता था वहां तक इन मशीनों का प्रदर्शन किया। सभी स्तर के आम और खास लोगों को इसकी प्रक्रिया बताई व दिखाई गई। साथ में शिकायतें सुझाव एवं आपत्तियां मंगाई गईं। हर एक शिकायत, आपत्ति और सुझाव पर बारीकी से विचार विमर्श हुआ। जो सुझाव उचित लगे उन्हें व्यवहार में लाया गया। जिन शिकायतों अथवा आपत्तियों में तार्किकता दिखाई दी, उन्हें पूरी ईमानदारी से निराकृत किया गया। जब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सात्विकता, उनकी पारदर्शिता को लेकर व्यापक स्तर पर संतुष्टि काबिज हो गई, तब कहीं जाकर इस चुनाव प्रणाली को वृहद स्तर पर व्यवहार में लाया गया। यह बात और है कि चुनाव में मुंह की खाने वाले राजनेता और राजनीतिक दल, जीतने वाले सत्ताधारी दल पर और चुनाव आयोग पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में धांधलियां करने के आरोप मढ़ते रहे। लेकिन वह लोग कभी भी कोई तार्किक तथ्य सामने ना रख सके, जिससे उनके आरोपों को सही न माना गया। वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन आधारित चुनाव प्रणाली भली भांति चुनावी दायित्वों का निर्वहन कर रही है। सब कुछ ठीक-ठाक होने के बावजूद केवल चुनाव आयोग ही नहीं, अपितु देश इस बात को लेकर चिंतित है कि हमारे यहां मतदान का प्रतिशत अपेक्षाकृत अभी कम ही बना हुआ है। इस समस्या को लेकर जो तथ्य सामने आ रहे हैं, उनके मुताबिक देश के नागरिक बार-बार के चुनावों से तंग आ चुके हैं। बात सही भी है, कोई साल और महीना ऐसा नहीं बीतता जब देश के किसी प्रांत, जिले, नगर, जनपद अथवा गांव में चुनाव संपन्न ना होता हो। परिणाम स्वरूप आम आदमी तो बार-बार के चुनावों से तंग तो आया ही, चुनावी आचार संहिता के बने रहने से विकास कार्य भी प्रभावित बने रहते हैं । आम आदमी के साथ-साथ विकास की गति को इस मुसीबत से छुटकारा दिलाने के लिए ही देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक राष्ट्र एक चुनाव की पुरजोर वकालत कर रहे हैं। यदि यह चुनाव प्रणाली देश में लागू होती है तो फिर आम आदमी को विभिन्न पदों के निर्वाचन हेतु बार-बार मतदान केंद्रों पर नहीं भटकना पड़ेगा। इससे मतदाताओं के अंतर्मन में गहरे तक पैठ चुकी ऊब से छुटकारा मिलेगा तथा मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सकेगा। इसी के साथ विकास कार्य भी निरंतरता के साथ संपादित किये जा सकेंगे।

इसका मतलब यह हुआ कि भारत की वर्तमान चुनाव प्रणाली बखूबी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है। उसकी पारदर्शिता और सात्विकता वैश्विक स्तर पर प्रामाणिकता प्राप्त कर चुकी है। ऐसे में यदि एक और नई चुनाव प्रणाली की बात की जाए तो फिर सवाल यह खड़ा होता है कि जब सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है तो फिर एक और नया प्रयोग क्यों? इसका जवाब कुछ यूं हो सकता है कि सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है, यह सोचकर हाथ पर हाथ रखकर बैठते हुए भविष्य की चुनौतियों का सामना नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए - अभी भी चुनाव कराने के लिए लाखों पोलिंग बूथ, करोड़ों चुनाव अधिकारी - कर्मचारी, सुरक्षा बलों की व्यापक स्तर पर तैनाती, भारी पैमाने पर आर्थिक खर्चे तथा आम आदमी की मतदान केंद्रों तक आवाजाही, वह समस्याएं हैं जिनका हल हमें आज ही ढूंढना होगा। क्योंकि जैसे-जैसे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा, व्यवस्थाएं, नियुक्तियां और खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ते चले जाने हैं। इन सभी के निराकरण स्वरूप दिमाग में एक संभावित चुनाव प्रणाली का ध्यान आता है, जिसका नाम है ब्लॉकचेन आधारित वोटिंग सिस्टम। यदि इस प्रणाली पर व्यापक वार्ता, बहस, विमर्श आदि हों तो परिणाम स्वरूप प्राप्त होने वाले सारगर्भित नतीजों से भारतीय लोकतंत्र के लिए नई संभावनाओं को तराशा जा सकता है। लेकिन इसके लिए, पहले हमें यह समझना होगा कि आखिर ब्लॉकचेन आधारित वोटिंग सिस्टम काम कैसे करेगा।

इसका सबसे पहले चरण होगा मतदाता का पंजीयन। यह आधार कार्ड या किसी डिजिटल आईडी का उपयोग करके चुनाव आयोग द्वारा ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से सत्यापित किया जा सकता है।

दूसरे क्रम पर आती है मतदान प्रक्रिया। इसे संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग प्रत्येक मतदाता को एक डिजिटल टोकन अथवा कोड प्रेषित करेगा, जिसके माध्यम से मतदाता जहां है वहीं से मान्यता प्राप्त गैजेट को माध्यम बनाकर अपने मनपसंद उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कर सकेगा। बदले में उसे डिजिटल स्वरूप में ही तत्काल मतदान की रसीद चुनाव आयोग द्वारा भेजी जा सकेगी। मतदाता द्वारा चुनाव आयोग को भेजा गया उपरोक्त मतदान ब्लॉक चैन सिस्टम में दर्ज होगा जिसे बदला नहीं जा सकेगा।

तीसरे क्रम पर मतगणना की बारी आती है। होगा यह कि जैसे ही मतदान संपन्न होगा और मतगणना के लिए सिस्टम का सर्वर ऑन किया जाएगा, वैसे ही डिजिटल स्वरूप में मतगणना के परिणाम मतदान में इस्तेमाल किए गए गैजेट पर दिखाई देने लगेंगे। मतगणना में कौन आगे और कौन पीछे चल रहा है, यह रुझान भी ठीक उसी प्रकार प्रदर्शित हो सकेंगे जिस प्रकार स्टॉक मार्केट में शेयरों के भाव उतार-चढ़ाव के रूप में देखा जाना प्रचलन में बना हुआ है। अंत में यह परिणाम भी देखा जा सकेगा कि चुनाव में कौन हारा और जीत किसके हिस्से में आई। ब्लॉक चैन वोटिंग सिस्टम के एक्सप्लोरर का उपयोग करके हार जीत का अंतर क्या रहा, यह भी बगैर लंबी प्रतीक्षा के तत्काल देखा जा सकेगा। खास बात यह कि इस चुनाव प्रणाली में भी डिजिटल रूप से दर्ज हुए आंकड़ों में किसी भी प्रकार का हेर फेर नहीं किया जा सकेगा,क्योंकि सारा डेटा इंक्रिप्टेड और सुरक्षित ही रहने वाला है। (विनायक फीचर्स)

महाभारत के पात्रों से जिंदगी की पाठशाला

(सुंदरचंद ठाकुर)

महाभारत केवल एक महाकाव्य नहीं, मानव जीवन का दर्पण है। हर पात्र, हर घटना जैसे कहती है - देखो, तुम्हारे भीतर भी कोई अर्जुन है, कोई द्रौपदी है, कोई कर्ण, भीष्म, युधिष्ठिर या दुर्योधन है।आज जब हम तेज़ रफ्तार और उलझनों से भरी ज़िंदगी जी रहे हैं, तो क्यों न एक बार महाभारत की गलियों में लौटकर देखें, क्या वहाँ से कोई सीख है जो आज के जीवन को बेहतर बना सकती है?

5-6 पात्रों की रोशनी में जीवन को थोड़ा और समझें

1. अर्जुन - भ्रम और भय से ऊपर उठने की सीख

अर्जुन ने महाभारत के युद्ध के सबसे निर्णायक क्षण में धनुष नीचे रख दिया था। वह भ्रमित थे – क्या अपनों के खिलाफ युद्ध करना ठीक है? लेकिन श्रीकृष्ण ने उन्हें याद दिलाया ङ्क कर्तव्य और भावना के बीच फर्क करना ज़रूरी है। आज के जीवन में भी हम अक्सर निर्णय नहीं ले पाते - संकोच, संबंधों, या भय के कारण। पर अर्जुन सिखाते हैं –जब रास्ता सही हो, तो संदेह को पीछे छोड़कर साहस के साथ आगे बढ़ो।

2. युधिष्ठिर - सत्य का मूल्य, लेकिन संतुलन के साथ

युधिष्ठिर धर्मराज थे, सत्यवादी थे। परन्तु उन्होंने जुए में अपना राज्य, भाई और पत्नी तक हार दी - क्योंकि उन्हें लगा कि 'राजधर्म' निभाना ज़रूरी है। इससे हमें सीख मिलती है - सत्य और धर्म ज़रूरी हैं, लेकिन आँखें मूंदकर नहीं।

आधुनिक जीवन में नैतिकता का मतलब ये नहीं कि हम दूसरों के हाथ की कठपुतली बन जाएँ। सच्चाई और विवेक - दोनों साथ चलें, तभी सही निर्णय हो सकता है।

3. कर्ण - आत्मगौरव और अपने मूल्य की पहचान

कर्ण को जीवन भर अपमान सहना पड़ा 'सूतपुत्र' कहकर उसे नीचा दिखाया गया, लेकिन उसने कभी हार नहीं मानी। उसने खुद को लगातार बेहतर किया, और महान धनुर्धर बना। आज जब जाति, परिवार, पैसे, या डिग्री के आधार पर लोगों को आँका जाता है, कर्ण सिखाते हैं ङ्क अपनी काबिलियत से खुद को साबित करो। जन्म नहीं, कर्म बड़ा होता है।

4. द्रौपदी -आत्मसम्मान और मुखरता की प्रतीक

द्रौपदी ने भरी सभा में प्रश्न पूछे -क्या मुझे जुए में दाँव पर लगाया जा सकता है? जब सब चुप थे, वो बोलती रही।

आज की नारी के लिए द्रौपदी एक मिसाल हैं - जब अन्याय हो, तो चुप मत रहो। सम्मान सिर्फ अधिकार नहीं, आत्मबल से भी जुड़ा होता है।

5. भीष्म - संकल्प और उसकी कीमत की चेतावनी

भीष्म ने आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लिया, राजधर्म निभाया, पर कभी गलत का विरोध नहीं किया - चुप रहकर अधर्म को स्थान दिया। उनका जीवन कहता है - संकल्प भी तब ही शुभ है जब उसमें विवेक हो। अगर कोई प्रण किसी को दुख दे रहा है, तो उसे तोड़ना साहस होता है, कमजोरी नहीं।

6. श्रीकृष्ण - मार्गदर्शक और मन की शांति का सूत्र

श्रीकृष्ण स्वयं युद्ध में शस्त्र नहीं उठाते, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं - सत्य के पक्ष में खड़े होकर।

वे सिखाते हैं - हर जीवन में एक सारथी ज़रूरी है - कोई ऐसा जो तुम्हारे भ्रमों को दूर करे। अगर बाहर कोई न हो, तो खुद अपने भीतर का कृष्ण ढूँढो। मन को शांत रखकर, विवेक से निर्णय लो।

महाभारत हमें जीवन की गहराई सिखाता है - कि हर पात्र हमारे भीतर है। अब यह हम पर है कि हम अर्जुन बनें या दुर्योधन, कर्ण बनें या शकुनि।

जीवन एक युद्धभूमि है, लेकिन जितना बाहर का युद्ध है, उससे कहीं बड़ा भीतर का है। और वही जीत असली है, जो भीतर से हासिल हो। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

यहां-वहां ठहरी-बची गरीबी का जाल टूटना चाहिए

(अनुराग बेहार, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन)

हमने वह दोपहर गांव में बिताई, वहां के निवासियों से सुना कि वे अपने छोटे-छोटे खेतों की पैदावार बढ़ाने, अपने पहाड़ी क्षेत्र में बेहतर जल प्रबंधन करने और आम के बगीचे लगाने के लिए क्या कर रहे हैं। इन परिवारों में से कुछ की वार्षिक आय अधिकतम 40,000 रुपये से लेकर कई लोगों के लिए शून्य तक थी। गांव के उस टोले में कोई मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं है। हल्का सिग्नल पाने के लिए कुछ किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर चढ़ना पड़ता है। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए डिजिटल सत्यापन या लेन-देन की जरूरत होती है, पर यह या तो उपलब्ध नहीं है या फिर उन तक पहुंचना कठिन है।

हमने हवाई अड्डे से चार लेन वाला राजमार्ग पकड़ा और तीन घंटे में 220 किलोमीटर की दूरी तय कर ली। जाहिर है, सड़क बहुत अच्छी थी। उसके बाद हम दो लेन वाली सड़क पर आए और 80 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे में तय की। इस बार सड़क इतनी खराब थी कि आगे की यात्रा के लिए वाहन बदलने की नौबत आ गई। अगले 10 किलोमीटर की यात्रा हमें ऊंचे चेचिस वाले वाहन से करनी पड़ी, क्योंकि सड़क पथरीली थी और पतली भी। उस कठिन डगर के बाद हमें आगे दो किलोमीटर की यात्रा के लिए बाइक पर सवार होना पड़ा और एक जगह पहुंचकर बाइक का आगे बढ़ना भी असंभव हो गया। तब हम यात्रा पूरी करने के लिए 15 मिनट पैदल चले।

हमने वह दोपहर गांव में बिताई, वहां के निवासियों से सुना कि वे अपने छोटे-छोटे खेतों की पैदावार बढ़ाने, अपने पहाड़ी क्षेत्र में बेहतर जल प्रबंधन करने और आम के बगीचे लगाने के लिए क्या कर रहे हैं। इन परिवारों में से कुछ की वार्षिक आय अधिकतम 40,000 रुपये से लेकर कई लोगों के लिए शून्य तक थी। गांव के उस टोले में कोई मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं है। हल्का सिग्नल पाने के लिए कुछ किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर चढ़ना पड़ता है। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए डिजिटल सत्यापन या लेन-देन की जरूरत होती है, पर यह या तो उपलब्ध नहीं है या फिर उन तक पहुंचना कठिन है।

गांव में सरकारी प्राथमिक विद्यालय ने आस-पास की बस्तियों को भी सेवा प्रदान कर रखी है। इसमें एक शिक्षक और 40 बच्चे हैं। शिक्षक ने 300 रुपये प्रति माह पर कमरा किराये पर ले रखा है और वहीं रहते हैं। पहले शिक्षक यहां आते ही स्थानांतरण की कोशिश में लग जाते थे, पर यह शिक्षक दो साल से टिके हैं। निकटतम निजी स्कूल इस

गांव से लगभग 40 किलोमीटर दूर एक छोटे शहर में है। निकटतम निजी अस्पताल 60 किलोमीटर दूर एक अन्य शहर में है। देश की सबसे बुनियादी सुविधा मतलब सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गांव से लगभग 25 किलोमीटर दूर है, जहां पहुंचने में 3-4 घंटे लग जाते हैं। एक नर्स के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र का निकटतम पीएचसी सेंटर लगभग छह किलोमीटर दूर है। अगर गांव में किसी का पैर टूट जाए, तो उसे स्वास्थ्य सुविधा पाने के लिए 25 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। यदि किसी बीमारी के लिए सप्ताह में दो बार जांच की जरूरत पड़ जाए, तो मुमकिन ही नहीं है। सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र हो या निजी अस्पताल, दोनों में महज 40 प्रतिशत तक ही स्टाफ हैं।

यह मानव बस्ती अकेली नहीं है। भारत में ऐसी हजारों बस्तियां हैं और ऐसे लाखों लोग इनमें रहते हैं, जो लगभग हर उस चीज से दूर हैं, जिन्हें विकास का प्रतीक माना जाता है। ऐसे वंचित गांवों से लोगों का बाहर जाना और बाहर से लोगों का यहां आना बहुत संघर्षपूर्ण है। सभी प्रकार की गरीबी में कुछ सामान्य विशेषताएं होती हैं। जैसे गरीबी में हम न्यायसंगत, निष्पक्ष और सुरक्षित नौकरियां और आजीविकाएं पैदा करने में असमर्थ रहते हैं। दूरदराज की ऐसी गरीबी को दूरियां घटाकर ही मिटाया जा सकता है।

दूसरे प्रकार की गरीबी आमतौर पर किसी हवाई अड्डे से एक या दो घंटे की दूरी के अंदर ही होती है। यहां जनसंख्या घनत्व अधिक होता है और प्रति व्यक्ति बहुत कम भूमि व अन्य प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हो पाते हैं। यहां की हर चीज पर सामाजिक रीति-रिवाजों और संरचनाओं की बुरी पकड़ होती है और यह इस गरीबी की सबसे बड़ी विशेषता है। सामाजिक और सार्वजनिक संस्थान भी गरीबी के इस जाल में मजबूती से फंसे हुए हैं और काफी हद तक निष्क्रिय हैं। यदि आप एक महिला हैं, तो बाजार आपकी पहुंच से बाहर होंगे, मोबाइल फोन भी नहीं होगा और आपका भोजन परिवार का बचा हुआ खाना होगा। ऐसी गरीबी को मिटाने के लिए सभी को मिलकर मुकाबला करना होगा।

तीसरी तरह की गरीबी हमारे और आपके ठीक बगल में मौजूद है। मलिन बस्तियों, झुग्गियों में रहने वाले लोग मजदूर होते हैं, सफाई का काम करते हैं या इमारतें, सड़कें बनाते हैं, पर स्वयं लाभ से दूर रह जाते हैं। यह उन लाखों जिंदगियों के प्रति उदासीनता है, जो हर पल हमें घेरे रहती हैं। हम सब कुछ कर सकते हैं, पर कुछ नहीं करते। वे गरीबी में रह सकते हैं, पर देश के असल गरीब तो हम हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

उन्नति का जरिया अनानास

जलवायु

अनानास गर्म और आर्द्र जलवायु का फल है. समुद्र तटीय क्षेत्र फलों के बढ़वार के लिये अत्यंत लाभदायक होता है, क्योंकि तटीय क्षेत्रों का तापमान अत्यधिक नहीं होता है. अनानास उत्पादन के लिये 22 से 32 डिग्री से. तापमान सर्वोत्तम होता है। पत्तियों के बढ़वार से लिए 32 से. एवं जड़ों के बढ़वार के लिये 29 से.तापमान सर्वोत्तम होता है. 20 डिग्री सें.ग्रे से कम तथा 36 डिग्री सें. ग्रे.से अधिक तापमान में पत्तियाँ एवं जड़ों की बढ़वार रुक जाती है। मैदानी क्षेत्रों की तेज सूर्य किरणों से पौधों की पत्तियों को हानि होती है. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के कुछ स्थानों पर आम के बगीचों तथा केला के बगीचों में सफलतापूर्वक मैदानी क्षेत्रों में अनानास उगाया जा सकता है। 100-150 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र एवं समुद्र तल से 1100 मी. की ऊंचाई में अनानास का व्यापारिक उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है. दुमट-बलुआर भूमि उत्तम होती है. पौधों की जड़ें 12-20 सेमी. गहराई तक जाती है, अर्थात् भूमि गहरी होना आवश्यक नहीं है. भूमि का जल निकास उचित होना चाहिए.पी.एच. मान 5-6 होना चाहिए.

पौध रोपण- रोपण का समय

रोपण का समय प्राकृतिक बहार के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है.जो भिन्न-भिन्न स्थानों में भिन्न-भिन्न होता है. यदि रोपण सामग्री (प्रवर्धन सामग्री) में पर्याप्त कार्यकीय वृद्धि नहीं हुई है तो पौधों में या तो फूल देरी से आएंगे या बहुत जल्दी आएंगे जिससे पौधे बहुत ही छोटे फल बनाएंगे जो गुण एवं वजन दोनों में कम होंगे. अतः पूर्ण रूप से विकसित अर्थात् जिसकी कार्यकारी वृद्धि पूर्ण हो. ऐसे प्रवर्धन सामग्री का चयन करना चाहिए। रोपण का आर्द्रता समय प्राकृतिक रूप से बाहर आने के 12-15 माह पूर्व होनी चाहिए. जो दिसम्बर से मार्च तक भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रोपण का समय होता है.

रोपण

अनानास के पौधे लगाने की विधि अन्यफलों से भिन्न होती है. अनन्नास के पौधे तीन विधियों से लगाए जाते है:-

1. एक पंक्ति विधि
2. दोहरी पंक्ति विधि
3. तीन पंक्ति विधि

एक पंक्ति विधि में पौधे कतारों से निश्चित दूरी पर लगाए जाते हैं. दोहरी पंक्ति विधि में जो कि अधिकांश अपनाई जाती है, पौधों की दो पंक्तियां 0.5 मी. के अंतर से लगाना चाहिए. इन दो पंक्तियों के मध्य 0.75 मी.स्थान छोड़कर पुन: 0.50 मी. के अंतर से पंक्तियां लगाते हैं. पौधों की दूरी 40 सेमी. रखें. इस विधि से 35000 से 40000 पौधे प्रति हैक्टर लगाये जाते हैं. इस विधि से पौधे लगाने से उद्यानिकी क्रियाओं में सरलता होती है. तीन पंक्ति विधि से पौधा लगाना उचित नहीं होता है.

पौधे लगाने से पहले खेत की अच्छी तरह जुताई करके भुरभुरा बना लेना चाहिए. खेत तैयार करते समय गोबर की खाद या कम्पोस्ट भी मिला देना चाहिए। खेत में आवश्यक अंतर पर कतारें बना लें और इन कतारों में अनानास के पौध लगाएं. पौधे 10 सेमी. गहरे लगाने चाहिए. पौधे, जिन्हें सकर कहते हैं, लगाते समय यह ध्यान रखें कि उनका हृदय का भाग भूमि में न दबने पाए. पौधे जुलाई से सिंतबर तक वर्षाऋतु में तथा फरवरी-मार्च में बसंत ऋतु में लगाए जा सकते हैं.

पौध उपचार

पौधों को लगाने से पहले सकर या अन्य सामग्री का उपचार आवश्यक है, जिससे उनमें हृदय सड़न का रोग न लगने पाए.पौधे को एक सप्ताह तक छाया में सुखा कर उसकी सूखी हुई पत्तियां अलग कर दें. इसके बाद बोर्डो मिश्रण (1:1:10) के घोल में निचला भाग डुबाकर खेत में लगाएं.

सिंचाई

ग्रीष्म ऋतु में 7 से 10 दिन के अंतर में और शीत ऋतु में 15 से 20 दिन के अंतर से भूमि की किस्म के अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए. जड़ें गहरी न होने के कारण नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है.

निदाई, गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाना

अनानास की जड़ें भूमि की ऊपरी पर्त से पोषण लेती हैं. अत: अनन्नास के उद्यान में घास या खरपतवार का रहना अत्यंत ही हानिकारक होता है. पौधों की वृद्धि नहीं हो पाती. निंदाई के साथ पौधों में मिट्टी चढ़ाना आवश्यक होता है जिससे कि पौधे फलभार ग्रहण कर सकें. वर्ष में दो से तीन बार मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. मिट्टी चढ़ाते समय यह ध्यान रखें कि मिट्टी में हृदय का भाग न दबने पाए. प्रत्येक सिंचाई के पश्चात हल्की गुड़ाई आवश्यक है.

तुड़ाई व उपज

फल पर स्थित आंखें जब पीली पड़ने लगती हैं, तब फल तोड़ने योग्य हो जाता है परंतु यदि फल दूर भेजना हो तो आँखें पीली पड़ने के पहले पूरी परिपक्व अवस्था में ही फल तोड़ लेना ठीक रहता है. इसके अतिरिक्त आंखों के पास की कोणीय बनावट कुछ कम हो जाती है और आंख के पास सहपत्र का जो भाग आंख के पास निकलता है, वह सूख जाता है। अनानास के फल में स्टार्च नहीं होता, इसलिये इसे तोड़ने के बाद मिठास में कोई विशेष वृद्धि नहीं होती है. फूल आने के लगभग 3.5 से 4 माह में फल पकने लगता है. औसत उपज 40 से 60 टन प्रति हेक्टर होती है.

किस्म

क्यू जायण्ट, क्यू, क्वीन, मॉरीसस, रेड स्पैनिश, सिंगापुर, स्पैनिश

देशी किस्म-

जलधूप एवं लखाद ये किस्में असम क्षेत्र में उगाई जाती है. उगाई जाने वाले क्षेत्र के आधार पर इनका नामकरण किया गया है. दोनों किस्में क्वीन समूह में आते है, परंतु इसके फल आकार में छोटे होते हैं. लखाद स्वाद में हल्के खट्टे होते हैं, जबकि जलधूप मीठा होता है. जलधूप का फल एल्कोहलिक फ्लेवर (सुगंध) लिए हुए होता है। जो कि इस फ्लेवर के कारण क्वीन समूह में आसानी से पहचाना जा सकता है.

प्रवर्धन:-

सकर: पौधे के मूल-तंत्र से निकली हुई पत्तियों वाली शाखाओं को, जो भूमि से निकलती है, सकर कहलाता है. अनानास का प्रवर्धन सकर द्वारा ही अधिकांशत: किया जाता है. सकर का वजन 500 से 750 ग्राम उपयुक्त माना जाता है.

क्राउन: फल के ऊपर लगी हुई पत्तियों के झुंड को क्राउन कहते है. क्राउन को सीधे तैयार खेत में रोपित कर सकते हैं.

स्लिप: तने तथा फल के निचले भाग से एवं भूमि से निकली हुई पत्तीदार शाखाओं को स्लिप कहते हैं. 300 से 400 ग्राम वाली स्लिप का प्रयोग रोपण के लिये प्रयोग करना चाहिए. जिससे पौधे समान आकार के होते है.

स्टम्प : फल के डंठल तथा तना को स्टम्प कहते हैं. इस प्रकार की प्रवर्धन विधि पेड़ी की फसल के लिये करते है.

जायद में मूंगफली की खेती

जलवायु

मूंगफली की बुवाई का समय मृदा व वातावरण के तापमान पर निर्भर करता है बुवाई के समय मृदा के ऊपरी 10 से.मी. का तापमान लगभग 18-20 से.मी. होने पर जायद में मूंगफली की बोनी की जा सकती है। जायद मौसम में मूंगफली की बोनी का उपयुक्त समय फरवरी के द्वितीय से अंतिम सप्ताह के बीच कर देनी चाहिए.

खेत की तैयारी व मृदा उपचार

उचित जल निकास वाली बलुई व हल्की भूमि जिसका पी.एच.मान 6.5 से 7.5 के बीच हो। खेत में पलेवा लगाकर ओट आने पर 2-3 जुताई कल्टीवेटर से कर बुवाई करनी चाहिए। बुवाई से पूर्व 100 कि.ग्रा. गोबर खाद में दो कि.ग्रा. ट्राइकोडर्मा विरिडी मिलाकर प्रति हेक्टेयर के मान से खेत में मिलायें। सफेद लट व दीमक से बचाव हेतु फोरेट 10 प्रतिशत या एंडोसल्फान 4 प्रतिशत चूर्ण 20 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर के मान से बुवाई पूर्व खेत में मिलायें।

बीज दर, बुवाई का तरीका

बीज के आकार के अनुसार 100-120 (गुली) कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर उपयुक्त होता है। बुवाई से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम की 2 ग्रा. मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. के मान से उपचारित करें. बुवाई 5-6 से.मी. की गहराई पर, लाइन से लाइन की दूरी 25-30 से.मी. तथा पौधे से पौधे 8-10 से.मी. रखें.

पोषक तत्व प्रबंधन

सामान्यत: 43 कि.ग्रा. यूरिया, 250 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा 40 कि.ग्रा. पोटाश व 20 कि.ग्रा. सल्फर का उपयोग किये जाने की सिफारिश की जाती है। फॉस्फोरस की आपूर्ति सिंगल सुपर फॉस्फेट से करने पर सल्फर, कैल्शियम, जिंक की भी पूर्ति हो जाती है।

सिंचाई

जायद में की जाने वाली मूंगफली में पलेवा के अतिरिक्त 6-7 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। फसल की क्रांतिक अवस्थाओं जैसे फूल निकलते समय, सूईयों एवं फली का विकास होते समय सिंचाई अवश्य करें।

खरपतवार नियंत्रण

जायद में बार-बार सिंचाई करने से खरपतवारों का प्रकोप अधिक होता है अत: बुवाई करने के 20-25 दिन व 35-40 दिन तक खरपतवारों को निंदाई कर नष्ट करें।

कीट नियंत्रण

दीमक व सफेद ग्रव का प्रकोप होने की दशा में क्लोरोपायरीफॉस 2.5 ली. प्रति हे. 25 कि.ग्रा. रेत में मिलाकर खड़ी फसल में भुरकाव कर सिंचाई करें. पत्तियों पर टिक्का रोग (मटियाले रंग के भूरे धब्बे) के लक्षण दिखाई देने पर मेंकोजेब 1.5 से 2.0 कि.ग्रा. का घोल प्रति हे.छिड़काव करें.

खुदाई व उपज:- गुच्छेदार किस्में 100-105 दिन में तथा फैलने वाली किस्में 120-130 दिन में पककर तैयार हो जाती है। जब फली के बीज सख्त हो जाये व छिलका बादामी हो जाये तथा पत्तियाँ पीली पड़कर सड़ने लगे तब खुदाई करें। इस प्रकार उन्नत सस्य प्रबंधन व पौध संरक्षण से 25 क्विंटल तक उपज प्राति हे. प्राप्त होती है।

सब्जियों में फसल चक्र अपनाएं

> **बेल वाली सब्जियों को मुख्यत: 'क्युकर बिटेसी' यानी खीरा जाति की सब्जियों में रखा जाता है। इस वर्ग की सब्जियों में बीज कड़े होते हैं और उनके अंकुरण में काफी समय लगता है। इसीलिए बेल वाली सब्जियों की अगेती फसल लेने के लिये सब्जी उत्पादक प्लास्टिक की थैलियों में खाद युक्त मिट्टी भरकर उसमें बीज बोते हैं और जब पौधा 20 से 25 दिन का हो जाता है तो उसे खेत में लगा देते हैं।**

खीरा और लौकी

अनुकूल तापक्रम 18.5 डिग्री सेल्सियस से 24 डिग्री सेल्सियस है। न्यूनतम 15.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 29.5 डिग्री सेल्सियस तापक्रम पर इसकी फसल अच्छी पाई गई है। पकने की अवस्था पर न्यून तापक्रम का अच्छा प्रभाव पड़ता है और अधिक नम मौसम में पत्तियों के रोग की संभावना अधिक होती है। अधिक तापक्रम और लंबे दिन में नर फूल ज्यादा आते हैं और मादा फूलों की संख्या कम होने के कारण उपज कम मिलती है। यदि भूमि का तापक्रम 10 डिग्री सेल्सियस हो तो बीज का अंकुरण नहीं होता।

लौकी के लिये नम और गर्म जलवायु उत्तम रहती है। मध्यम जलवायु में इस फसल को वर्ष भर उगाया जा सकता है। भारी वर्षा और बदली वाला मौसम व्याधि और कीड़ों के प्रकोप को बढ़ा देते हैं। लम्बे मौसम की फसल होने के कारण फरवरी में बोई गई फसल बरसात के मौसम तक चलती रहती है। अधिक गर्मी से इस फसल पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

करेला, घिया व आरा तोरी

इन फसलों के लिये जलवायु लौकी के समान रहती हैं। ये फसलें शीतकालीन मौसम कुछ अधिक बरदाश्त कर लेती हैं किंतु अधिक गर्मी में फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

काशीफल 80 से 120 दिन की फसल है। फूल 60 से 80 दिन में आते हैं और फल पकने में 60 दिन लग जाते हैं। कद्दू या पीला कोहडा के लिये 18.5 डिग्री से 24 डिग्री सेल्सियस तापक्रम उपयुक्त है। और इस तापक्रम में फल अच्छे लगते हैं। इन सब्जियों के लिये न्यूनतम तापक्रम 15.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 29.5 डिग्री सेल्सियस सर्वोत्तम माना गया है।

टिन्डा

इसके लिये अनुकूल तापक्रम 24 डिग्री सेल्सियस से 26.5 डिग्री सेल्सियस है। फसल न्यूनतम 18.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापक्रम 35 डिग्री सेल्सियस पर होती है। मौसम में नमी अगर अधिक हो तो पत्तियों में रोग की संभावना रहती है और फल उच्चकोटि के नहीं मिल पाते। बीज अंकुरण के लिये 21 डिग्री सेल्सियस से 29.5 डिग्री सेल्सियस का अनुकूल तापक्रम माना गया है। टिंडे को गर्म मौसम की आवश्यकता होती है।

ककड़ी

इसके लिये गर्म मौसम की जरूरत पड़ती है। तापक्रम 21 डिग्री सेल्सियस से 26.5 डिग्री सेल्सियस पर्याप्त है, पर 32 डिग्री सेल्सियस तापक्रम में भी फसल उगाई जा सकती है। अन्य बेल वाली सब्जियों में परबल के लिये अधिक गर्म व नमी तथा वर्षा वाले क्षेत्र सर्वोत्तम होते हैं। इसीलिए परबल की बेलों को पान के बरेजों में सफलतापूर्वक बढ़ने का मौका मिलता है। चिचिड़ा भी गर्म मौसम की बेल वाली सब्जी है। इसे कम तापमान पर पहाड़ों पर भी उगाया जा सकता है। बिहार और बंगाल के इलाकों में जहां पाले से क्षति होने की संभावना कम होती है। चिचिड़ा को अक्टूबर से नवम्बर तक भी लगाया जा सकता है।

उपयुक्त फसल चक्र

उत्तरी भारत में मौसम की अनुकूलता के अनुसार ग्रीष्मकाल में एक वर्षीय फसल चक्रों में बेलवाली सब्जियों को सफलता पूर्वक शामिल किया जा सकता है। ये निम्न प्रकार है-

(क) मूली (जुलाई-अगस्त) - मटर (अक्टूबर-मार्च) करेला (मार्च-जून).

(ख) अदरक (जून-अक्टूबर)- पालक/ मैथी/ धनिया/ सौआ/ सौंफ (अक्टूबर से जनवरी) खीरा जाति की सब्जियाँ (फरवरी-जून.

(ग) बैंगन (अगस्त-मार्च),- टिन्डा (मार्च-अगस्त)

(च) लोबिया (जुलाई-नवम्बर)- करेला (जनवरी-जून)

(छ) खीरा (जुलाई-सितम्बर) फूलगोभी (अक्टूबर-जनवरी)-कद्दू या काशी फल (फरवरी-जुलाई).

(झ) भिंडी (जुलाई-अक्टूबर)-फरासबीन (अक्टूबर-फरवरी)-टिन्डा (मार्च-जून)

(य) देसी गाजर (अगस्त-दिसम्बर)-लौकी (जनवरी-जुलाई)

(र) शलजम (सितम्बर-जनवरी) - पालक (फरवरी-अप्रैल)- खीरा (अप्रैल-जुलाई)

(ल) टिन्डा (जून-अगस्त)- गांठ गोभी (अक्टूबर-फरवरी) पालक (फरवरी-अप्रैल)- तोरई (अप्रैल-जून)

3 दिन, 3 रिकॉर्ड... इस हफ्ते सोना लगातार नई ऊंचाई पर पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते सोने ने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। यह पीली धातु लगातार ऊंची छलांग लगा रही है। इस हफ्ते सिर्फ तीन दिनों में ही इसने तीन रिकॉर्ड बना दिए हैं। दरअसल, इस हफ्ते मार्केट तीन दिन ही खुली है। सोमवार 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती की वजह से मार्केट बंद थी। इसके बाद मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ही मार्केट खुली। शुक्रवार को गुड फ्राइडे की वजह से मार्केट फिर बंद रही।

बात अगर तीन दिन की करें तो इन तीन दिनों में भी सोने में तेजी ही आई है। मंगलवार, बुधवार और गुरुवार, तीनों दिन सोने ने तेजी का रिकॉर्ड बनाया है। इस समय सोने का भाव अपने उच्चतम स्तर पर है। गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने का भाव 50 रुपये बढ़कर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इन तीन दिनों में सोने की कीमत में 1.84 फीसदी की तेजी आई है।

अभी क्या है सोने की कीमत?- सोने की कीमत अभी नए रिकॉर्ड पर पहुंची है। पिछले कुछ समय से सोने की कीमत में लगातार उछाल आ रहा है। स्थिति यह है कि सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 98 हजार रुपये के स्तर को पार कर गई है। गुरुवार को सोने की कीमत बढ़कर 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गई थी।

तीन दिन में कैसे बने 3 रिकॉर्ड?- इस हफ्ते सिर्फ तीन दिन ही बाजार खुला हुआ था। इन तीन दिनों में मार्केट में सोने में लगातार तेजी रही। मंगलवार को सोना 50 रुपये बढ़कर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। चांदी भी 2,500 रुपये बढ़कर 97,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। सोने की कीमतों में यह उछाल डॉलर के कमजोर होने और अमेरिकी ट्रेड पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता के कारण आया।

वहीं अगले दिन यानी 16 अप्रैल को सोने की कीमत में बंपर उछाल आया। सोना 1,650 रुपये बढ़कर 98,100 रुपये के नए शिखर पर पहुंच गया था। सोने की कीमतों में 11 अप्रैल के बाद यह सबसे अधिक एक दिन की तेजी थी। तब स्थानीय बाजारों में सोने की हाजिर कीमतों में 6,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 1,650 रुपये उछलकर 97,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया था, जबकि पिछले दिन इसका भाव 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

17 अप्रैल को सोने की कीमत में फिर से तेजी आई। इस दिन सोना 70 रुपये की बढ़त के साथ 98,170 रुपये के नए शिखर पर पहुंच गया। वहीं 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 70 रुपये बढ़कर 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। ऐसे में देखा जाए तो इन तीन दिनों ने लगातार तीन दिन नया रिकॉर्ड बनाया और 1.84 फीसदी की तेजी आई।

1. ट्रंप के टैरिफ

यह वैश्विक अनिश्चितता का सबसे बड़ा कारण है। ट्रंप के टैरिफ का मतलब है कि उन्होंने दूसरे देशों से आने वाले सामान पर टैक्स बढ़ा दिया है। हाल ही में उन्होंने खनिजों के आयात पर जांच करने का आदेश दिया। इससे बुधवार को बाजार में और भी ज्यादा डर फैल गया।

2. डॉलर इंडेक्स

डॉलर की चाल का असर सोने पर उल्टा होता है। जब डॉलर मजबूत होता है तो सोने की कीमतें गिरती हैं। जब डॉलर कमजोर होता है, तो सोने की कीमतें बढ़ती हैं। निवेशक अपनी पूंजी को सुरक्षित रखने के लिए डॉलर को खरीदना चाहते हैं। लेकिन ट्रंप की टैरिफ युद्ध की वजह से देश सोने की तरफ जा रहे हैं।

3. सेंट्रल बैंक की खरीदारी

जानकारों का मानना है कि सेंट्रल बैंक सोने की खरीदारी करते रहेंगे। श्वञ्जस्न में भी खूब पैसा आएगा। इससे सोने का आकर्षण बना रहेगा।

4. फेड रेट कट

जानकारों के मुताबिक बाजार को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व मंदी को रोकने के लिए ब्याज दरों में कटौती करेगा। फेडरल रिजर्व अमेरिका का सेंट्रल बैंक है। सोना एक गैर-ब्याज वाली संपत्ति है। ब्याज दरें कम होने से सोने को फायदा होता है।

यह सम्मान की बात, इस साल भारत यात्रा के लिए उत्सुक

नईदिल्ली, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को बताया कि वे साल के अंत तक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। एलन मस्क ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत के बाद यह टिप्पणी की। इस बातचीत के दौरान मस्क और मोदी ने प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

उस बैठक के दौरान मोदी और मस्क ने एआई, अंतरिक्ष अन्वेषण (स्पेस एक्सप्लोरेशन), नवाचार और सतत विकास के साथ अन्य क्षेत्रों में भारतीय और अमेरिकी संस्थाओं के सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

अमेरिका में फरवरी में हुई बैठक के बाद पीएम मोदी ने पोस्ट किया था कि एलन मस्क और उनके परिवार के साथ मिलकर खुशी हुई। इस मुलाकात में हमने अलग-अलग विषयों पर बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन को भारत में आगे बढ़ाने की बात की।

आईसीआईसीआई बैंक को हुआ 12629 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने तिमाही नतीजों का ऐलान किया है। बैंक के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिग्गज प्राइवेट बैंक का नेट प्रॉफिट मार्च तिमाही के दौरान 12629.58 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी मार्च तिमाही में 10,707.53 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। आईसीआईसीआई बैंक ने तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड का भी ऐलान किया है। बता दें, प्राइवेट बैंक की बोर्ड मीटिंग 19 अप्रैल को थी।

आईसीआईसीआई बैंक के एनआईआई में इजाफा- इस प्राइवेट बैंक के नेट इंटरेस्ट इनकम में 11.80 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली थी। चौथी तिमाही में एनआईआई 42,430.80 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कंपनी का एनआईआई 37,948.36 करोड़ रुपये रहा है।

आईसीआईसीआई बैंक ने मार्च तिमाही के साथ डिविडेंड का भी ऐलान किया है। बैंक ने कहा है कि 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 11 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। आईसीआईसीआई बैंक की तरफ से डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान एनुअल जनरल मीटिंग में किया जाएगा।

आईटीसी ने इस कंपनी पर बढ़ाया दांव, अब शेयर पर रहेगी नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। रोजमर्रा की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली लीडिंग एफएमसीजी कंपनी आईटीसी लिमिटेड ने शिशु देखभाल ब्रांड मदर स्पर्श में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। कंपनी ने अपना निवेश 26.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 49.3 प्रतिशत कर रही है। इसके लिए आईटीसी ने लगभग 81 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है।

इस रणनीतिक निवेश के साथ आईटीसी का मदर स्पर्श में कुल निवेश बढ़कर करीब 126 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी ने यह भी संकेत दिया कि आगामी 2 से 3 वर्षों में पूर्व निर्धारित मूल्यांकन और शर्तों के आधार पर शेष हिस्सेदारी भी अधिग्रहित करने की योजना बना रही है। यह अधिग्रहण आईटीसी की आईटीसी नेक्स्ट रणनीति के अनुरूप है, जो भविष्योन्मुख उत्पाद इनोवेशन, ब्रांड विस्तार और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने पर केंद्रित है।

24 मंत्रा ऑर्गेनिक ब्रांड का अधिग्रहण- इससे पहले गुरुवार को आईटीसी ने कहा कि वह 24 मंत्रा ऑर्गेनिक ब्रांड के तहत जैविक पैकेज्ड खाद्य उत्पादों के निर्माण और बिक्री में लगी श्रेष्ठा नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स का लगभग 472.50 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने श्रेष्ठा नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एसएनबीपीएल) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एसएनबीपीएल के पोर्टफोलियो में 100 से अधिक जैविक उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

बदलती वैश्विक स्थिति के बीच नीतिगत कार्रवाई में आरबीआई सक्रिय, गवर्नर मल्होत्रा की टिप्पणी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडोनेशिया के बाली में 24वें एफआईएमएमडीए-पीडीएआई के वार्षिक सम्मेलन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बोलते हुए कहा कि, पिछला साल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजारों के लिए चुनौतिपूर्ण भरा रहा, वहीं वर्तमान में भी व्यापार युद्ध के कारण अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। आरबीआई गवर्नर ने उच्च मुद्रास्फीति के खिलाफ उनकी लड़ाई को अंतिम चरण में पहुंचाने और अनिश्चितता के माहौल में नए रास्ते बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता भरे माहौल में भी भारतीय वित्तीय बाजार स्थिर रहे हैं और सभी खंड ने बेहतर प्रदर्शन किया है। यह सम्मेलन में भारतीय वित्तीय बाजार - बदलते परिवेश में मार्गदर्शन पर रहा जहां मौजूदा समय में वित्तीय बाजारों के प्रदर्शन पर चर्चा की गई।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा वित्तीय बाजारों ने उल्लेखनी प्रदर्शन किया है, जबकि वे अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक वातावरण की अनिश्चितताओं से अछूते नहीं हैं। जैसा कि हमने हाल ही में मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद अपने बयान में उल्लेख किया है, हमारे घरेलू विकास मुद्रास्फीति संतुलन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जिसकी वजह से वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप बने रहने का अनुमान है। वैश्विक अनिश्चितताएं और मौसम संबंधी गड़बड़ी, हालांकि मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण के लिए जोखिम पैदा करती हैं। भले ही हमने वित्त वर्ष 2026 के लिए 6.5 प्रतिशत पर कुछ कम वास्तिवक जीडीपी विकास का अनुमान लगाया है, भारत अभी भी सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। बावजूद इसके हमारी आकांक्षा से बहुत कम है। हमने दो बार रेपो दरों में कमी की है और बाजार में पर्याप्त तरलता भी प्रदान की है। मल्होत्रा ने कहा कि तेजी से विकसित हो रही स्थिति को देखते हुए, विशेष रूप से वैश्विक मोर्चे पर (टैरिफ व्यापार युद्ध) पर हम आर्थिक दृष्टिकोण की लगातार निगरानी और आकलन कर रहे हैं। हम हमेशा की तरह नीतिगत मोर्चे पर अपने काम को करते रहेंगे।

भारतीय वित्तीय बाजार पर बोलते हुए उन्होंने कहा, भारतीय वित्तीय बाजार विदेशी मुद्रा (फएक्स) सरकारी प्रतिभूति (जी-सेक), मनी मार्केट सहित सभी बाजार खंड काफी हद तक स्थिर रहे हैं। जबकि कुछ महीने पहले डॉलर के मुकाबले रुपया थोड़ा दबाव में आया था, उसके बाद इसने बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा इक्विटी बाजारों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ, क्योंकि पूंजी की बहिर्वास में तेजी आई, जो कि अधिकांश उभरते बाजारों में देखा गया। हालांकि सरकारी प्रतिभूति बाजारा पूरे साल स्थिर रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों की सकल बाजार उधारी जो वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 24.7 लाख करोड़ रुपये थी, जो आसानी से चुका दी गई है। केंद्र सरकार के लिए उधार लेने की लागत वित्त वर्ष 2024 में 7.24 प्रतिशत से 28 आधार अंकों की कमी के साथ वित्त वर्ष 25 में 6.96 प्रतिशत हो गई। जी सेक में द्वितीयक बाजार काफी गहरा और सक्रिस बना रहा, जिसे आंशिक रूप से वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में भारत के शामिल होने से काफी मदद मिली है।

मल्होत्रा ने कहा इन सबके बीच भारत एक परिवर्तन और संभावनाओं की दहलीज पर खड़ा है, जहां कई तरह के बदलावों और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, बावजूद इसके यह अवसरों से भरा हुआ है। हमारे पास बड़ी आबादी और कुशल जनशक्ति और समाज को बदलने के लिए प्रौद्योगिकी का विकास और इसका उपयोग करके अपनी क्षमताओं का विकास करेंगे।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता 23 अप्रैल से, सूत्रों ने बताया- 19 अध्यायों पर होगी चर्चा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के अधिकारी प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए 23 अप्रैल से वाशिंगटन में तीन दिवसीय वार्ता करेंगे। इस बातचीत में टैरिफ, गैर-टैरिफ बाधाओं और सीमा शुल्क सुविधा से जुड़े 19 अध्यायों पर चर्चा होगी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

भारतीय अधिकारियों का दल अमेरिका में आधिकारिक दल 90-दिवसीय टैरिफ विराम अवधि में वार्ता को और गति देने और द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करेगी। इससे पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए इन ज्ञश्चह्र्य पर मंथन होगा।

भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच पहली आमने-सामने की वार्ता के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगला वाणिज्य सचिव नियुक्त किया गया था। वे 1 अक्तूबर से पदभार ग्रहण करेंगे। अधिकारी ने कहा, दोनों पक्ष महत्वाकांक्षा के स्तर पर चर्चा करेंगे। कार्य-दर-नियमों को आगे विकसित किया जाएगा और उन पर चर्चा की जाएगी। वार्ता का मार्ग क्या होगा? कार्य-दर-नियमों में टैरिफ, गैर-टैरिफ बाधाएं, उत्पत्ति के नियम, माल, सेवाएं, सीमा शुल्क सुविधा तथा विनियामक मुद्दे जैसे मुद्दे शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि समझौते की सामान्य रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी, साथ ही समय-सारिणी पर भी चर्चा की जाएगी, ताकि 90 दिनों में चीजों को अंतिम रूप दिया जा सके।

इससे पहले, दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच भारतीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण व्यापार चर्चा के लिए 25 से 29 मार्च तक भारत में थे। दोनों पक्ष वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से 9 अप्रैल को घोषित 90-दिवसीय टैरिफ विराम का फायदा उठाने इच्छुक हैं। 15 अप्रैल को वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा था कि भारत अमेरिका के साथ यथाशीघ्र वार्ता समाप्त करने की कोशिश करेगा।

भारत और अमेरिका मार्च से ही द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने इस साल की सितंबर-अक्तूबर तक समझौते के पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से भी अधिक बढ़ाकर 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर करना है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 191 अरब डॉलर है।

जस्ट डायल के प्रॉफिट में 61 प्रतिशत उछाल, मुकेश अंबानी के पास हैं 5 करोड़ से ज्यादा शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकल सर्च इंजन जस्ट डायल ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की आखिरी तिमाही में जस्ट डायल का नेट प्रॉफिट 61 प्रतिशत बढ़कर 584.2 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले इसी तिमाही में जस्ट डायल का मुनाफा 157.6 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उसकी आमदनी 9.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,141.9 करोड़ रुपये रही थी। मार्च तिमाही में कंपनी की आमदनी सात प्रतिशत वृद्धि के साथ 289.2 करोड़ रुपये रही थी। चौथी तिमाही में प्लेटफॉर्म पर विजिटर्स की संख्या 11.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 19.13 करोड़ तक पहुंच गई।

क्या कहा कंपनी के अधिकारी ने- जस्ट डायल के सीईओ यानी मुख्य विकास अधिकारी श्वेतांक दीक्षित ने कहा कि जैसे-जैसे हम वित्त वर्ष 26 में प्रवेश कर रहे हैं। यूजर्स, मर्चेंट्स और शेयरहोल्डर्स के मामले में मजबूत हुए हैं। इस मामले में हमारा विश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत है। वित्त वर्ष 25 जस्ट डायल के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है।

भारत को जल्द मिल सकती है खुशखबरी ! जर्मनी की हालत खस्ता, 35 प्रतिशत कंपनिया छंटनी की तैयारी में

नईदिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग का कहना है कि भारत अगले तीन साल में जापान और जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बन सकता है। भारत अभी अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है। लेकिन भारत जल्दी ही इस मुकाम पर पहुंच सकता है। इसकी वजह यह है कि जापान और जर्मनी की इकॉनमी अभी संघर्ष कर रही हैं जबकि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। बैंक ऑफ जापान ने चेतावनी दी है कि अमेरिका में टैरिफ पर अनिश्चितता से देश की इकॉनमी बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। जापान की जीडीपी में एक्सपोर्ट का बहुत बड़ा योगदान है। अमेरिका को एक्सपोर्ट होने वाली अधिकांश गाड़ियां जापान में ही बनती हैं।

इसी तरह जर्मनी की इकॉनमी भी संघर्ष कर रही है। एक सर्वे के मुताबिक यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी में 35 फीसदी कंपनियों ने इस साल छंटनी को योजना बनाई है। जर्मनी की इकॉनमी भी काफी हद तक एक्सपोर्ट पर निर्भर है लेकिन अब वहां की सरकार देश में खपत बढ़ाने पर जोर दे रही है। देश में 2023 से ही घरेलू खपत ठहरी हुई है।

अभी कितनी है दूरी

आईएमएफ के ताजा अनुमानों के अनुसार भारत की रियल जीडीपी 4.3 ट्रिलियन डॉलर की है जो जापान (4.4 ट्रिलियन डॉलर) और जर्मनी (4.9 ट्रिलियन डॉलर) से कुछ ही कम है। नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम का कहना है कि विकसित भारत का सपना पूरा होने के साथ ही देश 2047 में 30 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में पहचाना जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत अगले वर्ष के अंत तक पांचवीं से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और इसके बाद देश अपने विकास की गति को तेज करते हुए तीसरा और दूसरा स्थान भी पा लेगा।

गरीबी कम होने के बावजूद 80 करोड़ लोग ले रहे हैं मुफ्त का राशन

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मुफ्त अनाज सिर्फ गरीबों को मिलना चाहिए। समृद्ध लोगों को इसका फायदा नहीं पहुंचना चाहिए। सरकार कहती है कि देश में गरीबी बहुत कम हो गई है। लेकिन सरकार यह भी कहती है कि वह 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त अनाज दे रही है। यह देश की आबादी का 57.5 प्रतिशत है। गरीबी कम होने के बाद भी यह आंकड़ा कम नहीं होता। क्या यह विरोधाभास नहीं है?

यहां पर दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात है टाइप ए त्रुटियां। इसका मतलब है कि सब्सिडी का लाभ उन लोगों तक भी पहुंच रहा है जो गरीब नहीं है। दूसरी बात है टाइप क्क त्रुटियां। इसका मतलब है कि सरकार हर गरीब तक पहुंचने में विफल हो रही है। नेता टाइप क्क त्रुटियों को रोकना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि योजनाएं सभी जरूरतमंदों तक पहुंचें। इससे उन्हें ज्यादा वोट मिल सकते हैं। लेकिन वे टाइप॰ त्रुटियों को नहीं रोकना चाहते। दरअसल, लोकतंत्र में एक अजीब राजनीतिक प्रोत्साहन है। नेता चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिले। इससे उन्हें ज्यादा वोट मिलेंगे। सुप्रीम कोर्ट पूछता है, क्या राशन कार्ड लोकप्रियता कार्ड बन रहे हैं? जवाब है- वे हमेशा से लोकप्रियता कार्ड रहे हैं। इसमें कुछ भी नया नहीं है।

डिलीवरी कैपिसिटी में सुधार- टाइप ए त्रुटियों को रोकना और टाइप क्क त्रुटियों को प्रोत्साहित करना, दोनों ही बातें तार्किक रूप से सही हैं। दोनों का मकसद लाभार्थियों की संख्या बढ़ाना है। एक का मकसद सभी वंचितों तक पहुंचना है। दूसरे का मकसद सभी गैर-जरूरतमंदों तक पहुंचना है। टाइप क्क त्रुटियों को सिर्फ अखबारों के संपादकों, अर्थशास्त्रियों और कभी-कभी जजों द्वारा ही गलत माना जाता है। नेताओं या मतदाताओं को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने एक बार कहा था कि गरीबी दूर करने के कार्यक्रमों में सिर्फ 15 प्रतिशत पैसा गरीबों तक पहुंचता है। बाकी पैसा लाल फीताशाही, भ्रष्टाचार और गलत लक्ष्य निर्धारण में बर्बाद हो जाता है। लेकिन तब से सरकारों की काम करने की क्षमता में काफी सुधार हुआ है। डिजिटलीकरण, जन धन योजना, आधार डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, फर्जी राशन कार्डों को खत्म करने और भ्रष्टाचार में कमी आई है। अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज ने डिजिटल त्रुटियों को उजागर किया है। लेकिन कुल मिलाकर त्रुटियां पहले से कम हैं। कोविड के दौरान, सरकार ने गरीबों को मुफ्त राशन अच्छी तरह से पहुंचाया। मतदाताओं ने भाजपा को उत्तर प्रदेश के चुनावों में शानदार जीत दिलाई।

गरीबी और राजनीति- सरकार की डिलीवरी कैपेसिटी में सुधार के बावजूद मुफ्त राशन का लक्ष्य निर्धारण क्यों नहीं सुधरता? इसका कारण है लोकतांत्रिक राजनीति। जब ज्यादातर लोग गरीबी रेखा से नीचे थे, तो गरीबी दूर करने के कार्यक्रम ज्यादातर मतदाताओं को लक्षित थे। लेकिन जब गरीबों की संख्या में कमी आई है (कम से कम सरकारी आंकड़ों के अनुसार), तो राजनीति पूरी तरह से बदल गई। लाभों को एक छोटे वर्ग तक सीमित करने का मतलब था लाखों लोगों से सस्ता भोजन का अधिकार छीनना। कोई भी नेता आपको बताएगा कि यह राजनीतिक आत्महत्या है। इसलिए, भले ही गरीबी करोड़ों लोगों तक कम हो जाए, लेकिन कोई भी राजनीतिक पार्टी करोड़ों लोगों से हक छीनने की हिम्मत नहीं करती है।

अमेरिका में रोनाल्ड रीगन गरीबी की रानियों को मिलने वाले लाभों की आलोचना करके लोकप्रिय हुए। उन्होंने कहा कि ये लोग काम कर सकते हैं और कमा सकते हैं, लेकिन सब्सिडी पर जीना पसंद करते हैं। रीगन ने इसे करदाताओं के पैसे की बर्बादी बताया। उनकी इस बात का लेबर क्लास के एक बड़े वर्ग ने समर्थन किया।

इनकम टैक्स

भारत में राजनीति इतनी अलग क्यों है? क्योंकि मध्यम वर्ग को लुभाने के लिए इनकम टैक्स में छूट की सीमा को एक लाख रुपये प्रति माह तक बढ़ा दिया गया है। अब सिर्फ सबसे अमीर लोग ही इनकम टैक्स देते हैं। यह आबादी का सिर्फ 4 प्रतिशत है। लोकतंत्र की सफलता मतदाताओं और चुने हुए शासकों के बीच एक सामाजिक अनुबंध पर निर्भर करती है। लोग सरकार को टैक्स लगाने की शक्ति देते हैं। बदले में, उन्हें अच्छी सार्वजनिक और सामाजिक सेवाएं मिलती हैं। जो मतदाता अपने टैक्स के पैसे के इस्तेमाल से असंतुष्ट हैं, वे गलत सरकारों को वोट देकर हटा देते हैं। इस तरह टैक्स के पैसे का दुरुपयोग रोका जाता है।

भारत में ऐसा नहीं होता क्योंकि सिर्फ 4 प्रतिशत लोग ही इनकम टैक्स देते हैं। कई लोग टैक्स रिटर्न फाइल करते हैं, लेकिन टैक्स नहीं देते। ज्यादातर मतदाताओं को टैक्स के पैसे के दुरुपयोग से कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वे इनकम टैक्स नहीं देते हैं। उनके टैक्स के पैसे का दुरुपयोग नहीं हो रहा है। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि अमीरों के टैक्स के पैसे का इस्तेमाल वोट बैंक बनाने के लिए किया जा रहा है। ज्यादातर मतदाता मुफ्त चीजों का दायरा बढ़ाना चाहते हैं, न कि टैक्स का दायरा। क्या यह लोकतांत्रिक राजनीति का एक सही नतीजा है? शायद ठीक है, लेकिन निश्चित रूप से बहुत अच्छा नहीं है।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 20-04-2025 22:15 Page 1

भाजपा सांसद की विवादित टिप्पणी पर भड़के झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता

ओवैसी ने भी की आलोचना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। सुप्रीम कोर्ट पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की विवादित टिप्पणी की आलोचना करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि देश में तानाशाही इस स्तर पर पहुंच गई है कि अब सांसद अदालतों को चुनौती दे रहे हैं।

झामुमो प्रवक्ता ने न्यायपालिका से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की साथ ही अदालत पर उनकी टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

मनोज पांडे ने कहा कि देश में तानाशाही इस स्तर पर पहुंच गई है कि अब सांसद अदालत को चुनौती दे रहे हैं। क्या ये लोग न्यायाधीशों से ज्यादा विद्वान हैं? क्या वे बहुमत मिलने पर कुछ भी करेंगे और क्या अदालतें चुप रहेंगी?

जब अदालतें उनके पक्ष में फैसला देती हैं तो वे कहते हैं कि न्यायपालिका लोकतंत्र का तीसरा स्तंभ है। उन्होंने कहा कि अदालत को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी निशिकांत दुबे की टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के सदस्य कट्टरपंथी हो गए हैं और अब न्यायपालिका को धमका रहे हैं। ओवैसी ने कहा कि आप लोग (भाजपा) ट्यूबलाइट हैं...इस तरह से अदालत को धमका रहे हैं।

क्या आपको पता भी है कि अनुच्छेद 142 क्या है? इसे बीआर अंबेडकर ने बनाया था। उन्होंने संविधान के उस प्रावधान का हवाला दिया, जो सुप्रीम कोर्ट को किसी भी मामले में पूर्ण न्याय देने का अधिकार देता है।

दरअसल, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट 'धार्मिक युद्धों को भड़का रहा है' और सुप्रीम कोर्ट के अधिकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट को कानून बनाना है तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत का एक ही उद्देश्य है 'मुझे चेहरा दिखाओ और मैं तुम्हें कानून दिखाऊंगा'। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से परे जा रहा है।

अगर किसी को हर चीज के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना है तो संसद और राज्य विधानसभा को बंद कर देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होने पिछले अदालती फैसलों का हवाला देते हुए समलैंगिकता और धार्मिक विवादों को अपराधमुक्त करने जैसे मुद्दों से निपटने के लिए न्यायपालिका की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 377 के तहत समलैंगिकता को बहुत बड़ा अपराध माना गया था। ट्रंप प्रशासन ने

दूबे के खिलाफ कार्रवाई की मांग

कहा है कि इस दुनिया में केवल दो लिंग हैं, या तो पुरुष या महिला...चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, बौद्ध हो, जैन हो या सिख हो, सभी मानते हैं कि समलैंगिकता एक अपराध है।

एक सुबह, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें इस मामले को खत्म कर देना चाहिए...अनुच्छेद 141 कहता है कि हम जो कानून बनाते हैं, जो फैसले देते हैं, वे निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लागू होते हैं। अनुच्छेद 368 कहता है कि संसद के पास सभी कानून बनाने का अधिकार है और सुप्रीम कोर्ट के पास कानून की व्याख्या करने की शक्ति है।

शीर्ष अदालत राष्ट्रपति और राज्यपाल से पूछ रही है कि वे बताएं कि उन्हें विधेयकों के संबंध में क्या करना है। जब राम मंदिर, कृष्ण जन्मभूमि या ज्ञानवापी का मुद्दा उठता है, तो आप (सुप्रीम कोर्ट) कहते हैं, 'हमें कागज दिखाओ'। मुगलों के आने के बाद जो मस्जिद बनी है उनके लिए कह रहे हो पेपर कहां से दिखाओ।

दुबे ने आगे आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट इस देश को 'अराजकता' की ओर ले जाना चाहता है। उन्होंने कहा कि आप नियुक्ति प्राधिकारी को कैसे निर्देश दे सकते हैं? राष्ट्रपति भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं। संसद इस देश का कानून बनाती है। आप उस संसद को निर्देश देंगे?

आपने नया कानून कैसे बनाया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना है? इसका मतलब है कि आप इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहते हैं। जब संसद बैठेगी तो इस पर विस्तृत चर्चा होगी।

एयर शो के अंतिम दिन हवाई करतब से रोमांचित हुए लोग

शो का आयोजन 22 तथा 23 अप्रैल को पटना में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची के नामकुम स्थित खोजाटोली आर्मी ग्राउंड में देश की शान सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने दूसरे दिन आसमान में करतब दिखाया। आसमान में पांच मीटर से भी कम दूरी रखते हुए पायलट ने अलग-अलग कलाकृतियां बनाईं और लोगों में जोश भर दिया। इसके साथ ही सभी को देश की ताकत का एहसास कराया। वायुसेना ने अद्भुत शौर्य, तकनीक और अनुशासन का परिचय दिया।

एयर शो में 9 हाक जेट विमान ने आसमान को चीरते हुए हैरतअंगेज हवाई करतब दिखाकर लोगों को रोमांचित किया। रांचीवासियों के लिए यह नजारा न सिर्फ गौरव का विषय था बल्कि रोमांच और गर्व से भर देने वाला पल भी रहा। शो में सूर्य किरण टीम के अनुभवी पायलट वायुसेना की क्षमता, तकनीक और जज्बे का प्रदर्शन किया। मालूम हो कि राजधानी रांची में रविवार को एयर शो का दूसरा और आखिरी दिन रहा। इसके बाद अब अगला और शो 22- 23 अप्रैल को पटना में आयोजित होगा। आर्मी ग्राउंड में सूर्यकिरण एयरोबेटिक्स टीम ने एयर शो कर वायुसेना के पायलटों ने हाक विमानों से एक घंटे तक आसमान में करतब दिखाए। इससे लोग रोमांचित हो उठे।

विमानों के आसमान में तिरंगा बनाते ही वहां मौजूद लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। ग्राउंड में मौजूद लोग एयर शो देखने के लिए लगातार आसमान में टकटकी लगाए हुए थे। बच्चा हो या बुजुर्ग सभी शो देखने के लिए पहुंचे सभी लोगों में गजब का उत्साह दिखा। इस मौके पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने वायुसेना के शौर्य साहस की प्रशंसा की और इस तरह का आयोजन से लोगों में देशभक्ति के बढ़ाने की उम्मीद जताई। एयर शो में भारतीय वासुसेना की सूर्य किरण टीम का विमान जैसे ही आसमान में दिखा, हाथ हिलाते हुए सभी ने अभिवादन करना शुरू कर दिया।

निरसा में बनेगा औद्योगिक क्षेत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

निरसा। निरसा के विधायक अरूप चटर्जी ने गलफरबाड़ी क्षेत्र को इंडस्ट्रीयल हब बनाने बनाने की तैयारी शुरू कर दी है।

उन्होंने शनिवार को एग्यारकुंड प्रखंड कार्यालय में सीओ कृष्ण कुमार मरांडी से मिलकर इस योजना को कैसे धरातल पर उतारा जाए इस पर विस्तार से चर्चा की।

विधायक ने बताया कि गलफरबाड़ी क्षेत्र को इंडस्ट्रीयल हब बनाने के लिए प्रारंभिक सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। सीओ को फिर से गलफरबाड़ी क्षेत्र की जमीन का मूल्यांकन कर सूची सौंपने को कहा गया है।

इसके बाद औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जियाडा) को जमीन का पूरा विवरण भेजकर इंडस्ट्रीयल हब बनाने की पहल शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना को लेकर वे काफी गंभीर हैं।

इसके बन जाने से निरसा क्षेत्र के हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। यहां के बेरोजगारों को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। झारखंड में निरसा विधानसभा क्षेत्र विकास का सबसे बड़ा केंद्र बनेगा।

- प्रारंभिक सर्वे का काम हुआ पूरा
- धरातल पर उतारने को ले हुई चर्चा

विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि निरसा विधानसभा क्षेत्र के 60 स्कूलों में बाउंड्रीवाल व भवन की कमी है। डीएफटी फंड से इसका निर्माण कराया जाएगा। साथ ही स्कूलों बेंच-डेस्क की कमी को भी दूर किया जाएगा। तीन महीने के अंदर स्कूलों में भवन व चारदिवारी का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही निरसा विधानसभा क्षेत्र के सभी उच्च विद्यालयों में प्लस टू की पढ़ाई जल्द शुरू करा दी जाएगी।

इसके लिए शिक्षा विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह से मिलकर पत्र दे चुके हैं। पत्र के आलोक में डीओ को निर्देश दिया गया है कि निरसा विधानसभा क्षेत्र के सभी स्कूलों का सर्वे कर जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपे।

विद्यालय की चहारदीवारी निर्माण में गड़बड़झाला का आरोप

स्थानीय लोगों ने जताया विरोध, उपायुक्त से हस्तक्षेप की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। दक्षिणी टुण्डी के केशका पंचायत अंतर्गत करमाटांड गांव के उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय जो डी एम एफ टी फंड से निर्मित हो रहे चहारदिवारी निर्माण कार्य में काफी गड़बड़झाला ग्रामीणों ने पकड़ा है। बुनियाद की खुदाई नहीं कर सीधे सरिया बिछाई जा रही है। आज इसका भारी विरोध तब देखने को मिला जब पूरे गांव के ग्रामीण उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय के अध्यक्ष बबलू अंसारी के नेतृत्व में कार्य की गुणवत्ता की जांच की गई। निर्माण कार्य में गड़बड़झाला ग्रामीणों को दिखाई दिया।

आरोप लगाया जा रहा है कि सबसे पहले ईंट काफी कम दरों वाला लाया गया है तथा बालू भी मिट्टी रहित उपयोग किया जा रहा है। वर्तमान में चहारदिवारी निर्माण कार्य को तत्काल बंद करने की मांग जिला प्रशासन से किया गया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने

एक *नवबिहार टाइम्स संवाददाता* को बताया कि जब तक चहारदिवारी निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच नहीं किया जाता, हमलोग कड़ा विरोध करते रहेंगे। आक्रोशित लोगों ने कहा कि वैसे भी ग्रामीणों का दायित्व बनता है गुणवत्ता पूर्ण कार्य की देखभाल करना। सबसे आश्चर्यजनक बात है कि पिलरों की जगहों में बुनियाद काटा जा रहा है, बाकी हर जगह एक फिट की खुदाई कर कार्य को तेजी से संपन्न किया जा रहा है। लोगों ने कहा कि सबसे बड़ी भूल मुख्य मार्ग जहां से स्कूली बच्चे निकलते हैं वहां जस का तस छोड़ दिया गया है। वर्तमान में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष बबलू अंसारी के नेतृत्व में सभी ग्रामीण एकजुट होकर घटिया निर्माण कार्य का भारी विरोध करते हुए धनबाद उपायुक्त को हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपकर उच्च स्तरीय जांच की मांग करने का निर्णय लिया गया। मौके पर बबलू अंसारी, प्रभारी शिक्षक धर्मदेव साव, सलाउद्दीन अपने, अहमद अंसारी, सिद्धिक अंसारी, गुलमंजन अंसारी, इनायत अंसारी समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

जमीन विवाद में पोते ने ली जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटकमसांडी ।आपसी जमीनी विवाद को लेकर हुई खूनी संघर्ष में सेवा महतो नामक एक वृद्ध की बेरहमी से हत्या कर दी गई।

मामला शनिवार के शाम करीब सात बजे कटकमसांडी थाना क्षेत्र के होरिया गांव का है। इस मारपीट में दोनों पक्ष के पांच लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं।

घायलों में परमेश्वर प्रसाद मेहता, विमली देवी, प्रमोद प्रसाद मेहता, लालजी प्रसाद मेहता, मनोज प्रसाद मेहता व परमेश्वर प्रसाद की पत्नी का नाम बताया गया है, जिन्हें शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग में भर्ती कर इलाज कराया जा रहा है।

सूचना पाकर मौका-ए-वारदात पर पहुंची कटकमसांडी पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर रविवार को पोस्टमार्टम हेतु हजारीबाग भेज दिया है।

घटना के बाबत बताया गया कि मृतक सेवा महतो के तीन पुत्रों, क्रमशः विजय प्रसाद मेहता, मनोज प्रसाद मेहता और परमेश्वर प्रसाद मेहता में एक पुत्र विजय प्रसाद मेहता की मौत पूर्व मे ही कुआं में काम करने के दौरान मिट्टी धंसने से हो गई। विजय प्रसाद के दो पुत्र प्रमोद प्रसाद मेहता और राजेश प्रसाद मेहता है।

जबकि मनोज प्रसाद मेहता के पुत्रों में सुधीर प्रसाद मेहता और लालजी प्रसाद मेहता है। शनिवार के शाम को भाईयों और भतीजों में जमीनी बंटवारे मामले को लेकर विवाद उत्पन्न हो गई। देखते ही देखते गांव रणभूमि में बदल गया।

दोनों पक्षों में लाठी, कुल्हाड़ी और हरवे हथियार से शुरू हुई मारपीट को देख सेवा महतो और उनकी पत्नी विमली देवी पुत्रों और पौत्रों को बचाने-समझाने गए। मगर आक्रोशित पौत्र सुधीर प्रसाद मेहता ने दादा-दादी पर ही हमला कर उन्हें गंभीर रूप से जख्मी कर दिया और पिकअप वाहन चढ़ाकर दादा सेवा महतो का काम तमाम कर दिया।

जमीन विवाद में बैदा कला में चली गोली, आरोपित गिरफ्तार

पूर्व में भी कई आरोपों में भेजा गया है जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । पलामू जिले के पाटन प्रखंड के ग्राम बैदा काला में जमीन विवाद को लेकर गोली चलायी गई है। सूत्रों के अनुसार अपने खेत में गेहूं की फसल कट रहे विपक्षी बिरजू मेहता, दामोदर महतो व बलकेश महतो की पत्नी को देख नरेंद्र महतो अपने एक हाथ में तलवार व एक हाथ में देसी कट्टा लेकर आया। वह फसल नहीं काटने की चेतावनी दी। विपक्षी ने नरेंद्र की बात को अनसुना कर फसल को काटा जाने लगा। इससे क्रोधित होकर नरेंद्र महतो ने देशी कट्टे से फायर किया। इसे देख महिलाएं अपनी जान बचाकर भाग खड़ी हुई। इसकी सूचना पाटन थाना पुलिस को दी गई। पाटन थाना पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। नरेंद्र महतो को

घटनास्थल से ही गिरफ्तार किया। नरेंद्र महतो को पैकेट से दो खोखा व एक जिंदा कारतूस के साथ देसी कट्टा भी बरामद किया है ।

इधर जमीनी विवाद के दूसरे पक्ष का कहना है कि पिस्टल व बंदूक के दम पर नरेंद्र महतो उनकी सारी जमीन हथियाने चाहते हैं। नरेंद्र महतो पहले भी उनके परिवार पर हमला कर चुके हैं। खतना में उनके भाई को चाकू से हमलाकर जख्मी कर दिया था।इसका पाटन थाना में केस चल रहा है। इधर नरेंद्र महतो व उनके परिवार जनों का कहना है कि वे लोग निर्दोष हैं। फंसाया जा रहा है। इधर पाटन थाना प्रभारी सह प्रभारी इंस्पेक्टर लालजी ने बताया कि सूचना मिलते ही पाटन थाना पुलिस त्वरित कार्यवाई करते मौके पर पहुंची। आरोपी को दबोचा लिया है। आरोपी को न्यायीक हिरासत में भेजा जा रहा है। मौके पर एएसआई अमरेंद्र कुमार, एएसआई कृष्ण कुमार प्रजापति मौजूद थे।

सरायकेला खरसावां के उपायुक्त होंगे पीएम के हाथों सम्मानित

पूर्व में भी कई अवार्ड मिल चुके हैं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। केंद्र सरकार द्वारा बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया जाता है। इस बार झारखंड के सरायकेला खरसावां के उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला का चयन उनके उत्कृष्ट कार्यों के वजह से हुआ है। बता दे नई दिल्ली में आयोजित होना वाले सम्मान कार्य से पहली सरायकेला खरसावां का दौरा नीति आयोग की टीम द्वारा किया गया था। जहां उन्होंने पाया कि जिला के आकांक्षी प्रखंड गम्हरिया में योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया गया है। मापदंड के अनुसार सभी कार्य लगभग पूरे किए गए थे, जिस वजह से नीति आयोग की टीम उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला के काम से संतुष्ट नजर आए। 21 अप्रैल को उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों सम्मानित होंगे इससे क्षेत्र के लोग उत्साहित हैं।

मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले रवि शंकर शुक्ला अपने सफल नेतृत्व एवं कार्यों के वजह से पहले भी सम्मानित हो चुके हैं। वर्ष 2023 में दुमका जिले के उपायुक्त रहते हुए रवि शंकर शुक्ला ने लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन में उल्लेखनीय कार्य किया था। इसके लिए दुमका जिले को राष्ट्रपति के हाथों भूमि पुरस्कार मिला था। शुक्ला को वर्ष 2024 में तत्कालीन राज्यपाल एस राधाकृष्णन ने नेशनल वोटर डे पर सम्मानित किया था। वर्ष 2019 में नीति आयोग की ओर से चैंपियन ऑफ चेंज का अवार्ड मिला था।

विधायक ने योजनाओं को किया जनता को समर्पित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने टुण्डी को एक आयाम देने में काफी सक्षम साबित हो रहे हैं अपने चुनावी वादों से ऊपर उठकर जनहित के कार्य करने में लगातार कामयाब हो रहें हैं। प्राप्त समाचार के अनुसार पूर्वी टुंडी के जनता के नाम कई विकास कार्यों का शिलान्यास आज रविवार को किया इनकी गरिमामयी उपस्थिति में भवन प्रमंडल के अधीन बनने वाले पूर्वी टुंडी के नवडीहा प्राथमिक विद्यालय में बालकों के लिए शौचालय निर्माण कार्य का फीता काट कर एवं नारियल फोड़कर विधिवत शिलान्यास किया वहीं उत्क्रमित मध्य विद्यालय चेपकियां में दो कमरों का निर्माण तथा बालक बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण कार्य जो डी एम एफ टी फंड से संचालित होना है का आधारशिला रखा अंतिम में चालधौबा प्राथमिक विद्यालय में डी एम एफ टी फंड से बालकों के लिए शौचालय निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। कुल 55 लाख रुपए की लागत वाली योजनाएं जनता के नाम किया । बताया जाता है कि चुनाव परिणाम आएं महज कुछ माह ही हुए हैं और इन्होंने अपने वादे से कहीं ज्यादा विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाने में अव्वल रहे हैं। मौके पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो, झामुमो नेता रामचन्द्र मुर्मू, रफीक अंसारी, ऐनुल अंसारी, विधायक के निजी सचिव बसंत महतो, हकीमुद्दीन अंसारी, आनंद महतो, विकास महतो, मनोज महतो संवेदक दीपक चौधरी, राजेन्द्र मोदी, पारस कुमार भगत समेत कई झामुमो नेता उपस्थित थे।

वक्फ बोर्ड कानून से राजनीति में हलचल

रांची। केंद्र सरकार द्वारा लाया गया वक्फ बोर्ड नया कानून देश की राजनीति में हलचल पैदा कर चुका है। दरअसल, मोदी सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड के कार्यों पर संशोधन करने के लिए एक नया कानून लाया गया है, जो कि देश भर में चर्चा का विषय बन चुका है।

मौसम की मार से किसानों की बढ़ीं मुश्किलें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। पिछले एक सप्ताह से रांची, खूंटी, सिमडेगा व गुमला जिले के विभिन्न प्रखंडों में ओलावृष्टि के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हो रही है। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, मौसम 21 अप्रैल तक रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है। मौसम में आए इस बदलाव की वजह से किसानों की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है।

नामकुम, बेड़ो, तोरपा, मुरहू (खूंटी), बुढ़मू, ओरमांझी, अड़की, रनिया, मांडर, सिसई समेत कांके के किसान ओलावृष्टि के साथ हुई वर्षा से परेशान हैं। वर्षा से सब्जी के खेतों में पानी जमा हो जाने के कारण हरी सब्जियां सड़ गई। खासकर गोभी व पत्ता गोभी की फसल को काफी नुकसान हुआ है, अब किसान चिंतित हैं।

सब्जी की खेती के लिए उन्होंने जमा पूंजी लगा दी थी। कुछ किसानों ने कर्ज लेकर सब्जी की खेती की थी। अब उनके समक्ष यह समस्या है कि सब्जी की खेती से हो चुके नुकसान की भरपाई कैसे करें। वहीं दूसरी ओर, ओलावृष्टि से आम के पेड़ों पर लगे मंजर झड़ चुके हैं, जिसकी वजह से किसान निराश हैं।

बेड़ो प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दिनों ओलावृष्टि से 17 पंचायत के किसानों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। सब्जी की खेती कर यहां के किसान काफी समृद्ध हो रहे थे, लेकिन बेमौसम ओलावृष्टि व वर्षा से खेतों में सब्जियां सड़ रही हैं।

वहीं दूसरी ओर मनरेगा पार्क में लगे आम के पेड़ों पर लगे मंजर ओलावृष्टि से झड़ चुके हैं। इससे किसानों को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।

बेड़ो प्रखंड स्थित ईंटा चिल्द्री गांव के किसान कालिंद्र सिंह ने बताया कि ओलावृष्टि से फसलों के साथ-साथ आम की फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है।

जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी कांग्रेस की प्राथमिकता : बिट्टू पाठक

सैकड़ों लोगों ने थामा कांग्रेस का दामन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों ने कांग्रेस पार्टी का सदस्यता लिया। मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने कहा कि जिनकी जितनी आबादी उनकी उतनी हिस्सेदारी दिलाना कांग्रेस की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि आज सैकड़ों की संख्या में युवाओं और महिलाओं ने कांग्रेस पार्टी का सदस्यता ग्रहण किये उन्होंने राहुल गांधी के न्याय योजना का प्रस्ताव जिसका उद्देश्य गरीब परिवार को न्यूनतम आय प्रदान करना जिसके साथ ही किसानों के लिए समर्थन बढ़ाने और उनकी आय दुगनी करने के लिए कई योजनाएं का प्रस्ताव उनके पास है। महिला सशक्तिकरण

के लिए कई कदम उठाए गये हैं जैसे कि महिलाओं के लिए शिक्षा और रोजगार का अवसर बढ़ाना।

श्री पाठक ने कहा कि राहुल गांधी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाया है और कई भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने किसानों के लिए ऋण माफी योजना को ले जिन राज्यों में कांग्रेस पार्टी का सरकार बनी वहां पर किसानों का ऋण माफी किया गया। यह तमाम कार्यों को देखकर आज बड़ी संख्या में लोग कांग्रेस पार्टी का दामन थामे हैं। इनकी आशा और भविष्य कांग्रेस पार्टी दिख रहा है जिसको देखते हुए कांग्रेस पार्टी का सदस्यता ग्रहण किए हैं।

उन्होंने कहाकि कांग्रेस के विचारधारा से प्रभावित होकर राहुल गांधी के नेतृत्व मैं आस्था जताते हुए सैकड़ो युवाओं ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा। पलामू जिला में लगातार युवाओं का रुझान कांग्रेस की और प्रत्येक दिन बढ़ रहा है।

मौके पर प्रखंड पर्यवेक्षक समीम अहमद रायन ओम प्रकाश अमन ईश्वरी प्रसाद सिंह शैलेश चंद्रवंशी अशोक तिवारी मिट्ठू खान देवगं शुक्ला सौरव पांडे अमिताब शर्मा छोटू चंद्रवंशी प्रेमचंद तिवारी चैनपुर प्रखंड अध्यक्ष अखिलेश चौधरी मंडल अध्यक्ष गयेश सरवर शहाबुद्दीन अंसारी मुखलाल चौधरी सुरेंद्र राम सुनना सिंह सुरेंद्र भुइंया मदन राम मनोज चौधरी पिंटू भैया रामजी राम शिव शंकर राम अनीता देवी सोनी देवी सत्येंद्र उरांव अजामुद्दीन अंसारी नसीम अंसारी आदि शामिल रहे।

हत्यारोपित को दागी गोलियां, थर्राया इलाका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

महागामा। महगामा थाना क्षेत्र के वनरचुआ गांव में गोलियों की गूंज सुनाई दी। चर्चित सच्चिदानंद मिश्रा उर्फ सच्चो मिश्रा हत्याकांड के आरोपी वनरचुआ ग्राम निवासी स्व हरिकिशोर झा पुत्र श्यामा झा(20वर्ष) पर जानलेवा हमला हुआ।अज्ञात अपराधियों ने उसे निशाना बनाते हुए जबड़े के नीचे गोली मारी, जो गर्दन के पीछे तक छेद कर दी गई। गंभीर रूप से घायल श्यामा झा को महागामा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर खालिद अंजुम व डॉक्टर की टीम के द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए गोड्डा सदर अस्पताल रेफर किया गया। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद, पुलिस इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार महतो, प्रभारी थानेदार राज गुप्ता सहित पुलिस बल पहुंचकर घटना की छानबीन में जुट गए हैं।

चौंकाने वाली बात यह है कि न सिर्फ घायल श्याम झा ही नहीं, बल्कि उसका बड़ा भाई कन्हैया झा भी सच्चिदानंद मिश्रा हत्याकांड का अभियुक्त है। दोनों भाई इस समय जमानत पर बाहर चल रहे हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। एमजीआर एनटीपीसी रोड दियाजोरी से लेकर ,मोहानी , दिग्घी तक पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है।

गौरतलब हो कि बीते 24 जुलाई 2023 को महागामा थाना क्षेत्र के वनरचुआ गांव में भूमि विवाद को लेकर सच्चिदानंद मिश्रा की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। मृतक की पत्नी निवेदिता मिश्रा के बयान पर हरकिशोर झा उर्फ मुन्ना झा समेत सात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज हुआ था। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने प्रेस वार्ता में जानकारी दी थी कि डबिया व धारदार हथियार से हमला कर सच्चिदानंद मिश्रा की हत्या की गई थी। इस मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के अंदर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

शुभमन गिल पर स्लो ओवर रेट के लिए लगा 12 लाख का जुर्माना

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम को आईपीएल 2025 के मैच नंबर 35 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अहमदाबाद में शनिवार को धीमी ओवर गति बनाए रखने का दोषी पाया गया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, चूंकि यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था, इसलिए आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर रेट अपराधों से संबंधित है, गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गिल अब उन कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन पर इस सीजन में धीमी ओवर गति के लिए दंड लगाया गया है, जिनमें अक्षर पटेल (दिल्ली कैपिटल्स), संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल्स), रजत पाटीदार (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू), ऋषभ पंत (लखनऊ सुपर जायंट्स), रियान पराग (आरआर) और हार्दिक पांड्या (मुंबई इंडियंस) शामिल हैं। हालांकि पिछले साल के विपरीत, इस बार आईपीएल ने दोहराए गए अपराधों के लिए खिलाड़ियों के बैन को हटा दिया है और इसके स्थान पर जुर्माने, डिमेरिट पॉइंट्स और इन-गेम पेनल्टी को लागू किया है। गिल ने अहमदाबाद की गर्म परिस्थितियों में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। गर्म मौसम के कारण खिलाड़ियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा और खेल में कई बार रुकावटें आईं। दिल्ली ने 8 विकेट पर 203 रन बनाए, जिसका पीछा करते हुए गुजरात ने सात विकेट और चार गेंद शेष रहते करते हुए मैच जीत लिया। जॉस बटलर को 54 गेंदों में नाबाद 97 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत के साथ गुजरात पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गई है। सात में से पांच मैच जीतकर उसके दिल्ली के बराबर 10 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट के आधार पर गुजरात आगे है। यह मैच लीग चरण के आधे रास्ते को चिह्नित करता है, जहां सभी 10 टीमों ने सात-सात मैच खेल लिए हैं।

न्यू वंडर बॉय: संजय मांजरेकर ने की 14 साल के वैभव की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्ष के ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने जमकर तारीफ की और उन्हें नया वंडर बॉय करार दिया। वैभव ने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ डेब्यू किया था और टीम के लिए अच्छी पारी भी खेली। हालांकि उन्होंने जिस तरह से शुरुआत की थी उसके बाद वो बड़ी पारी नहीं खेल पाए, लेकिन उनके इंटेंट ने सबको काफी प्रभावित किया।

वैभव ने यशस्वी के साथ की 85 रन की साझेदारी

संजय मांजरेकर ने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल में डेब्यू का मौका देने के लिए राजस्थान रॉयल्स की तारीफ की और उन्हें भारतीय क्रिकेट का नया वंडरबॉय भी कहा। सूर्यवंशी ने इस मैच में मिले मौके का पूरा फायदा उठाया उनकी फियरलेस पारी ने सबको चौंका दिया। उन्होंने आरआर के लिए पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल के साथ की और पहले विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी की।

स्पिनर्स के खिलाफ दिखाई परिपक्वता

मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर बात करते हुए कहा कि जिस तरह की पारी वैभव ने खेली उससे उनके माता-पिता को कितना गर्व हो रहा होगा। मांजरेकर ने कहा कि 30 या 40 साल की उम्र में माता-पिता यह सब देख रहे होंगे और ये अविश्वसनीय था। उन्होंने जो पहले दो छक्के लगाए वो अच्छी गेंदों पर आए और फिर उन्होंने स्पिनर्स के खिलाफ परिपक्वता दिखाई। जब वो आउट हुए तो ऐसा लगा कि वो रो सकते हैं, लेकिन उनकी जितनी उम्र है उसमें ऐसा होना पूरी तरह से स्वाभाविक था।

क्रिकेट का नया वंडरबॉय

मांजरेकर ने आगे कहा कि उन पर भरोसा करने, उन्हें शीर्ष क्रम में बेस्ट मंच देने और यहां तक की एक और बाएं हाथ के खिलाड़ी के साथ खेलने का पूरा श्रेय राजस्थान को जाता है। उन्होंने सचमुच एक वंडरबॉय को मौका दिया है। आपको बता दें कि जब से राजस्थान ने आईपीएल नीलामी में सबसे कम उम्र के वैभव को अपनी टीम में शामिल किया था उसके बाद सबको उनके डेब्यू का इंतजार था। उन्होंने आईपीएल डेब्यू की पहली ही गेंद पर शार्दुल ठाकुर की गेंद पर छक्का लगाया और 34 रन बनाकर एडेन मार्करम की गेंद पर ऋषभ पंत के हाथों स्टंप आउट हुए।राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल की मेगा नीलामी में 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन आरआर के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने इस बात पर जोर दिया था कि टीम आईपीएल के दबाव भरे माहौल में इस युवा खिलाड़ी को जल्दी नहीं लाएगी। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रिटायर्ड हर्ट होने के बाद संजू सैमसन के बाहर होने के बाद सूर्यवंशी ने संयम के साथ अपने मौके का फायदा उठाया। हालांकि इस मैच में राजस्थान की टीम को 2 रन से हार मिली।

यॉर्कर फेंकना जारी रखूंगा, यह मेरी सर्वश्रेष्ठ गेंद है: आवेश खान

जयपुर, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स की इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स पर दो रन की रोमांचक जीत में डेथ ओवरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा कि वह यॉर्कर पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे, जो मुश्किल परिस्थितियों में उनका मुख्य हथियार है। आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए क्रमश- पांच और छह रन दिए, जिससे लखनऊ शनिवार रात को खेले गए मैच में आखिरी तीन ओवरों में 25 रन का बचाव करने में सफल रहा। आवेश ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं यॉर्कर फेंकना जारी रखने की कोशिश करूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि यॉर्कर मेरी सबसे अच्छी गेंद है। मैं हमेशा किसी भी स्थिति में यॉर्कर फेंकने की कोशिश करता हूं। आईपीएल में खुद पर भरोसा रखना महत्वपूर्ण होता है। आवेश ने कहा कि वह किसी तरह से दबाव में नहीं थे क्योंकि जब वह 18वें ओवर में गेंदबाजी करने आए तो रॉयल्स जीत की ओर बढ़ रहा था और उसके 8 विकेट बचे हुए थे।

प्रसिद्ध कृष्णा ने खींचा अंबाती रायुडू का ध्यान, भारतीय टीम के लिए बताया फायदेमंद

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में नूर अहमद की जगह प्रसिद्ध कृष्णा के सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने के बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज और कई बार आईपीएल विजेता रहे अंबाती रायुडू ने कहा कि लंबे कद के इस तेज गेंदबाज की क्षमता न केवल गुजरात टाइटन्स (जीटी) के लिए बल्कि भविष्य में भारतीय टीम के लिए भी फायदेमंद होगी।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में प्रसिद्ध कृष्णा ने दिल्ली कैपिटल्स पर जीटी की सात विकेट की जीत में 4-41 विकेट लिए और अपने कुल टूर्नामेंट की संख्या को 14 तक पहुंचाया, जो नूर द्वारा लिए गए विकेटों से दो ज़्यादा है। प्रसिद्ध कृष्णा लंबे समय से पीठ और क्वाड्रिसेप्स की चोटों के कारण बाहर थे लेकिन इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में छह विकेट लेकर उन्होंने एक मजबूत छाप छोड़ी और अब वे लगातार बेहतर होते जा रहे हैं। रायुडू ने कहा, वह शानदार लय में दिख रहे हैं। उनकी ताकत पिच पर जोरदार तरीके से गेंद मारना है, लेकिन केएल राहुल को उन्होंने जो गेंद

फेंकी, वह काफी चौंकाने वाली थी और साथ ही गेंद अंत में सही दिशा में घूमी। उन्होंने केएल राहुल को चौंका दिया और उनके पास बहुत सारी विविधताएं हैं, उनकी धीमी गेंद भी काफी प्रभावी है। मुझे लगता है कि वह न केवल जीटी के लिए बल्कि भारत के लिए भी आगे बढ़ने के लिए एक बेहतरीन संभावना है।

मुंबई इंडियंस के कोच रह चुके पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी मार्क बाउचर ने रायुडू के विचारों से सहमति जताई और कहा कि प्रसिद्ध इस समय मोहम्मद सिराज के साथ अच्छी गति से गेंदबाजी कर रहे हैं और प्रतियोगिता में जीटी को काफी फायदा पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह अपनी टीम में सिराज के साथ गेंदबाजी का आनंद लेते हैं। वह विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में अपने ऊपर से थोड़ा दबाव हटाते हैं। उनकी गति बढ़ गई है। उनकी लैंथ के कारण उन्हें अच्छा उछाल मिलता है। जब वह गेंदबाजी करते हैं तो ऑफ स्टंप पर अच्छी और टाइट गेंद डालते हैं। इसलिए गेंद को ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ती। बाउचर ने आगे कहा, केएल की गेंद बहुत ज्यादा स्विंग नहीं करती थी, लेकिन बस पर्याप्त स्विंग करती थी। मुझे लगता है कि वह इस समय आत्मविश्वास से भरपूर हैं। उनके रिलीज पॉइंट अच्छे हैं, वह अच्छी हीट के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं, और यह उनके लिए एक शानदार स्थिति है और जीटी के लिए एक ऐसे खिलाड़ी का होना एक शानदार स्थिति है जो नई गेंद नहीं ले रहा है, लेकिन बीच के ओवरों में आकर उनके लिए विकेट ले रहा है।

केकेआर से जुड़े अभिषेक नायर

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के सहायक कोच से हटाए गए अभिषेक नायर फिर से कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ जुड़ गए हैं। इसकी जानकारी फ्रैंचाइजी की तरफ से शनिवार को एक्स पर दी गई। हालांकि, इस पोस्ट में यह नहीं बताया गया कि उनकी किस पद पर वापसी हुई है। दरअसल शुक्रवार को बीसीसीआई ने अभिषेक नायर को टीम इंडिया के सहायक कोच पद से हटा दिया था। अभिषेक नायर के अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई की भी टीम इंडिया से छुट्टी कर दी गई थी। बीसीसीआई ने यह कार्रवाई ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारत की शर्मनाक हार के बाद की। 2018-2024 तक केकेआर का हिस्सा रहे नायर अभिषेक नायर 2018 से 2024 तक बीसीसीआई में कोलकाता नाइट राइडर्स के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। पिछले साल जुलाई में उन्हें भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया था।

राहुल आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज 200 छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

अहमदाबाद, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल आईपीएल में सबसे तेज 200 छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 128वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज पर आक्रमण किया और पिछली गेंद पर चौका लगाने के बाद, अपने लिए जगह बनाई और गेंद को लॉन्ग-ऑन के ऊपर पहुंचा दिया। ऐसा करके, उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 159 पारियां लीं। सूची में अन्य भारतीयों में एमएस धोनी (165 पारी), विराट कोहली (180 पारी), रोहित शर्मा (185 पारी) और सुरेश रैना (193 पारी) शामिल हैं। राहुल इस मुकाम तक पहुंचने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज हैं, उनसे आगे वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और आंद्रे रसेल हैं, जिन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए क्रमशः 69 और 97 पारियां ली थीं। राहुल ने 200 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और उन्होंने 28 रन की तेज पारी खेली, जिससे उन्होंने पावरप्ले में दिल्ली कैपिटल्स की पारी को गति दी, लेकिन पांचवें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा की यॉर्कर पर अपना विकेट गंवा बैठे। राहुल इस सीजन में दिल्ली के लिए फॉर्म में हैं और निश्चित रूप से इस मौके पर खरे उतरे हैं। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट 158.33 है, जो लीग में उनके 12 सीजन के कार्यकाल का सबसे अधिक है। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने छह पारियों में 266 रन बनाए हैं और टीम के लिए अहम भूमिका निभाई है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रहा, जब उन्होंने नाबाद 93 रन की पारी खेली और एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में उनकी टीम को छह विकेट से जीत दिलाई।चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 25 रन की जीत में भी उनकी अहम भूमिका रही थी, जिसमें उन्होंने 77 रन बनाए थे। उन्हें ट्रिस्टियन स्टब्स के साथ राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में सुपर ओवर में टीम की जीत के लिए भी चुना गया था, जिसमें उनकी शानदार बल्लेबाजी और दिल्ली का उन पर भरोसा झलकता है।

बाबर के सामने पानी भरते नजर आए रिजवान

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग 2025 के 9वें मैच में बाबर आजम की कप्तानी वाली पेशावर जल्मी का सामना मोहम्मद रिजवान की कप्तानी वाली मुल्तान सुल्तान के साथ हुआ। इस मुकाबले में बाबर के सामने रिजवान की कप्तानी पूरी तरह से फीकी नजर आई और उनकी टीम को पाकिस्तान सुपर लीग इतिहास की सबसे बड़ी हार (रन के लिहाज से) का सामना करना पड़ा। इस मैच में बाबर की टीम पेशावर ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 227 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इसके बाद रिजवान की कप्तानी वाली मुल्तान सुल्तान 15.5 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई और इस टीम को 120 रन के अंतर से हार मिली। इसके साथ ही पेशावर ने इस लीग की सबसे बड़ी जीत हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड लाहौर कलंदर्स के नाम पर दर्ज था। उन्होंने 2023 में इस्लामाबाद यूनाइटेड को 119 रन से हराया था।रिजवान की टीम के खिलाफ बाबर आजम का बल्ला नहीं चला और वो 2 रन पर ही निपट गए, लेकिन इस टीम के लिए कोहलर काडमोर ने 52 रन, मोहम्मद हासिल 45, तलत 37 रन, मिचेल ओवेन 34 रन जबकि अब्दुल समद ने 14 गेंदों पर 3 छक्के और 4 चौकों की मदद से 40 रन की पारी खेली।

अर्जुन बाबुता मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूके, भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर

आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप

लीमा (पेरू), एजेंसी। फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि आर्या बोरसे महिलाओं की स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं। पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए। विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे।

भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा। फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली। शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की। बाबुता को एक समय 0.3 अंक की मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन चीन के निशानेबाज में 10.9 अंक का निशाना साधकर बढ़त बना दी। बाबुता का अंतिम स्कोर 10.5 फिर से बढ़त हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था, क्योंकि शेंग ने 10.3 के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम पक्का कर दिया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में बाबुता ने पहली रिले में 631.9 का मजबूत स्कोर बनाया, जबकि शेंग ने 635.0 के साथ सहजता से शीर्ष स्थान हासिल किया। पाटिल ने दूसरी रिले में 632.0 का स्कोर बनाकर ग्रुप का नेतृत्व किया और कुल मिलाकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारत के हृदय हजारिका मामूली अंतर से फाइनल में जगह बनाने से चूक गए और 629.3 के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रहे। आईएसएसएफ विश्व कप सर्किट के दूसरे चरण में 10 मीटर एयर राइफल महिला स्पर्धा में आर्या ने शनिवार को 633.9 का शानदार स्कोर बनाकर पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वह मौजूदा जूनियर विश्व चैंपियन और स्वर्ण पदक विजेता चीन की वांग ज़िफ़ेई से पीछे रहीं। चीन की निशानेबाज ने इस दौरान तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए। आर्या 24 शॉट के फ़ाइनल के 18वें शॉट के बाद बाहर हो गईं। उनका स्कोर 188.1 था। चीन ने इस स्पर्धा में तीनों पदक जीते। हान जिया ने रजत जबकि फैन ज़िनी ने कांस्य पदक जीता।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली से उत्तराखंड आकर नाबालिग लड़की का अपहरण, यासीन के साथ 2 दोस्तों ने की शर्मनाक हरकत

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के विकासनगर में बदमाशों ने एक शर्मनाक घटना को अंजाम दिया है। कार सवार युवकों ने नाबालिग का अपहरण कर लिया। शनिवार को नाबालिग की पिता की तहरीर पर पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आरोप है कि यासीन अपने दोस्तों के साथ उसके घर के बाहर आया और नाबालिग लड़की का अपहरण कर फरार हो गया।आरोप है कि पहले भी कार सवार युवक नाबालिग का अपहरण करने का प्रयास कर चुके हैं। कोतवाल विनोद गुसाई ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के एक व्यक्ति ने तहरीर दी है। बताया कि शुक्रवार रात को करीब दस बजे धौलाकुआं दिल्ली निवासी यासीन पुत्र गुलाम हुसैन और उसके साथ ही रमजान, सफरू व बंशी कार लेकर उसके घर के बाहर आए। इसके बाद वह उसकी नाबालिग लड़की का अपहरण कर साथ ले गए। बताया कि इससे पहले भी यासीन उसकी पुत्री के अपहरण का प्रयास कर चुका है। कोतवाल ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया है। बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी और नाबालिग की सकुशल बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस की ओर से नाबालिग लड़की की खोजबीन के लिए टीम का गठन कर आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

दिल्ली में जाम छलकाने की उम्र में मिलेगी छूट ? नई शराब नीति पर काम कर रही सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की नई शराब नीति को लेकर काम कर रही भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने साफ किया है कि वह शराब पीने की उम्र में कोई बदलाव नहीं करने जा रही है। वर्तमान में दिल्ली में शराब खरीदने या पीने की न्यूनतम उम्र 25 साल है। पिछली सरकार ने इसमें बदलाव की बात की थी, लेकिन विरोध के बाद सरकार ने इस पर कोई फैसला नहीं किया है। हालांकि कई राज्यों में शराब पीने की उम्र 21 साल है। सूत्रों की मानें तो दिल्ली की मौजूदा सरकार नई शराब नीति पर काम कर रही है। बीते दिनों इसे लेकर आबकारी विभाग की एक बैठक भी हुई है। सरकार के सामने नई नीति को लेकर कुछ मसौदा रखा गया है। शराब नीति को बनाते समय आबकारी विभाग छह राज्यों में मौजूदा शराब नीति का भी अध्ययन कर रही है। इनमें यूपी, महाराष्ट्र, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक शामिल हैं। बताते चलें कि दिल्ली में बीते तीन साल से नई शराब नीति को लेकर काम चल रहा है। मगर पिछली आप सरकार में बनी शराब नीति को लेकर उठे सवाल और तथाकथित घोटाले सामने आने के बाद से ही उस पर कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया। वर्तमान में दिल्ली की शराब नीति में सिर्फ सरकार की चार एजेंसियां ही दुकानें चला रही हैं। सरकार इसमें बदलाव चाहती है। गौरतलब है कि दिल्ली में पूर्व की अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के दौरान भी शराब नीति में बदलाव किए गए थे। इसके तहत निजी संचालकों को ओपन टेंडर के माध्यम से शराब बेचने के लिए लाइसेंस जारी किए गए थे। नई नीति में शराब पीने की कानूनी उम्र सीमा 25 साल से घटकर 21 साल कर दी गई थी। दुकानें बाजार मूल्य के हिसाब से शराब की कीमतें तय कर रही थीं। दिल्ली सरकार का कहना था कि नई नीति से सरकार की कमाई बढ़ेगी। नई नीति को लेकर भाजपा लगातार केजरीवाल सरकार पर हमलावर थी। भाजपा ने इसे लेकर कई तरह के आरोप लगाए थे। इसके बाद 'आप' सरकार ने नई शराब नीति को वापस लेने का फैसला किया था। सरकार ने इसके पीछे आरोप लगाया था कि ईडी और सीबीआई की धमकियां मिल रही थीं।

सुप्रीम कोर्ट को धार्मिक युद्ध की धमकी दे रही भाजपा, निशिकांत दुबे के बयान पर ओवैसी हमलावर

नईदिल्ली, एजेंसी।
भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान को लेकर पूरे देश की राजनीति गर्म हो गई है। पूरा विपक्ष इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर हो गया है। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर प्रहार किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को निशाने पर लेकर कहा कि भगवा पार्टी के समर्थक लोग इतने ज्यादा कट्टरपंथी हो गए हैं कि वे अब खुले आम न्यायपालिका को धार्मिक युद्ध की धमकी दे रहे हैं। भाजपा के नेताओं पर तंज कसते हुए ओवैसी ने कहा, आप लोग(भाजपा) ट्यूबलाइट हैं..... इस तरह से अदालत को धमका रहे हैं। क्या आपको पता भी है कि अनुच्छेद 142 क्या है? इसे बीआर अंबेडकर ने तैयार किया था। भाजपा धोखाधड़ी कर ही है और धार्मिक युद्ध की धमकी दे रही है।, आपको बता दें कि अनुच्छेद 142 के प्रावधान के तहत सुप्रीम कोर्ट अपने समक्ष आए किसी भी मामले में पूर्ण न्याय देने का अधिकार होता है। ओवैसी ने सीधा पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा, मोदी जी अगर आप इन लोगों को नहीं रोकेंगे तो देश कमजोर हो जाएगा। देश आपको माफ नहीं करेगा और कल आप सत्ता में नहीं रहेंगे। निशिकांत दुबे के बयान पर लगभग सभी विपक्षी पार्टियों ने अपनी आपत्ति जताई है। कांग्रेस नेता बीवी श्रीनिवास ने दुबे पर निशाना साधते हुए कहा, निशिकांत दुबे जैसे उपद्रवी सांसदों में अपने आकाओं के आदेश के बिना सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ मुंह खोलने की हिम्मत नहीं है। नड्डा, आप कब तक राम बोलकर छुरा घोंपेंगे?

क्या कहा था भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने: भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश पर गृह युद्ध को भड़काने का आरोप लगाया था। सुप्रीम कोर्ट के अधिकार पर सवाल उठाते हुए दुबे न कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए।

उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट का एक ही उद्देश्य है कि तुम मुझे चेहरा दिखाओ.. मैं तुम्हें कानून दिखाऊंगा। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से आगे जा रहा है। अगर हर चीज सुप्रीम कोर्ट में ही तय होनी है तो संसद और राज्य विधानसभा को बंद कर देना चाहिए। सांसद निशिकांत के इस बयान से भारतीय जनता पार्टी ने खुद को किनारे कर लिया है। अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा कि पार्टी का इस बयान से कुछ भी लेना-देना नहीं है। उन सांसदों को आगे से ऐसा बयान न देने के लिए निर्देशित किया गया है।

सीलमपुर के कुणाल मर्डर केस में 7 संदिग्ध दबोचे, 2 दिन की पुलिस रिमांड में भेजी लेडी डॉन जिकरा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सीलमपुर हत्याकांड की जांच कर रही दिल्ली पुलिस ने 17 वर्षीय कुणाल मर्डर केस के सिलसिले में कुल 7 लोगों को हिरासत में लिया है। मुख्य आरोपी जिकरा, साहिल और दिलशाद को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही कई नाबालिग संदिग्ध भी पुलिस की गिरफ्त में हैं। दिल्ली पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सात संदिग्ध आरोपियों की उम्र की पुष्टि की जा रही है। आगे की जांच जारी है। कुणाल की हत्या के बाद इलाके में तनाव का माहौल है।

अदालत ने कुणाल मर्डर केस में आरोपी महिला जिकरा को शनिवार को 2 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। न्यूज एजेंसी भाषा के अनुसार पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इलाके में 'लेडी डॉन' के नाम से पहचानी जाने वाली महिला जिकरा को मामले में और पूछताछ करने के लिए पुलिस हिरासत में भेजा गया है। जिकरा जेल में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा की पत्नी के लिए बाउंसर का काम करती थी।

पुलिस ने बताया कि न्यू सीलमपुर में गुरुवार शाम साढ़े 7 बजे कुणाल की उसके घर से कुछ ही मीटर की दूरी पर हत्या कर दी गई थी। कुणाल पर उस समय हमला किया गया था जब वह अपने बीमार पिता के लिए चाय बनाने के लिए दूध खरीदने के लिए जा रहा था। अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने अदालत से कहा कि इस मामले के शेष आरोपियों का पता लगाने और हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद करने के लिए उन्हें जिकरा की हिरासत की आवश्यकता है। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान जिकरा ने बताया कि पिछले साल नवंबर में उसके चचेरे भाई साहिल पर दो व्यक्तियों लाला और शंभू ने हमला किया था और यह दोनों कुणाल के दोस्त थे। अधिकारी ने बताया कि कुणाल घटनास्थल पर मौजूद था, लेकिन नाबालिग होने के कारण उसका नाम एफआईआर में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने बताया कि जिकरा और साहिल ने माना कि कुणाल भी इस हमले में शामिल था, इसलिए उन्होंने कथित तौर पर कुणाल से बदला लेने का फैसला किया। दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद ने शनिवार को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के डीसीपी आशीष कुमार मिश्रा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को बुलाकर स्थिति का जायजा लिया।

दिल्ली में अब नहीं होगी पानी की चोरी, आ गए जीपीएस वाले वाटर टैंकर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चुनाव के दौरान टैंकर माफिया और टैंकरों से पानी पहुंचाने को लेकर धांधली का मुद्दा खूब उछला था। वर्तमान बीजेपी सरकार ने तब की आप सरकार पर इसे लेकर खूब हमले किए थे। इसी कड़ी में आज से रेखा सरकार दिल्ली में 1100 नए पानी के टैंकरों को हरी झंडी दिखाएंगी। इन पानी के टैंकरों में जीपीएस लगा होगा, जिससे इनके हर एक मूवमेंट पर नजर रखी जा सकेगी। दिल्ली सरकार का कहना है कि इससे पानी की चोरी और धांधली रोकने में आसनी होगी। दिल्ली सरकार से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि इन टैंकरों को पूरे शहर में तैनात किया जाएगा, खासकर उन क्षेत्रों में जहां पानी की भारी कमी है या जहां पाइपलाइन से आपूर्ति संभव नहीं है। तो आइए जानते हैं,ये नए पानी के टैंकर पूरी दिल्ली में कैसे घर-घर पानी पहुंचाएंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि प्रत्येक टैंकर आधुनिक जीपीएस तकनीक से लैस है,जो वास्तविक समय में उनकी निगरानी करने में सक्षम है। टैंकरों की आवाजाही पर नज़र रखने के लिए एक अत्याधुनिक कमांड सेंटर स्थापित किया गया है,जिससे यह सुनिश्चित होगा कि पानी समय पर और पारदर्शी तरीके से इच्छित स्थानों पर पहुंचे। जल मंत्री परवेश वर्मा ने शुक्रवार को कहा,हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबके लिए पानीके सपने को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रहे हैं। दिल्ली को पानी के संकट से मुक्त करने के लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे। जीपीएसस्-युक्त टैंकरों की तैनाती पारदर्शिता,समयबद्धता और जवाबदेही का प्रतीक है।

उन्होंने कहा,हमारी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करना है कि राजधानी में कोई भी नागरिक पानी से वंचित न रहे। सरकार हर संभव कदम उठा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पानी हर कॉलोनी, बस्ती और पड़ोस तक पहुंचे।

राजस्थान समेत कई राज्य में तेजी से बढ़ रहा तापमान

नईदिल्ली, एजेंसी। अप्रैल का महीने बीतते-बीतते भारत के अधिकतर हिस्सों में हीटवेव का प्रकोप नजर आने लगा है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ समेत देश के बड़े हिस्से में हीटवेव बनी रहेगी। वहीं राजधानी दिल्ली में हल्के बादल छाए रहेंगे। तेज हवाएं भी चल सकती हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना है।

शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में सबसे ज्यादा तापमान 44.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले शुक्रवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। 24 घंटे में ही तापमान में इतनी बढ़ोतरी दर्ज की गई जो कि सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। मौसम विभाग की भविष्यवाणी की मानें तो आने वाले दिनों में दिल्ली में बादल छाए रहेंगे और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यह सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक था। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी दिल्ली में हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। हवाओं की स्पीड 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा रह सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बारिश के आसार हैं। तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ कई जिलों में तेज बारिश हो सकती है। उत्तराखंडी की बात करें तो कई जगहों पर हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। वहीं हिमाचल प्रदेश और ओडिशा के कई हिसों में ओले गिरने की संभावना है। 21 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। उत्तर प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर गर्मी में बढ़ोतरी देखी जा रही है। रात का तापमान भी धीरे-धीरे बढ़ने लगा है।

अमेरिका में हजारों लोगों ने राष्ट्रपति आवास घेरा, सभी 50 राज्यों में प्रदर्शन

पोस्टर में लिखा- ट्रम्प को अल सल्वाडोर जेल भेजें

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ शनिवार को हजारों प्रदर्शनकारी एक बार फिर सड़कों पर उतर आए। ये प्रदर्शन सभी 50 राज्यों में हुए। प्रदर्शनकारी ट्रम्प की टैरिफ वॉर की नीतियों, सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस का घेराव किया। लोगों ने ट्रम्प पर नागरिक और कानून के शासन को कुचलने का आरोप लगाया। इस आंदोलन को 50501 नाम दिया गया है, जिसका मतलब 50 विरोध प्रदर्शन, 50 राज्य, 1 आंदोलन है।

प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस के अलावा टेस्ला के शोरूमों का भी घेराव किया। ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शनों का यह दूसरा दौर है। इससे पहले 5 अप्रैल को ट्रम्प के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे। राजधानी वॉशिंगटन डीसी समेत सभी राज्यों में प्रदर्शन की बड़ी वजह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कारोबारी इलॉन मस्क की आक्रामक नीतियां हैं। इलॉन मस्क का दक्षता विभाग लगातार सरकारी विभागों में छंटनी कर रहा है। अब तक हजारों सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रम्प की अप्रवासियों पर कार्रवाई और दूसरे देशों पर टैरिफ लगाने की सख्त पॉलिसी भी इन प्रदर्शनों की एक बड़ी वजह है। ट्रम्प के टैरिफ वॉर से अमेरिका में दूसरे देशों से आने वाली चीजों के दाम बढ़े हैं। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है। अमेरिकी सर्वे एजेंसी गैलप के मुताबिक 45प्रतिशत अमेरिकी वोटर्स ट्रम्प के पहले 3 महीने के कामकाज से खुश हैं, जबकि ट्रम्प के पहले कार्यकाल के शुरुआती 3 महीनों में 41प्रतिशत वोटर्स ही उनके कामकाज से संतुष्ट थे। हालांकि यह बाकी राष्ट्रपति की तुलना में बेहद कम है। 1952 से 2020 के बीच सभी राष्ट्रपति की पहली तिमाही की औसत रेटिंग 60प्रतिशत है। इसकी तुलना में ट्रम्प की रेटिंग कम दिख रही है। एजेंसी के मुताबिक ट्रम्प के पदभार संभालने के वक्त उनकी रेटिंग 47प्रतिशत थी। इसमें भी गिरावट दर्ज हुई है।

अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय और चीनी छात्रों ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ कराया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में पढ़ रहे तीन भारतीय और दो चीनी छात्रों ने अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग और अन्य इमिग्रेशन अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। छात्रों का आरोप है कि अधिकारियों ने एकतरफा और गैरकानूनी तरीके से उनका स्न-1 स्टूडेंट वीज़ा स्टेटस रद्द कर दिया, जिससे सैकड़ों नहीं तो हजारों अंतरराष्ट्रीय छात्र प्रभावित हुए हैं। यह मुकदमा अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन की ओर से न्यू हैम्पशायर की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर किया गया है।

याचिका में कहा गया है कि एफ-1 स्टेटस समाप्त होने के कारण छात्र न केवल अवैध प्रवासी की स्थिति में आ गए हैं, बल्कि उन्हें डिटेंशन, डिपोर्टेशन और गंभीर आर्थिक व शैक्षणिक संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। छात्रों का कहना है कि अब वे अपनी डिग्री पूरी नहीं कर सकते और ना ही ग्रेजुएशन के बाद मिलने वाले ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा ले सकते हैं। ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा कराने वाले छात्रों में भारतीय छात्र लिंकिथ बाबू गोरेला हैं। इनका मास्टर्स प्रोग्राम 20 मई को पूरा होना था। लेकिन स्न-1 स्टेटस रद्द होने के कारण न वे डिग्री प्राप्त कर सकते हैं, न किसी ट्रेनिंग प्रोग्राम का हिस्सा बन सकते हैं। इसी तरह थनुज कुमार और मणिकंता पासुला का केवल एक सेमेस्टर बाकी है, लेकिन कोर्ट के हस्तक्षेप के बिना डिग्री मिलना असंभव लग रहा है। दूसरी ओर चीनी छात्र हैंगरुई झांग की आय का एकमात्र स्रोत रिसर्च असिस्टेंटशिप था, जो अब स्टेटस खत्म होने के चलते रोक दिया गया है। हाओयांग एन को 3.29 लाख डॉलर (लगभग 2.75 करोड़ रुपए) की पढ़ाई छोड़नी पड़ सकती है। छात्रों के वकीलों का कहना है कि अमेरिकी सरकार ने वीजा स्टेटस खत्म करने से पहले जरूरी नोटिस या सूचना नहीं दी।

अमेरिका ने यमन में किए 13 हवाई हमले, राजधानी सना और हूती कब्जे वाले तटीय शहर होदेदा को निशाना बनाया

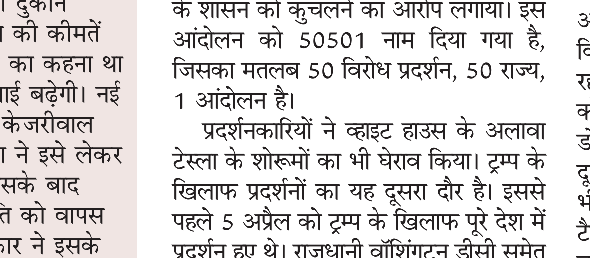

काहिरा, एजेंसी।
यमन में अमेरिकी सेना ने 13 हवाई हमले किए हैं। सेना ने यमन की राजधानी सना और हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले तटीय शहर होदेदा को निशाना बनाया। हूतियों के मीडिया कार्यालय ने शनिवार को अमेरिकी हमलों की रिपोर्ट दी। हालांकि, अमेरिकी हमलों में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

हूती विद्रोहियों ने कहा कि अमेरिकी सेना ने लाल सागर पर होदेदा में एक हवाई अड्डे और एक बंदरगाह को निशाना बनाया है। इससे पहले, अमेरिकी हमले में लाल सागर के बंदरगाह को नुकसान पहुंचा था और 70 से अधिक लोग मारे गए थे। ये हमले नवीनतम हमलों से करीब दो दिन से भी कम समय पहले किए गए थे। मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य अभियानों की देखरेख करने वाली अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने कहा कि वह यमन में हूतियों के खिलाफ हमले जारी रखे हुए है।

रास ईसा बंदरगाह पर हमले में 74 लोगों की हुई मौत

हूती द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अमेरिकी सेना ने बृहस्पतिवार को होदेदा प्रांत के रास ईसा बंदरगाह पर हमला किया। इस हमले में 74 लोग मारे गए और 171 अन्य घायल हो गए। यह हमला ईरान समर्थित विद्रोहियों पर अमेरिका द्वारा जारी बमबारी अभियान में सबसे घातक था। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रास ईसा बंदरगाह पर किए गए हमले पर चिंता व्यक्त की। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक के हवाले से गुटेरेस ने शनिवार को कहा कि वे रास ईसा पर हमले के साथ-साथ इस्राइल और शिपिंग मार्गों पर हूती मिसाइल और ड्रोन हमलों को लेकर गंभीर रूप से चिंचित हैं। दुजारिक ने कहा, महासचिव ने याद दिलाया कि अंतरराष्ट्रीय कानून का हर समय सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी से नागरिकों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे का सम्मान करने और उनकी रक्षा करने की अपील की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि इस हमले का उद्देश्य यमन के लोगों को नुकसान पहुंचाना नहीं था। सेंट्रल कमांड ने संभावित नागरिक हताहतों के बारे में किसी भी सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया।

इजराइल के पास गाजा में युद्ध जारी रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है: नेतन्याहू

येरूशलम, एजेंसी।
इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को फिर घोषणा की कि इजराइल के पास गाजा में युद्ध जारी रखने के अलावा ''कोई विकल्प नहीं'' है और वह हमास को पूरी तरह खत्म करने, बंधकों को मुक्त करने तथा यह सुनिश्चित करने से पहले युद्ध समाप्त नहीं करेगा कि यह क्षेत्र इजराइल के लिए खतरा नहीं बने। प्रधानमंत्री ने फिर से कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार न मिले। नेतन्याहू ने दावा किया कि हमास ने युद्ध विराम जारी रखने के लिए आधे बंधकों को रिहा करने के इजराइल के नवीनतम प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री ने गाजा में किए गए हमलों के बाद यह बात कही। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल की ओर से गाजा में किए गए हमलों में 48 घंटे के दौरान 90 से अधिक लोग मारे गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद माइलस्टोन की सदस्याओं ने की वृद्धजनों की सेवा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इनर व्हील क्लब धनबाद, माइलस्टोन के बैनर तले क्लब के सदस्यों के द्वारा रविवार को संबलपुर के सहयोगी नगर स्थित वृद्धजनों के आश्रयस्थल ओल्ड एज होम का दौरा किया गया।संस्था ने सभी वृद्धजनों के लिए कपड़े, राशन, फल, सब्जी आदि भेंट किए गए । यह कार्यक्रम क्लब की सदस्य कविता गुप्ता, सरिता गुप्ता एवं ममता गुप्ता के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर वृद्ध जनो के लिए नाश्ते की भी व्यवस्था की गई। मौके पर इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष रश्मि सहाय, सचिव ऋतु श्रीवास्तव एवं कोषाध्यक्ष रेणु कौशल मौजूद रहीं।

ईस्टर पर खूंटी में ईसाइयों ने की विशेष प्रार्थना

खूंटी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। खूंटी में ईस्टर के मौके पर जीईएल चर्च के कब्रिस्तान में विशेष प्रार्थनाएं की गई। ईसाइयों का विश्वास है कि गुड फ्राइडे के बाद पास्का पर्व के दिन यीशु मसीह जी उठे अर्थात पुनर्जीवित हुए। इस दिन जीईएल चर्च के विश्वासी सभी कब्रों में फूल मालाएं, मोमबत्ती, अगरबत्ती जलाकर उनके आत्मा की अनंत शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। ईसाईयों की आस्था है कि जिस तरह यीशु मसीह मृतकों में से जी उठे उसी तरह हमारे मृतक भी पुनर्जीवित होंगे और स्वर्ग में ईश्वर के साथ आनंद मनाएंगे। पास्का पर्व के दिन सभी चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं की जाती है। सभी चर्चों के बिशप, पुरोहित, पादरी सामूहिक रूप से अपने अपने चर्च और कब्रिस्तानों में ईस्टर की प्रार्थनाएं अर्पित करते हैं। लोग एक दूसरे को ईस्टर की शुभकामनाएं देते हैं और अपनी खुशी का इजहार करते हैं। ईसाईयों का दो महत्वपूर्ण त्योहार होता है जिसमें बड़ा दिन और ईस्टर शामिल है। बड़ा दिन यीशु के जन्मोत्सव का त्योहार है तथा ईस्टर यीशु के मृत्यु पर विजयी होने की स्मृति में पुनर्जीवन का त्योहार है। ईस्टर का त्योहार अंधकार पर प्रकाश अर्थात बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है।

तीन बच्चे की मां को पति ने आपत्तिजनक स्थिति में दूसरे युवक के साथ पकड़ा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झरिया कोइरीबांध स्थित एक घर से तीन बच्चे की मां को एक युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में उनके पति नहीं धर दबोचा। पति ने झरिया थाना सूचना देकर पत्नी सहित युवक को झरिया थाना के हवाले कर दिया। वहीं, सुबह होते ही युवक को छुड़ाने के लिए काफी संख्या में लोग थाना पहुंचे। वही इस घटना के बाद से झरिया में कई तरह की चचाएं होने लगीं। वहीं, थाना पूछते ही पत्नी ने पति को देख लेने की धमकी दी। वहीं, आसपास के लोगों ने बताया कि जब पति नहीं रहता है तो आयुष नामक युवक का घर में आना-जाना लगा रहता है। शनिवार को पति शादी समारोह में बाहर गया था। तभी मौका देख आयुष घर मे घुस गया। घटना की सूचना जैसे ही पति को मिली झरिया पहुच कर दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथ पकड़ लिया। देर रात को ही मोहल्ला में काफी हो हंगामा होने लगा।

ट्रस्ट ने सरजमदा में महिलाओं और किशोरियों को किया जागरूक, बांटे पैड

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व जन सेवा ट्रस्ट के सौजन्य से सरजमदा में महिलाओं और किशोरियों के लिए मासिक धर्म जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इस सामाजिक कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को मासिक धर्म से संबंधित स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक भ्रांतियों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रोजेक्ट बाला के माध्यम से दर्जनों महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरित किए गए। इस अवसर पर ट्रस्ट के डॉ. मनीष झा ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मासिक धर्म कोई शर्म की बात नहीं, बल्कि यह स्त्री जीवन का एक स्वाभाविक और महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने किशोरियों के स्वच्छता, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य पर जोर दिया।

अनाथ तुलसी की मदद को आगे आए भूला गांव के युवा, 7 हजार की राशन सामग्री पहुंचाई

जमशेदपुर/पटमदा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पटमदा के सिसदा गांव निवासी 2 वर्षीय आदिवासी अनाथ बच्ची तुलसी सिंह की खबर विभिन्न समाचार माध्यमों में प्रकाशित होने के बाद उसकी मदद को अब लोग आगे आने लगे हैं। बोड़ाम प्रखंड के भूला गांव निवासी दर्जनों युवाओं ने मानवता का परिचय देते हुए रविवार को 100 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक एकत्रित कर करीब 7 हजार रुपए जुटाए। इसके बाद रजनी कांत सिंह के नेतृत्व में सिसदा गांव पहुंचकर चावल, आटा, तेल, दाल, साबुन, डिटर्जेंट पाउडर, फल, कपड़ा, समेत 25 प्रकार की सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस संबंध में अंबुज गोराई ने बताया कि तुलसी की दादी को फोन नंबर देकर कहा गया है कि भविष्य में किसी तरह की जरूरत पड़ने पर उन्हें कॉल करें, आगे भी मदद की जाएगी ताकि उन्हें असहाय महसूस न हो। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अगर इस तरह के और भी असहाय लोग हैं तो मदद के लिए उनकी युवा टीम आगे

आएगी। मौके पर कल्लोल कर्मकार, जीवन सिंह, अंबुज गोराई, कृष्णा गोराई, मेघनाथ गोराई, रंजीत सिंह, चक्रधर मुखर्जी, तपन गोराई, रतन सिंह, भक्तरंजन गोराई, हलधर मुखर्जी, आकाश सिंह, रवि गोप, संतोष सिंह, बादल गोप, शिवा सिंह, बृंदावन महतो, सनातन सिंह, ज्योतिलाल गोराई व रविन्द्र गोप आदि शामिल थे। गौरतलब हो कि पिछले रविवार को तालाब में डूबने से तुलसी के पिता बुद्धेश्वर सिंह की 35 वर्ष की उम्र में आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। जबकि उसकी मां कैंसर से पीड़ित होने के कारण 6 माह पहले ही इस दुनिया को अलविदा कह चुकी हैं। परिवार में एकमात्र बच्ची का सहारा के रूप में सिर्फ उसकी दादी (70 वर्षीया) ही है। पारा लीगल वॉलेंटियर (पीएलवी) निताई चंद्र गोराई व नंदा रजक की पहल पर ही आज पीड़ित परिवार को मदद मिली है। उन्होंने युवाओं के प्रति आभार जताते हुए क्षेत्र के अन्य लोगों से भी पीड़ित परिवार की मदद को आगे आने की अपील की है।

जेईई में ड्राइवर का बेटा ऋषभ बना जिला टापर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ना कोचिंग, ना ट्यूशन -खुद से पढ़कर ड्राइवर का बेटा जे ई ई 2025 का बोकारो टॉपर बना है। उसे 99.90.16 परसेंटाइल अंक मिला है। बोकारो के बिहार कॉलोनी, चास के रहने वाले ऋषभ रंजन ने गरीबी और आर्थिक परेशानी से लड़ते हुए अपने इरादे से उसे मात दी है। ऋषभ ने दिखा दिया कि यदि इरादे मजबूत हों, तो कोई भी बाधा सफलता की राह में रोड़ा पैदा नहीं कर सकती। एक ड्राइवर के बेटे होने के बावजूद, ऋषव ने जे ई ई मेंस 2025 के सेशन-2 में 99.90.16 परसेंटाइल हासिल कर जिला टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया।ऋषव ने जे ई ई मेंस 2025 के सेशन-1 में 90.6 परसेंटाइल हासिल किया था। इसके बाद माता-पिता से यह कहते हुए फिर से एग्जाम में बैठा ताकि किया उसे अपना मनचाहा सॉफ्टवेयर इंजीनियर ट्रेड मिल सके। ऋषभ जे ई ई एडवांस्ड निकालने के लिए तैयारी में जुट गया। ऋषव ने कहा कि स्कूल या स्कूल का नाम कोई मायने नहीं रखता है। अगर खुद में कॉन्फिडेंट रहे तो ऑनलाइन तरीके से घर में बैठकर भी सफलता हासिल किया जा सकता है। ऋषव ने बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी जिस कारण उसने ऑनलाइन तैयारी करने की ठानी और पढ़ाई के वक्त सिर्फ मोबाइल का इस्तेमाल किया। वही ऋषव की मां रूबी देवी अपने बेटे के इस सफलता को लेकर इतनी खुश नजर आई कि उसकी आंखों में आंसू आ गए। मां ने कहा कि वह कभी बाहर नहीं जाता था शुरू से ही शांत प्रवृत्ति का था और कभी कोई चीज की डिमांड नहीं करता था हां जिद अगर करता था तो स्कूल में फीस देने की। क्योंकि उसे लगता था कि समय से अगर स्कूल की फीस नहीं जमा होगी तो वह परीक्षा नहीं दे पाएगा। क्योंकि गरीबी के कारण फीस देने में देर सवेर हो जाता था। हमें अपने बेटे पर विश्वास था क्योंकि वह मेहनत करता था क्योंकि मेरी बेटी नहीं पहले ही प्रयास में चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा पास की थी। वही पिता रवि रंजन ने अपने बेटे की सफलता पर कहा की उम्मीद से ज्यादा हमारे बेटे ने हमें दिया है। क्योंकि हमें उम्मीद थी की जिसका कोई नहीं होता उसका ऊपर वाला होता है। बच्चों को पढ़ने में उसकी मां का सबसे बड़ा योगदान है क्योंकि हम हमेशा गाड़ी चलाने के लिए बाहर ही रहते थे, मां बच्चों का ध्यान रखती थी। समय से फीस नहीं दे पाना हम लोग के लिए दर्द भरा रहता था। उन्होंने कहा पहले बेटी ने कमल किया बेटे ने कमाल कर दिया।

अगले 15 साल तक कोयला पेंशनरों को पेंशन भुगतान में नहीं होगी परेशानी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सीएमपीएफ पेंशन फंड में प्रतिटन 10 की जगह 20 रुपए अतिरिक्त सहयोग से अगले 15 साल यानी 2038-40 तक कोयला पेंशनरों को पेंशन भुगतान में कोई परेशानी नहीं होगी। दो दिन पहले आयोजित सीएमपीएफओ बोर्ड (बीओटी) में इस पर चर्चा के दौरान यह बात सामने आई है। एक बीओटी मेंबर ने बताया कि प्रतिटन 20 रुपए के आर्थिक सहयोग से सिर्फ कोल इंडिया से 15 सौ करोड़ रुपए सालाना सीएमपीएफओ को मिलेंगे। बीते वित्तीय वर्ष कोल इंडिया का कोयला उत्पादन 781.08 मिलियन टन था।

अवैध खनन के कारण पुल की स्थिति हुई जर्जर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दामोदर नदी पर खेतको - जारंगडीह के बीच बने पुल का आज खान निरीक्षक व पेटरवार थाना प्रभारी ने निरीक्षण किया। पुल जर्जर स्थिति में है। इस दौरान उन्होंने अवैध बालू से लदा ट्रैक्टर भी जब्त किया। निरीक्षण के दौरान खान निरीक्षक ने कहा अवैध खनन के कारण ही पुल के पिलरों में दरार आई है। इस कारण पुल की स्थिति जर्जर हो गई है।

इस पुल का निर्माण वर्ष 2011-12 मे हुआ था। जिसकी लंबाई 350 मीटर है। इसमें 16 पिलर है। जिसमें से आठ पिलर में दरार आ चुकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बोकारो उपायुक्त के निर्देश पर जिला खनन निरीक्षक सीताराम टुडू, पेटरवार थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा खेतको पहुंचकर दामोदर नदी मे बने पुल का निरीक्षण किया। जहां पाया की पुल वास्तविक मे नीव काफी कमजोर व जर्जर हो गया है ,कभी भी पुल क्षतिग्रस्त हो सकता है तथा जान माल का नुकसान भी हो सकता है। निरीक्षण के समय ग्रामीण उपस्थित थे।निरीक्षण बाद खनन निरीक्षक सीताराम टुडू ने कहा की पुल जर्जर की खबर मिली जिसके बाद उपायुक्त के निर्देश पर निरीक्षण किया जा रहा है। अवैध उत्खनन का कोई शख्स नहीं मिला है क्योंकि पिलर के पास पानी अधिक है लेकिन थाना प्रभारी पेटरवार को निगरानी करने का निर्देश दिया है ताकि पिलर के आसपास बालू का खनन न हो सके। फूलों की स्थिति का रिपोर्ट जिला प्रशासन को दिया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि अगर रात के अंधेरे में अवैध खाना होता है तो इसकी सूचना दें कार्रवाई निश्चित होगी।

ब्लैकमेल कर लाखों के जेवरात की ठगी करने वाला युवा गया जेल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इंस्ट्राग्राम पर दोस्ती कर 18 वर्षीय युवती को इमोशनल ब्लैकमेल कर 54 लाख के सोने चांदी के गहनों की ठगी के मामले में चिरा चास पुलिस ने शनिवार को आरोपी कुमार आदित्य को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।आरोपी हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर आठ सी का रहने वाला है।

मामले में आरोपी योगेश, शिवम महतो व सीवान मोड़ स्थित कृपा ज्वेलरी शॉप के मालिक पंकज सोनार के संलिप्त की भी जांच चल रही है। पीड़ित युवती के परिजनों ने जब घर के लॉकर की जांच की तो यह मामला सामने आया था। इसके बाद युवती के पिता कैलाश मंडल की शिकायत पर नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कारवाई शुरू की गई थी। आरोपी कुमार आदित्य ने वर्ष 2024 में युवती के साथ इंस्ट्राग्राम के जरिए संपर्क कर दोस्ती की। फिर उसे अपने स्थिति का हवाला देकर इमोशनल ब्लैकमेल करते हुए कई बार में 54 लाख रुपए मूल्य के गहनों की ठगी कर ली। युवती ने आरोपी के झांसे में आकर घर के लॉकर से 330 ग्राम सोने का बिस्किट, चार चूड़ी, दो कंगन, दो जोड़ा झुमका, आठ नोजपीन, आठ अंगूठी, चार चेन, मगटीका, नथिया, दो जोड़ा नेकलेस, सिक्का, चांदी का बिस्किट दे दिया।

मामले की जानकारी देते हुए चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि युवती के पिता कैलाश मंडल ने जानकारी मिलने के बाद थाने में लिखित शिकायत दी थी। इस मामले में इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस सहित अन्य तरीके से जांच कर मामले को सही पाया और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। अन्य नामजद आरोपियों के खिलाफ जांच की जा रही है। यह पूरी तरह से इंस्टाग्राम में दोस्ती कर इमोशनल ब्लैकमेल कर ठगी का मामला है। आरोपी के विरुद्ध बोकारो में मामला भी दर्ज है अगर गिरोह बनाकर इस तरह की ठगी को अंजाम दिया जा रहा है तो इस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बच्चों के परिजनों से यह अपील की है कि वह अपने बच्चों पर ध्यान रखें, बिना मतलब के सोशल मीडिया में एक्टिव नहीं रहने की हिदायत दें और उसे पर नजर रखने का काम करें। क्योंकि इसी तरह बच्चे गलत कार्यों का शिकार हो रहे हैं।

वन नेशन वन इलेक्शन देश की जनता की है मांग : ढुलू महतो

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर धनबाद के न्यू टाउन हॉल में फेडरेशन ऑफ धनबाद जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में सांसद ढूलू महतो ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन की मांग देश के 140 करोड़ जनता की मांग है. इस मामले को वे संसद में भी उठाएंगे। इस मांग के पूरा होने से देश आर्थिक तौर से मजबूत होगा।समय की बचत होगी।देश विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा.वन नेशन वन इलेक्शन के मुद्दे पर विपक्ष के विरोध के सवाल पर सांसद ने कहा कि विपक्ष के पास आज कोई मुद्दा नहीं है कोई वीजन नहीं है कोई लक्ष्य नहीं है।प्रधानमंत्री के द्वारा उठाये गए हरेक अच्छे कामों का विरोध करना ही विपक्ष का काम रह गया है।विधायक राज सिन्हा ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर आयोजित यह संगोष्ठी कार्यक्रम काफी सफल रहा।सभी ने इस महत्वपूर्ण विषय पर अपनी राय दी और बिल्कुल ही देश में

यह लागू भी होना चाहिए।इस संगोष्ठी में चिकित्सक,,व्यापारी, अधिवक्ता, शिक्षाविद,कई एनजी ओ के प्रतिनिधि कई सामाजिक राजनीतिक संगठनों के लोगों ने हिस्सा लिया।सभी ने एक देश एक चुनाव को देश में लागू कराने पर जोर दिया। जिला चेम्बर के महासचिव ने बताया कि यह संगोष्ठी पूरी तरफ सफल रहा और अब लोग पोस्टकार्ड के जरिये भी अपनी बात को राष्ट्रपति तक पहुंचाएंगे।कार्यक्रम में मुख्य रूप से झरिया विधायक रागिनी सिंह, जिप अध्यक्ष शारदा सिंह, आईआईटी आईएसएम के डिप्टी डायरेक्टर प्रो. धीरज कुमार उपस्थित हुए।

लिंडसे क्लब एंड लाइब्रेरी ने शुरू की बांग्ला सिखाने की मुहिम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद लिन्डसे क्लब एवं पुस्तकालय ने एक अनोखा प्रयास और प्रयोग रविवार को अपने पुस्तकालय के प्रांगण में शुरू किया है। जिसका शीर्षक है आवोल तावोल बांग्ला पढ़ो, बांग्ला लेखो। चुकि झारखंड के स्कूलो मे बंगला सिखाने का चलन बिल्कुल समाप्त हो चुका हे ,जिसके कारण बंगला साहित्य के अपार सम्भावनाओं से आज के युवा समुदाय वंचित रह गये।धनबाद मे एक बहुसंख्यक बंगाली समुदाय रहते है उसी बंगाली समुदाय के छोटे छोटे बच्चो को बंगाला सिखाने के एक मुहिम चलाया जा रहा हे। इसके इलावा बहुत सारे हिन्दी भाषी बच्चो ने भी बंगला सिखने का आग्रह जताया है।कार्यक्रम सम्पूर्ण रुप से निःशुल्क किया गया। बंगाली समुदाय के ऐसे जानेमाने शिक्षक एवं शिक्षिका पढ़ा रहे है जो कि धनबाद के विभिन्न स्कुल एवं कॉलेज में कार्यरत रह चुके है। साथ ही स्कुल ऑफ आर्ट का उपयोगी आयोजन भी किया जा रहे हे जिसके तहत बहुत ही न्यूनतम शुल्क में हर बच्चो एवं युवाओं को अंकन सिखाने का आयोजन प्रत्येक रविवार सुबह 9 बजे से लिन्डसे क्लब पुस्तकालय के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा।

जेल अदालत में कैदियों के स्वास्थ की भी हुई जांच

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो अनिल कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में आज मंडलकारा चास में एक जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर एवं स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चास जेल में आयोजित इस जेल अदालत में सदस्य सृष्टि कुमारी, ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम बोकारो एवं डिप्टी चीफ एलएडीसी पम्मी कुमारी उपस्थित थीं। साथ ही मंडल कारा चास में स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें जेल में कुल 28 कैदियों की स्वास्थ्य जांच किया गया, जिसमें 22 पुरुष एवं 04 महिला थे, जिसमें एक कैदी को सदर अस्पताल बोकारो रेफर किया गया। साथ ही मंडल कारा चास में एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो के सचिव श्री अनुज कुमार, जेलर श्री निखिल कांत एवं अन्य वक्ताओं द्वारा चास जेल के कैदियों को कानूनी जानकारी दी गई। कैदियों को डालसा अंतर्गत दी जाने वाली विभिन्न विधिक सहायता और कैदियों के प्राप्त अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया। उक्त जानकारी अनुज कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो के द्वारा दी गई है।

आईआईटी आईएसएम में निःशुल्क पढ़ाई कर सकेंगे जेईई एडवांस के छात्र

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जेईई एडवांस 2025 के टॉपर छात्र छात्राओं को आईआईटी आईएसएम निःशुल्क पढ़ाई के अवसर देने जा रही है। आईआईटी आईएसएम के डिप्टी डायरेक्टर प्रो धीरज कुमार ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेईई एडवांस में 1000 से नीचे जिन छात्रों का रैंक आएगा, वैसे छात्रों को आईआईटी आईएसएम में नामांकन लेने पर उन्हें निःशुल्क शिक्षा व्यवस्था मुहैया कराई जाएगी। एआईआर की बेसिक रैंक के ठीक करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था दी जा रही है।साथ ही जो बच्चे पैसे के अभाव में पढ़ाई नहीं कर पा रहें हैं,या उन्हें बैंक लोन लेना पड़ रहा है,वैसे छात्रों को अब घबराने की जरूरत नहीं है। आईआईटी, आईएसएम में पढ़ने वाले छात्रों को भी प्लेसमेंट में अच्छा पैकेज मिल रहा है।

सर्किट ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल,साथ ही माइनिंग, मिनरल जैसे ब्रांच को नॉन सर्किट ब्रांच कहा जाता है।नॉन सर्किट ब्रांच के छात्र को हाल ही 1.26 करोड़ का पैकेज मिला है।60 लाख का पैकेज कई छात्रों को मिला है। उन्होंने कहा कि छात्रों के परफार्मेंस और संस्थान के फैकल्टी के उपयोग पर बहुत कुछ निर्भर करता हैं।हमारे रिसोर्स का इस्तेमाल कर छात्र बेहतर मुकाम हासिल कर सकते हैं।छात्रों को पढ़ाई के लिए कई तरह की सुविधा बढ़ाए गए हैं। कई छात्रों को फैमिली बैकग्राउंड आर्थिक रूप से सही नहीं होता है।वैसे छात्रों के लिए यह एक अवसर है। उन्होंने बताया कि आईआईटी आईएसएम को जेईई के माध्यम से 1200 से अधिक सीटें मिली हैं।कुछ नए ब्रांच के साथ नई कोर्स भी शुरू की गई है।आईआईटी आईएसएम बीटेक माइनिंग के लिए पहले से ही एक प्रीमियम संस्थान है।।आईएसएम ने पांच साल में ड्यूल डिग्री कोर्स भी शुरू किया है।छात्रों को बीटेक और एमबीए की डिग्री साथ साथ मिलेगी।बैचलर ऑफ साइंस एंड मास्टर ऑफ साइंस का भी एक प्रोग्राम है।

मेदिनीनगर शहर थाना में लगी आग 44 वाहन जले

पलामू/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मेदिनीनगर शहर थाना परिसर में आग लग गई, जिससे 44 वाहन जलकर राख हो गए। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। दमकल की दो गाड़ियों का इस्तेमाल हुआ। घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना लगती है। घटना रविवार शाम पौने चार बजे हुई। आग लगने से थाना परिसर में एक घंटे तक अफरा तफरी का माहौल बना रहा। जानकारी के अनुसार शहर थाना परिसर में स्थित मंदिर के पीछे बड़ी संख्या में जप्त समेत अन्य वाहन लगाकर रखे गए हैं। अचानक इन वाहनों से आग की लपटे उठती देखी। सूचना मिलते ही तुरंत शहर थाना के जवान और पुलिस पदाधिकारी सक्रिय हो गए। घटना के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई और जवानों के साथ मिलकर आग पर काबू पाना शुरू कर दिया। शाम 5 बजे तक आग बुझाने का कार्य किया गया। गाड़ियों के टायर, मोबिल, सीट, तेल आदि से आग को और बल मिला। बाद में छानबीन करने पर बताया गया कि 40 मोटरसाइकिल, एक बस, एक ऑटो, एक टोटो रिक्शा और एक कार जलकर नष्ट हो गई है। जिस जगह घटना हुई उससे सटकर बिजली का खंभा है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि बिजली के खंभे से ही आग भड़की और देखते-देखते वाहनों को चपेट में ले लिया। शहर थाना में लगी आग की लपटे इतनी ऊंची उठ रही थी कि इसका काला धुआं पूरे शहरी क्षेत्र में फैल गया था। आसमान में काले धुंए को देखकर लोग आश्चर्य में पड़ गए। बाद में पता चला कि शहर थाना में आग लगी है। पुलिस जवान अगर सक्रियता नहीं दिखाते मोटरसाइकिल समेत अन्य वाहन भी जलकर नष्ट हो जाते और ज्यादा नुकसान हो जाता। आग बुझाने में शहर थाना के प्रभारी थाना प्रभारी गुलशन बिरवा, टीओपी वन के प्रभारी रुद्रानंद सरस, यातायात प्रभारी समाल अहमद, थाने के मुंशी कालिंदी, राकेश और बड़ी संख्या में पुलिस जवान और फायर ब्रिगेड के कर्मी शामिल थे।

दवा व्यवसाई पर अंधाधुंध फायरिंग, कई घायल

देवघर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कुंडा थाना के बलियाचौकी के मां यशोदा मेडिकल हॉल में अपराधियों ने रविवार दोपहर एक बजे दवा दुकानदार प्रमोद कुमार पर अंधाधुंध फायरिंग की। मामला जमीन घेराबंदी में रंगदारी नहीं देने से जुड़ा हुआ है। दवा दुकानदार को हाथ में गोली लगी है। किसी तरह काउंटर के नीचे छुपकर दवा दुकानदार ने अपनी जान बचाई। ताबड़तोड़ गोलीबारी से पूरी इलाके में दहशत फैल गया।

घटना की जानकारी पाकर कुंडा थाना की पुलिस मौके पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। गोलीबारी में जख्मी दुकानदार प्रमोद कुमार को इलाज के लिए सदर में भर्ती कराया गया है। जख्मी दुकानदार ने चार अपराधियों की पहचान की है और उनके नाम पुलिस को बताए हैं। दुकानदार ने बताया कि दोपहर में अपने दुकान में बैठे थे तभी 8-10 की संख्या में अपराधी आए और अंधाधुंध फायरिंग करने लगे और एक गोली हाथ मे लग गई। किसी तरह काउंटर के नीचे छिपकर अपनी जान बचाई। गोलीबारी के बाद सारे अपराधी मौके से फरार हो गए। जख्मी दुकानदार के पिता वासुदेव यादव ने बताया कि वे लोग जमीन की घेराबंदी करवा रहे थे, तभी वह चार-पांच लोग आए और रंगदारी मांगी। उसे समय अपराधियों को खदेड़ कर भगा दिए तो 8-10 की संख्या में बदमाश दवा दुकान पर पहुंचे और अंधाधुंध फायरिंग कर बेटे को जख्मी कर दिया। बगल के दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगा है, जिसमें पूरी घटना कैद हुई है। पुलिस उसके आधार पर मामले की छानबीन में जुट गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK